THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 281 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष शु.3 2081 गुरुवार, 2 जनवरी-2025**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

कच्छ में महसूस किए गए भूकंप के झटके 3.2 रही तीव्रता

कच्छ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिसके बाद लोग सहम गए और वे अपने घरों से बाहर निकल आए। बताया गया गया है कि भूकंप सुबह 10.24 मिनट पर आया है, जिसका केंद्र भचाऊ से 23 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व (एनएनई) में स्थित था। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने बताया कि बुधवार सुबह गुजरात के कच्छ जिले में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया। जिला प्रशासन ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। पिछले महीने इस क्षेत्र में 3 से अधिक तीव्रता की चार भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की गईं, जिसमें तीन दिन पहले 3.2 तीव्रता का भूकंप भी शामिल है, जिसका केंद्र भी भचाऊ के पास था। आईएसआर के अनुसार, 23 दिसंबर को जिले में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था और 7 दिसंबर को 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था। पिछले साल 18 नवंबर को कच्छ में 4 तीव्रता का भूकंप आया था।

सीएम आतिशी के खिलाफ बीजेपी किसे देगी टिकट?

कालकाजी सीट पर कांग्रेस से इस महिला नेता की चर्चा

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस, बीजेपी और आम आदमी पार्टी ने अपनी रणनीतियां तैयार कर ली हैं। बीजेपी और कांग्रेस ने दिल्ली की सत्ता हासिल करने के लिए 'आप' के खिलाफ पूरी ताकत झोंक दी है। इसमें कालकाजी सीट की बड़ी चर्चा है, क्योंकि यहां से मुख्यमंत्री आतिशी मैदान में हैं, जबकि बीजेपी पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतार सकती है।

इसके अलावा कांग्रेस अलका लांबा को टिकट दे सकती है। 'आप' ने सभी 70 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान भी कर दिया है। कांग्रेस अब तक 47 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। टिकट बंटवारे में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस से पीछे चल रही भारतीय जनता पार्टी अब चुनावी मोड में आ गई है। बीजेपी की रणनीति चुनाव कार्यक्रम के ऐलान से पहले उम्मीदवारों की लिस्ट फाइनल करने की है।

दिल्ली चुनाव में बीजेपी इन दिग्गजों पर लगा सकती है दांव

पिछले 26 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर चल रही बीजेपी जीत का सूखा खत्म करने की कोशिश में इस बार बड़े चेहरों पर दांव लगा सकती है। नई दिल्ली सीट से इस बार के चुनाव में सीएम कैंडिडेट अरविंद केजरीवाल चुनाव मैदान में हैं। यहां से बीजेपी पश्चिमी दिल्ली के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अपना उम्मीदवार बना सकती है। वहीं ग्रेटर कैलाश से आप नेता सौरभ भारद्वाज के सामने बीजेपी मीनाक्षी लेखी को मैदान में उतार सकती है। इसके साथ ही पड़पड़गंज में अवध ओझा के खिलाफ दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को टिकट मिल सकता है। इसके अलावा 2013 के दिल्ली चुनाव में बीजेपी का सीएम फेस रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता का नाम भी विधानसभा चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों में बताया जा रहा है।

बता दें दिल्ली में फरवरी, 2025 में विधानसभा के चुनाव हो सकते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आप और कांग्रेस का गठबंधन नहीं हो पाया था, जिसके बाद दोनों दल एक दूसरे के खिलाफ जबरदस्त मोर्चा खोले हुए हैं। लोकसभा चुनाव दोनों पार्टियां साथ लड़ी थीं, लेकिन कोई खास करिश्मा नहीं दिखा पाईं। इस विधानसभा चुनाव में दिल्ली में त्रिकोणीय मुकाबला है। जहां आप फिर से सत्ता में बने रहने के लिए ताकत लगाई हुई है। कांग्रेस और बीजेपी सत्ता में वापसी के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कसा तंज

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2025 के पहले दिन दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को एक चिट्ठी भेजी है। वीरेंद्र सचदेवा ने चिट्ठी में लिखा कि 'अरविंद केजरीवाल आप 2025 में गलत आदतें छोड़कर खुद में सार्थक परिवर्तन लाएंगे ऐसी सभी दिल्ली वाले आशा रखते हैं। आपसे आग्रह है कि चिट्ठी में लिखे ये पांच संकल्प जरूर लें।' उन्होंने लिखा, आपको नए साल की शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करता हूं। हम सभी बचपन से ही नए साल के दिन बुरी आदतों को छोड़ने और अच्छे और नए काम करने का संकल्प लेते हैं। आज नए साल के पहले दिन आप भी झूठ बोलने की और छल-कपट करने की अपनी गलत आदत छोड़कर खुद में सार्थक परिवर्तन लाएंगे ऐसी सभी दिल्ली वाले आशा रखते हैं। मेरे आग्रह पर आप कम से कम यह पांच संकल्प इस साल जरूर लें।

वीरेंद्र सचदेवा की चिट्ठी में पांच संकल्प क्या हैं?

मुझे विश्वास है कि आप अब कभी भी अपने बच्चों की झूठी कसम नहीं खाएंगे।

आप दिल्ली की महिलाओं, बुजुर्गों और धार्मिक जनों की भावनाओं से झूठे वादे करके कर रहे खिलवाड़ को बंद करेंगे।

आप दिल्ली में शराब को प्रोत्साहन देने के लिए दिल्लीवालों से क्षमा मांगेंगे।

यमुना की सफाई पर झूठे आश्वासनों और सफाई के नाम पर किए भ्रष्टाचार के अपराध के लिए आप सार्वजनिक तौर पर माफी मांगेंगे।

आप राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश विरोधी ताकतों से मिलना और चंदा न लेने का संकल्प लेंगे।

वीरेंद्र सचदेवा ने आगे चिट्ठी में लिखा, मैं आशा करता हूं कि आप मेरे इन सुझावों को अपना कर झूठ और छल कपट से दूरी बनाकर खुद के जीवन में सार्थक सुधार लाएंगे, ईश्वर आपको सुमार्ग पर चलने की शक्ति दें।

पत्नी पर जानलेवा हमले मामले में

शख्स को सजा-ए-मौत; कोर्ट का फैसला

मंगलूरू, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मंगलूरू की एक अदालत ने एक व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। उसे अपने तीन बच्चों की हत्या और अपनी पत्नी को कुएं में धकेलकर मारने का प्रयास करने के आरोप में दोषी करार दिया गया है। तृतीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय की जज संध्या ने 31 दिसंबर को हितेश शेट्टीगर को उसके जघन्य कृत्य के लिए मृत्युदंड की सजा सुनाई। पुलिस के मुताबिक, घटना 23 जून 2022 को पदानूर गांव में हुई। आरोपी ने कथित तौर पर अपने तीन बच्चों को कुएं में धकेल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। उसने अपनी पत्नी लक्ष्मी को भी उसी कुएं में धकेलकर हत्या करने का प्रयास किया। जांच में पता चला कि आरोपी बेरोजगार था और अक्सर अपनी पत्नी से झगड़ा करता था। घटना वाले दिन आपसी नाराजगी के कारण उसने अपराध करने से पहले अपने बच्चों के स्कूल से लौटने का इंतजार किया। जब महिला मदद के लिए चिल्लाई, तो पास में काम कर रहे एक फूल विक्रेता ने उसकी चीख सुनी और कुएं में चढ़कर उसे बचाया। जांच के दौरान पता चला कि सबसे बड़ी बेटी ने कुएं में लगे पंप के पाइप से चिपककर खुद को बचाने की कोशिश की थी। हालांकि, आरोपी ने चाकू से पाइप को काट दिया, ताकि वह बच न सके। शिकायत के आधार पर मुल्की पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया। इंस्पेक्टर कुसुमाधारा के नेतृत्व में और एएसआई संजीव की सहायता से विस्तृत जांच के बाद, अदालत में आरोप पत्र पेश किया गया। अभियोक्ता मोहन कुमार ने मुकदमे के दौरान मजबूत सबूत पेश किए। इससे आरोपी के अपराध साबित करने काफी मदद मिली। इसके बाद कोर्ट ने इस नतीजे पर पहुंची कि बच्चों की नृशंस हत्या और उसकी पत्नी की हत्या के प्रयास के लिए अधिकतम सजा ही सुनाई जानी चाहिए।

रेप केस में तुरंत न्याय दिलाएं सीएम, जीतू पटवारी ने पूछा ये कैसा मप्र बना रही भाजपा

इंदौर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में चार साल की बच्ची से रेप के मामले में विरोध बढ़ता ही जा रहा है। रात द्वारकापुरी थाने के लोगों ने कैंडल मार्च निकाला और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस मामले में दो आरोपियों को पकड़ा गया है। एक की उम्र 17 और एक की उम्र 12 साल है। 17 वर्षीय आरोपी को बाल सुधार गृह भेजा है, दूसरे आरोपी को परिजन के पास ही रखा गया है। द्वारकापुरी थाने के टीआई आशीष सप्रे ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में तुरंत ही एफआईआर दर्ज कर ली थी। पाक्सो में केस दर्ज किया गया है। पड़ोसियों के बयान होना बाकि हैं, जल्द ही चालान पेश कर दिया जाएगा। परिजन आरोपियों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, जो भी न्याय संगत होगा कार्रवाई की जाएगी। द्वारकापुरी इलाके में शुक्रवार दोपहर 4 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया था। बच्ची को घर में अकेला देख 17 वर्षीय नाबालिग ने दुष्कर्म किया।

मंदिरों से खत्म की गई सालों पुरानी प्रथा

अब नहीं उतारे जाएंगे पुरुषों के कपड़े

कोच्चि, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केरल में एक प्रमुख हिंदू भिक्षु ने मंदिरों में प्रवेश के लिए सालों पुरानी परंपरा को खत्म कर दिया है। यहां पर मंदिरों में पुरुष भक्तों के ऊपरी भाग पर पहने जाने कपड़ों को हटाने की प्रथा को समाप्त करने की बात कही गई है। प्रसिद्ध संत-समाज सुधारक श्री नारायण गुरु द्वारा स्थापित प्रसिद्ध शिवगिरी मठ के प्रमुख स्वामी सच्चिदानंद ने कहा कि यह प्रथा राज्य के कई मंदिरों में है, जिसका पालन आगे से नहीं किया जाएगा। स्वामी सच्चिदानंद ने तीर्थयात्रा सम्मेलन में एक भिक्षु ने उन्हें इस प्रथा से जुड़ी बुराई के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ये सामाजिक तौर पर लोगों की मुश्किलों को बढ़ाने वाली समस्या है। भिक्षु ने स्वामी सच्चिदानंद और इसे खत्म करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि ऊपरी भाग से कपड़े उतारने की प्रथा बहुत साल पहले शुरू की गई थी।

इसके पीछे का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि पुरुष 'पूनूल' (ब्राह्मणों की ओर से पहना जाने वाला पवित्र धागा) पहनते हैं या नहीं, इसे देखने के लिए ऐसा किया जाता था। उन्होंने धार्मिक दृष्टि से इस प्रथा को लेकर कहा कि ऐसा करना नारायण गुरु के उपदेशों के खिलाफ है। इस तरह की प्रथा का पालन होता देख उन्हें बहुत दुख होता है। खासतौर पर जब ऋषि-सुधारक से जुड़े कुछ मंदिर अभी भी इसका पालन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किया इस सुधार का समर्थन

कुछ मंदिरों में, दूसरे धर्मों से जुड़े लोगों को आने की अनुमति नहीं है। जब कुछ लोग श्री नारायणेय मंदिर भी इसका पालन करते हुए पाए जाते हैं, तो मुझे इसके बारे में बहुत काफी दुख होता है। यहां पर पुरुष भक्तों के ऊपरी कपड़े को उतारने की प्रथा को माना जाता है। भिक्षु ने अनुरोध किया था कि इस तरह की प्रथा को किसी भी कीमत पर ठीक किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि श्री नारायण गुरु एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने मंदिर की संस्कृति को आज के समय से जोड़ते हुए बनाया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद थे। इस प्रथा को खत्म की बात का उन्होंने समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाकई में इस तरह के सुधार की जरूरत है।

खाई में पलटी यूपी सरकार के मंत्री के काफिले की गाड़ी, महिला कार्यकर्ताओं समेत 5 घायल

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर संजय निषाद के काफिले की एक गाड़ी हादसे का शिकार हो गई है। जानकारी के मुताबिक, मंत्री के काफिले की गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में पलट गयी। इस हादसे में गाड़ी में सवार 4 महिला कार्यकर्ताओं सहित पांच कार्यकर्ताओं के घायल होने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद पार्टी द्वारा आयोजित संवैधानिक अधिकार यात्रा में शामिल होने के लिए रात को काफिले के साथ बलिया आ रहे थे। बलिया, खेजुरी थाना क्षेत्र के जनुआन गांव के समीप एक पशु को बचाने की कोशिश में उनके काफिले की एक गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई जिस कारण कई कार्यकर्ता घायल हो गए।

युवक को अनजान नंबर से आया मैसेज, क्लिक करते ही चलने लगा उसका अश्लील वीडियो फिर शुरू हुआ असली खेल

जुलाना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के जुलाना में एक युवक के साथ साइबर अपराधियों ने ब्लैकमेल कर हजारों रुपये की ठगी की है। इतना ही नहीं उसका अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। जुलाना के पौली गांव के युवक की अश्लील विडियो बनाकर सोशल मीडिया पर बायरल कर उससे 35 हजार रुपये ठग लिए गए। युवक ने इसकी शिकायत साइबर पुलिस को दी है। युवक ने पुलिस को बताया कि अज्ञात नंबर से उसे व्हाट्सएप पर एक लिंक आया, जैसे ही उसने लिंक पर क्लिक किया तो उसकी अश्लील विडियो चल पड़ी। यह देख उसके होश उड़ गए। फिर उसी नंबर से व्हाट्सएप पर वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर रुपयों की मांग की गई। युवक ने अपने दोस्तों व पिता से रुपये लेकर साइबर अपराधियों के नंबर पर भेज दिए। बावजूद इसके आरोपी ने उसके मोबाइल को हैक कर उसके सभी व्हाट्सएप ग्रुप में वीडियो को शेयर कर भी दिया। युवक ने अपने दोस्तों और पिता से रुपये मांगे तो कुछ दोस्तों ने उसे रुपये दे दिए, लेकिन कुछ ने मना कर दिया।

जलगांव हिंसा: मंत्री जी की गाड़ी का बजा हॉर्न और भड़क गए लोग

हुई गाली-गलौच शिवसैनिकों ने चढ़ा दी गाड़ी, आगजनी के बाद इलाके में कर्फ्यू

जलगांव, 1 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव में दो गुटों के बीच पथराव और आगजनी का मामला सामने आया है। यहां शिवसेना मंत्री गुलाबराव पाटिल के परिवार को ले जा रहे वाहन द्वारा हॉर्न बजाने को लेकर दो गुटों के बीच तनाव बढ़ गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के जलगांव जिले के पलाधी गांव में मंगलवार रात पथराव और आगजनी की घटना हुई। दोनों गुटों के बीच विवाद तब पनपा जब मंत्री गुलाबराव पाटिल के परिवार को ले जा रहे गाड़ी ड्राइवर ने हॉर्न बजाया, जिससे लोग नाराज हो गए। हॉर्न बजाने पर गांववाले और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी हो गई। इसी दौरान बवाल बढ़ गया और गुस्साई भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। कुछ ही देर में हालात बेकाबू हो गए। दुकानों और वाहनों में आग लगा दी गई और जमकर गोलीबारी हुई। हिंसा की जानकारी मिलते ही जलगांव के विभिन्न इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस ने करीब 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और करीब 10 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने जानकारी दी है कि गांव में शाम 6 बजे तक कर्फ्यू लगाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नए साल के एक दिन पहले 31 दिसंबर की रात जलगांव जिले के पलाधी गांव में हिंसा भड़क गई। यहां शिवसेना मंत्री गुलाबराव पाटिल का परिवार अपनी गाड़ी से जा रहा था। गाड़ी चालक ने हॉर्न बजाया, जिससे गांव के लोग भड़क गए। इस बीच उनकी कार चालक से विवाद हुआ। नौबत गाली-गलौच तक पहुंच गई। घटना की जानकारी गांव में फैल गई। इतने में गुस्से में कुछ शिवसैनिकों ने ग्रामीणों पर गाड़ी चढ़ा दी। इसके बाद गांववाले भड़क गए।

गांव में हुआ पथराव, फायरिंग और तोड़फोड़

गुस्साए ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। दोनों गुट आमने-सामने आ गए। गांव में फायरिंग और आगजनी हो गई। कई दुकानों में आग लगा दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। आग की जानकारी पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुलाई गई। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान उपद्रवियों ने कई दुकानों को जला डाला और तोड़फोड़ की। जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तब तक सभी जली हुई गाड़ियां और दुकान जलकर खाक हो गईं।

क्या अब बच पाएंगे गिद्ध? केंद्र सरकार ने जहरीली दवा पर लगाया बैन

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश में पशुओं की दवा निमेसुलाइड और इसके फॉर्मूलेशन का जानवरों के लिए इस्तेमाल प्रतिबंधित कर दिया है। इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी किया है। दरअसल, भारतीय औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबीआई) ने पशु चिकित्सा दवा निमेसुलाइड पर राष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी, जिसे गिद्धों के लिए अत्यधिक विषैला माना जाता है।

निमेसुलाइड पर भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने प्रतिबंध लगाया है। निमेसुलाइड जंगली गिद्धों को मारता है और दक्षिण अफ्रीका में संबंधित गिद्धों पर प्रयोगात्मक परीक्षण किया गया था, जो इसकी विषाक्तता को दर्शाता है। वहीं, कुछ साल पहले इंटरनेशनल साइंटफिक जनरल, इनवॉरमेंट साइंट एंड पॉल्यूशन रिसर्च में प्रकाशित एक नए स्टडी में पाया गया है कि था पशु चिकित्सा दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड भारत में गिद्धों की मौत का कारण बन रही है। डिक्लोफिनाक को लंबे समय से भारत में 90 के दशक में गिद्धों की 99 प्रतिशत आबादी के खत्म होने का मुख्य कारण माना जाता रहा है। बाद में दो और पशु चिकित्सा दवाएं एसीक्लोफिनाक और कीटोप्रोफेन गिद्धों के लिए जहरीली पाई गईं, जबकि डिक्लोफिनाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है अन्य दो दवाओं पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है। स्टडी के अनुसार, निमेसुलाइड गिद्धों पर विषैले प्रभाव डालने में डाइक्लोफिनाक के समान कार्य करती है।

यदि निमेसुलाइड का पशु चिकित्सा में उपयोग जारी रहता, तो भारत में गिद्धों को और अधिक नुकसान हो सकता था इसलिए अध्ययन में सिफारिश की गई थी कि उपमहाद्वीप में गिद्धों के संरक्षण के लिए भारत सरकार को निमेसुलाइड पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। ये सरकार की ओर से वित्तपोषित प्रोजेक्ट का हिस्सा था, जिसका शीर्षक था, भारत में पक्षियों पर विशेष ध्यान देने के साथ पारिस्थितिकी तंत्र के घटकों पर पर्यावरण प्रदूषण के प्रभाव की निगरानी और निगरानी के लिए राष्ट्रीय केंद्र। इसे इकोटॉक्सिकोलॉजी विभाग, सलीम अली सेंटर फॉर ऑर्निथोलॉजी एंड नेचुरल हिस्ट्री (सैकॉन) और जीवदया चैरिटेबल ट्रस्ट के विशेषज्ञों द्वारा लिखा गया था।

न्यू ईयर जश्न में नाबालिगों की अश्लीलता

डोपा माइन पब में नियम तोड़े; वायरल वीडियो से मचा हंगामा

इंदौर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में खजराना इलाके के रिंग रोड स्थित डोपा माइन पब में न्यू ईयर पार्टी के दौरान नाबालिग लड़के-लड़कियां शामिल हुए। पार्टी में देर रात तक शराब और डांस के बीच अश्लीलता का माहौल देखने को मिला। नशे में झूमते युवाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। कमिश्नर संतोष सिंह ने सभी पब और होटलों को तय समय पर बंद करवाने और नशाखोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद, पबं में नियमों की अनदेखी हुई और प्रशासन पार्टी में सख्ती से कार्रवाई करने में असफल रहा। पब के अंदर अश्लील डांस और नाबालिगों की मौजूदगी के वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। पब खजराना थाना क्षेत्र में आता है, जहां सख्ती के निर्देश होने के बावजूद इस तरह की घटनाएं सामने आई।

इंफाल वेस्ट के गांव में उग्रवादियों का हमला

बिष्णुपुर और थौबल से हथियार-गोलाबारूद बरामद

इंफाल, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले से एक बार फिर एक बड़े हमले की खबर सामने आ रही है। जहां कदंगबंद इलाके में बुधवार तड़के उग्रवादियों ने ताजा हमला किया। पुलिस ने बताया कि कंगपोकपी जिले के पहाड़ी इलाकों से उग्रवादियों ने अत्याधुनिक हथियारों से कई राउंड गोलियां चलाई और रात करीब 1 बजे बम फेंके। वहीं मामले में गांव के स्वयंसेवकों ने जवाबी फायरिंग की और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया। हालांकि, इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। उग्रवादियों के इस हमले के कारण कच्चे घरों में रहने वाले कई ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर भागना पड़ा। बता दें कि यह हमला मई 2023 में राज्य में हिंसा के बढ़ने के बाद से कदंगबंद इलाके में किए गए कई हमलों में से एक है। वहीं, मणिपुर के बिष्णुपुर और थौबल जिलों में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। बिष्णुपुर जिले के थोंगखोंगलोक गांव में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को एक एसएलआर, 303 राइफल, 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक, दो 9 एमएम पिस्तौल, दंगा रोधी बंदूक, इंसास एलएमजी और राइफल मैगजीन, हथगोले, डेटोनेटर और अन्य सामान जब्त किए। इसके साथ ही थौबल जिले के लीशांगथेम इकोप पाट इलाके से सुरक्षा बलों ने एक एंटी मैटेरियल राइफल, स्नाइपर साइट स्कोप, सिंगल बोल्ट एक्शन राइफल, देशी निर्मित पिस्तौल, हथगोले और गोला-बारूद जब्त किए। इसके साथ ही हिंसा प्रभावित मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले के बंगाली क्रॉसिंग के पास जबरन वसूली के मामले में भी पुलिस ने एक्शन लिया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने मंत्रिपुखरी बाजार से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया, जो जबरन वसूली में शामिल था। उसके पास से 9 एमएम पिस्तौल, मैगजीन और अन्य सामान जब्त किए गए।

'करोड़ों बहनों का प्यारा भाई बनना सबसे बड़ा सम्मान', लाड़की बहिन योजना पर एकनाथ शिंदे का बयान

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने हाल ही में बीते महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की मुख्य कड़ी रही लाड़की बहिन योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाएं उन्हें अपना प्यारा भाई मानती हैं, जो उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। डिप्टी सीएम ने बात सोमवार रात ठाणे जिले के दिवा महोत्सव में दिया। बता दें कि महाराष्ट्र में महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए शुरू की गई लाड़की बहिन योजना नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की बड़ी जीत में एक अहम कारण माना जाता है। यह योजना शिंदे के मुख्यमंत्री रहते शुरू की गई थी।

प्यारा भाई बनना मेरे लिए सम्मान- शिंदे

डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि मुझे गर्व है कि 2.40 करोड़ लाड़की बहिन ने मुझे अपना लाड़का भाऊ (प्यारा भाई) माना है। यह मान्यता मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के विकास के लिए पूरा समर्थन देने का वादा किया है और पिछले ढाई साल में राज्य में जो प्रगति हुई, उसका श्रेय उन्होंने महायुति को दिया। साथ ही शिंदे ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें हमेशा जरूरी समर्थन दिया है, जिससे हम कई रुकी हुई परियोजनाओं को फिर से शुरू कर सके।

अपने राजनीतिक सफर पर डाला प्रकाश

एकनाथ शिंदे ने अपने राजनीतिक सफर पर बात करते हुए मुख्यमंत्री के रूप में फडणवीस के समर्थन के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि अब उपमुख्यमंत्री के तौर पर मैं इस समर्थन का कर्ज चुकता कर रहा हूं। हम मिलकर महाराष्ट्र को अभूतपूर्व विकास की दिशा में ले जाएंगे। साथ ही शिंदे ने दिवा शहर के विकास की योजनाओं के बारे में भी बताया, जिसमें क्लस्टर विकास, बेहतर नागरिक सुविधाएं और मेट्रो कनेक्टिविटी जैसे कदम शामिल हैं। गौरतलब है कि हाल ही में हुए महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के सहयोग से बनी महायुति गठबंधन ने रिकॉर्ड जीत दर्ज की। इसके बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और एकनाथ शिंदे व अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 281 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.3 2081 गुरुवार, 2 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'ठेकेदार आत्महत्या केस में प्रियांक खरगे की प्रथम दृष्टया कोई भूमिका नहीं'

बेंगलूरू, 1 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बीदर में एक ठेकेदार की आत्महत्या के मामले में भाजपा की तरफ से मंत्री प्रियांक खरगे के इस्तीफे की मांग के बीच कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को पुलिस विभाग का हवाला देते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया इस मामले में प्रियांक खरगे की कोई भूमिका नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि सीआईडी की जांच रिपोर्ट से सच्चाई सामने आ जाएगी। बता दें कि, आत्महत्या करने वाले ठेकेदार ने सात पन्नों का एक नोट छोड़ा है, जिसमें उसने एक व्यक्ति के खिलाफ आरोप लगाए हैं, जो प्रियांक खरगे का सहयोगी बताया जा रहा है। >14

किसानों को मोदी सरकार का तोहफा

> डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का एलान

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के पहले दिन मोदी सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दते हुए डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का एलान किया है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि डीएपी उर्वरक के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को कैबिनेट की मंजूरी दे दी है।

सरकार ने किसानों को सस्ती दर पर डीएपी उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज को 3,850 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का बुधवार को फैसला किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस फैसले से किसानों को डीएपी की 50 किलो वजन की एक बोरी 1,350 करोड़ रुपये में मिल सकेगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीसीईए की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज को जनवरी-दिसंबर, 2025 की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने कहा कि सरकार के इस कदम का उद्देश्य किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

मंत्रिमंडल ने किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 01.01.2025 से 31.12.2025 तक की अवधि के लिए एनबीएस सब्सिडी से परे डाय-अमोनियम फॉस्फेट पर एकमुश्त विशेष पैकेज को मंजूरी दी है। इसके तहत किसानों को डीएपी का 50 किलोग्राम का बैग 1,350 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। पीएम फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को कैबिनेट ने 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। 2021-22 से 2025-26 तक योजना पर 69,515.71 करोड़ का कुल व्यय होगा।

कैबिनेट ने नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए फंड के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। 824.77 करोड़ प्रोफाइल फंड का उपयोग योजना के तहत तकनीकी पहलों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा। यह पैसा यस-टेक, विंड्स, आदि के साथ-साथ रिसर्च और डेवलपमेंट पर भी खर्च होगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और दावा गणना और निपटान आसान होगा।

अमेरिका में ट्रक से भीड़ पर आतंकी हमला, 10 की मौत-30 घायल

नए साल का जश्न मना रहे लोगों को रौंदा, हमलावर ने फायरिंग भी की

वॉशिंगटन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के लुसियाना राज्य के न्यू ऑरलियन्स शहर में 1 जनवरी को एक शख्स ने जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दी।

इसमें कम से कम 10 लोगों की जान चली गई है। वहीं, 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। यह घटना बॉर्बन स्ट्रीट पर हुई। वहां मौजूद लोगों ने बताया की तेज रफ्तार गाड़ी आई और भीड़ पर चढ़ा दी। इसके बाद उसमें से एक शख्स उतरा। उसने लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस फोर्स को भी फायरिंग करनी पड़ी। हमलावर शख्स पकड़ा गया है या नहीं इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ऐसा लगता है कि हमला जानबूझकर किया गया था।

इस घटना के बाद नए साल के जश्न का माहौल मातम में बदल गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायल लोगों को शहर के 5 अस्पतालों में भेजा गया है। इससे पहले 25 दिसंबर को जर्मनी में भी ऐसा ही हादसा हुआ था। एक सऊदी डॉक्टर ने मैगडेबर्ग शहर के मार्केट में लोगों पर कार चढ़ा दी थी। घटना में 5 की मौत हो गई और 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

दो युद्धपोतों और एक पनडुब्बी को कमीशन करेगी नौसेना, बढ़ेगी युद्ध क्षमता

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना 15 जनवरी को दो स्वदेशी रूप से निर्मित युद्धपोतों और एक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी को कमीशन करेगी। इससे नौसेना की युद्ध क्षमता बढ़ेगी। तीनों प्लेटफॉर्म गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर सूरत, स्टेल्थ फ्रिगेट नीलगिरी और पनडुब्बी वाग्शीर आधुनियक हथियारों और सेंसर से लैस हैं, जो नौसेना के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। यह युद्धपोत और पनडुब्बी मुंबई के नौसैनिक डॉकयार्ड में एक समारोह के दौरान कमीशन किए जाएंगे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

महिला के लिए विशेष आवास की व्यवस्था

एक अधिकारी ने बताया, इन दो युद्धपोतों में महिला अधिकारी और नाविकों के लिए विशेष आवास की व्यवस्था की गई है।

यह भारतीय नौसेना द्वारा अग्रिम मोर्च पर युद्ध की भूमिकाओं को समावेशी बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक घटना नौसेना की ताकत को बढ़ाने के साथ-साथ की भारत की शिपबिल्डिंग क्षमता को भी दिखाएगी। दोनों युद्धपोत और पनडुब्बी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में बनाए गए हैं, जो भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का प्रतीक हैं।

भारत और पाकिस्तान ने की परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान

एमईए ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच एक समझौते के तहत किया गया है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे के परमाणु ठिकानों पर हमला करने से रोकता है और यह तीन दशकों से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि यह आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले को रोकने के समझौते के तहत किया गया। यह सूची नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ कूटनीतिक चैनलों

के जरिए साझा की गई। भारत और पाकिस्तान के बीच इस सूची का आदान-प्रदान हर साल एक जनवरी को होता है और दोनों देशों को एक-दूसरे को सूचित करना होता है कि उनके परमाणु प्रतिष्ठान और सुविधाएं इस समझौते के दायरे में हैं।

समझौते का इतिहास

इस समझौते पर 31 दिसंबर 1988 को दोनों देशों ने हस्ताक्षर किए थे। 27 जनवरी 1991 को इसे लागू किया गया था। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि परमाणु युद्ध या हमले की संभावना को कम किया जा सके। भारत और पाकिस्तान के बीच यह 34वीं बार सूची का आदान-प्रदान हुआ। >14

10 दिन बाद बोरवेल से बाहर आई 3-साल की चेतना

जान नहीं बच सकी, कपड़े में लपेटकर निकाला, 170 फीट गहराई में फंसी थी

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। कोटपूतली में बोरवेल में फंसी चेतना (3) को 170 फीट गहराई से दस दिन बाद बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि बच्ची की जान नहीं बचाई जा सकी है।

सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। एनडीआरएफ की टीम ने बोरवेल के समानांतर एक सुरंग खोदकर बच्ची को बाहर निकाला। एनडीआरएफ राजस्थान के चीफ योगेश मीणा ने कहा कि बच्ची को अचेत अवस्था में निकाला गया है, जब उसे निकाला गया तब शरीर में कोई मूवमेंट नहीं था। बुधवार शाम 6 बजकर 25 मिनट पर तीन साल की चेतना को बोरवेल से बाहर निकाला गया। एनडीआरएफ के जवान महावीर जाट सफेट कपड़े में लपेटकर चेतना को बाहर लेकर आए।

इसके तुरंत बाद चेतना को एंबुलेंस से कोटपूतली के बीडीएम अस्पताल ले जाया गया। चेतना 23 दिसंबर को किरतपुरा के बड़ियाली की ढाणी में 700 फीट गहरे बोरवेल में गिरी थी। इससे पहले भी उसे निकालने की 5 से ज्यादा कोशिश फेल हुईं थीं। पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर प्रशासन की प्लानिंग पर भी सवाल उठते रहे। बोरवेल में फंसी चेतना करीब 8 दिन से कोई मूवमेंट नहीं कर रही थी।

अंगुली से बॉडी के आसपास से मिट्टी निकाली

रेस्क्यू ऑपरेशन करने वाले एनडीआरएफ के जवानों ने बताया कि चेतना की बॉडी मिट्टी के बीच फंसी हुई थी। बोरवेल में घुसने के बाद अंगुली से उसकी बॉडी के आसपास से मिट्टी हटाई और फिर उसे बाहर निकालकर लेकर आए। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कई तरह की दिक्कतें आ रही थीं। पत्थर उछलकर आंखों पर आ रहे थे। सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। लेटकर पत्थर तोड़ने पड़ रहे थे।

आरएसएस मुखपत्र में लिखा-स्वार्थ के लिए मंदिर का प्रचार गलत, इसे राजनीति का हथियार न बनाएं

भागवत ने कहा था : मंदिर-मस्जिद विवाद सही नहीं

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुखपत्र पांचजन्य ने मंदिर-मस्जिद विवाद पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान का समर्थन किया है। पांचजन्य ने संपादकीय में लिखा कि कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए मंदिरों का प्रचार कर रहे हैं और खुद को हिंदू विचारक के रूप में पेश कर रहे हैं। पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने संपादकीय 'मंदिरों पर यह कैसा दंगल' में लिखा-मंदिरों का राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है।

इसे राजनीति का हथियार नहीं बनाना चाहिए। भागवत का बयान गहरी दृष्टि और सामाजिक विवेक का आह्वान है। मोहन भागवत ने 19 दिसंबर को पुणे में कहा था कि राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वे नई जगहों पर इस तरह के मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। हर दिन एक नया मामला उठाया जा रहा है। इसकी इजाजत कैसे दी जा सकती है? भारत को दिखाने की जरूरत है कि हम एक साथ रह सकते हैं। हालांकि, आरएसएस के अंग्रेजी मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने मोहन भागवत से अलग राय रखी थी। पत्रिका ने इसे ऐतिहासिक सच जानने और सभ्यतागत न्याय की लड़ाई कहा था।

बीड सरपंच हत्याकांड : बढ़ते तनाव के बीच सीआईडी की कार्रवाई

> जबरन वसूली मामले की जांच के सिलसिले में तीन लोग तलब

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बीड सरपंच हत्या मामले में रोज नए-नए मोड़ आ रहे है। इसी बीच महाराष्ट्र पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से जुड़े जबरन वसूली मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, सीआईडी ने तीन लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया है। बता दें कि एक स्थानीय अदालत ने मंगलवार को एनसीपी नेता धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को 14 दिनों की सीआईडी हिरासत में भेज दिया। कराड ने बीड जिले के केज पुलिस स्टेशन में दर्ज जबरन वसूली के मामले में पुणे में आत्मसमर्पण किया था।

आरोपियों की तालाश जारी

मामले में सूत्रों ने आगे बताया कि फरार आरोपियों की तलाश भी जारी है, लेकिन पूछताछ के लिए बुलाए गए लोगों के नाम अब तक सामने नहीं आए हैं। गौरतलब है कि बीड जिले के केज तहसील के मासजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का 9 दिसंबर को अपहरण कर बेरहमी से मर्डर कर दिया गया था। आरोप है कि उन्होंने एक पवनचक्की कंपनी से पैसे मांगने वाले लोगों द्वारा की जा रही जबरन वसूली का विरोध किया था।

हत्या के मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि कराड को पहले जबरन वसूली के मामले में फरार आरोपी के रूप में नामित किया गया था।

गांव वालों का जल समाधि प्रदर्शन

बुधवार को कई ग्रामीण मासजोग की एक झील में घुसकर कमर तक पानी में खड़े हो गए और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। मामले में एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हमें संतोष देशमुख को न्याय दिलाना है। हत्या के 23 दिन बाद भी आरोपी पकड़े नहीं गए हैं। इसके साथ ही एक प्रदर्शनकारी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा पुलिस प्रशासन क्या कर रहा है? आरोपियों को गिरफ्तार कर फांसी पर लटका देना चाहिए। इसलिए, ग्रामीण विरोध जताने के लिए पानी में उतरे हैं।

राबड़ी आवास पहुंचे राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

नए साल और जन्मदिन की दी बधाई, आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव से भी मिले

पटना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के नए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बुधवार की शाम 5:30 बजे राबड़ी आवास पहुंचे। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को नए साल की शुभकामनाएं दी। साथ ही राबड़ी देवी को जन्मदिन की बधाई दी। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव राजभवन पहुंचे थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मिलकर तेजस्वी ने नए साल की बधाई दी। करीब 15 मिनट तक मुलाकात हुई।

राज्यपाल आज सीएम नीतीश कुमार के पैतृक गांव कल्याण बिगहा भी पहुंचे थे। सीएम की मां परमेश्वरी देवी की 14वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर बिहार सरकार के कई मंत्री और विधायक मौजूद थे।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान यूपी के बुलंदशहर के रहने वाले हैं। बिहार के वर्तमान राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को केरल भेजा गया है। आरिफ मोहम्मद के रूप में बिहार को 26 साल बाद मुस्लिम राज्यपाल मिला है। इससे पहले मुस्लिम समाज से एआर किदवई 1998 तक राज्यपाल थे। अपने बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाले खान को बिहार का राज्यपाल बनाने के पीछे भाजपा की सधी हुई रणनीति है। जानकार मानते हैं कि इससे भाजपा की प्रोग्रेसिव राजनीति को फायदा होगा। मुस्लिम तबके में अग्रेसिव वोटिंग को कंट्रोल किया जा सकता है।

16 राज्यों में घना कोहरा, एमपी-यूपी में विजिबिलिटी 100 मीटर

कश्मीर के गुलमर्ग में पारा माइनस 11.5, हिमाचल में 6 दिन तक बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के कारण उत्तर भारत के राज्यों में ठंड का असर बरकरार है। नए साल के पहले दिन मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत देश के 16 राज्यों में घना कोहरा भी देखने को मिला।

उत्तर प्रदेश के 40 जिलों में घने कोहरे के चलते 100 मीटर से ज्यादा दूर देखना मुश्किल हो रहा था। मध्य प्रदेश के भोपाल-उज्जैन समेत कई जिलों में भी विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई।

हरियाणा में कोहरे के कारण 30 ट्रेनें प्रभावित हुईं। इसमें 19 ट्रेनें 30 मिनट से 6 घंटे तक देरी से चलीं। 11 ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं। यहां 13 जिलों कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के 3 शहरों में तापमान 5 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया। माउंट आबू में पारा 2.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले दिनों में पारा और गिर सकता है। जम्मू-कश्मीर में पर्यटन के लिए मशहूर गुलमर्ग में तापमान माइनस 11.5 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम में तापमान माइनस 8.4 डिग्री रहा। हिमाचल प्रदेश में भी 6 दिन तक बर्फबारी का अलर्ट है।

2.11 करोड़ पर्यटक 2024 में जम्मू-कश्मीर पहुंचे

लद्दाख में 2023 में 5.25 लाख पर्यटक पहुंचे थे। 2024 में यह आंकड़ा घटकर 3.75 लाख रह गया। लद्दाख पर्यटन विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में 2023 में 2.10 करोड़ पर्यटक आए थे। 2024 में संख्या बढ़कर 2.11 करोड़ हो चुकी है।

भारत में टूटा गर्मी का 123 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। 1901 के बाद से साल 2024 अब तक का सबसे गरम साल रहा है। इस दौरान औसत न्यूनतम तापमान लंबी अवधि के औसत से 0.90 डिग्री अधिक रहा। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में इसकी जानकारी दी। साल 2024 को अब 2016 को पीछे छोड़कर 1901 के बाद से सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज किया गया है। इस वर्ष भूमि की सतह का तापमान 0.54 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया था।

आईएमडी ने नए साल में मौसम का पूर्वानुमान बताया। उन्होंने कहा कि बुधवार को पूर्वी, पश्चिमोत्तर, और पश्चिम-मध्य राज्यों के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर भारत के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है। देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है। मध्य भारत के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में जनवरी में सामान्य से अधिक शीत लहर वाले दिनों का अनुभव करने का अनुमान लगाया गया है। >14

आरएमपी नेता चंद्रशेखरन की हत्या के दोषी को पैरोल देने पर माकपा का जवाब

> कहा-यह कैदियों का अधिकार

तिरुवनंतपुरम, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केरल में रिवॉल्यूशनरी मार्क्सवादी पार्टी (आरएमपी) नेता टीपी चंद्रशेखरन की हत्या मामले में दोषी कोडी सुनी को 30 दिन की पैरोल देने पर सत्तारूढ़ माकपा ने जवाब दिया है। पार्टी ने कहा कि पैरोल कैदियों का अधिकार है और इसे अस्वीकार करने की कोई जरूरत नहीं है। किसी कैदी को पैरोल देना सरकार और जेल अधिकारियों का मामला है। पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल आरएमपी नेता की हत्या के मामले में तवनूर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कोडी सुनी को हाल ही में राज्य मानवाधिकार आयोग की सिफारिश के आधार पर जेल डीजीपी ने 30 दिन की पैरोल दी थी। सुनी को 28 दिसंबर को पैरोल पर रिहा किया गया था।

इस पर विपक्षी कांग्रेस-यूडीएफ ने आरोप लगाया था कि माकपा सरकार का निर्णय न्याय व्यवस्था और कानून के शासन के लिए खुली चुनौती है। जबकि दोषी कोडी सुनी की मां की शिकायत पर मानवाधिकार आयोग ने आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि पुलिस रिपोर्ट के आधार पर कैदियों को पैरोल देने का विशेषाधिकार सरकार को सौंपा गया है। इसे लेकर सीपीआई (एम) के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने कहा कि माकपा किसी को पैरोल देने या न देने पर कोई रुख नहीं अपनाती है। इसका पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। ये मामले सरकार और जेलों से जुड़े हैं और इनसे उसी के अनुसार निपटा जाएगा। पैरोल देने के मामले में पुलिस रिपोर्ट की अनदेखी करने पर गोविंदन ने कहा कि इस मामले की सरकार को जांच करनी चाहिए और माकपा को इसमें कोई समस्या नहीं है। पैरोल कैदियों का अधिकार है। इसे किसी भी तरह से अस्वीकार करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

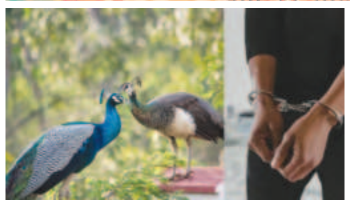

खाने के लिए 'मोर और मोरनी' का शिकार, हाफिज अली गिरफ्तार

बहराइच, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। जिले में खाने के लिए मोर और मोरनी का शिकार किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है। वन विभाग की ओर से मोर और मोरनी के शिकार की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद जांच पड़ताल कर के आरोपी पकड़ा गया है।

आरोपी का नाम हाफिज अली है और उसने बताया है कि उसने मारकर खाने की नीयत से उसने उनका शिकार किया था। दरअसल, वन विभाग को मोर और मोरनी के शिकार की सूचना मिली थी। इसके बाद वन विभाग के अधिकारी और पुलिस की टीम रामगांव थाना क्षेत्र के मुकेरिया गांव गए। यहां गन्ने के खेत में मोर और मोरनी को मृत पाया गया। इसके साथ ही शव के पास 60 साल का हाफिज अली भी मिला जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

जब पुलिस ने आरोपी हाफिज अली से पूछताछ की तो उसने जाल बिछाकर मोर और मोरनी को पकड़ने की बात कबूल की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हाफिज ने बताया है कि उसने मोर और मोरनी का शिकार मारकर खाने की नीयत से किया था।

पुलिस ने आगे ये भी कहा है कि मोर और मोरनी की मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मालूम हो सकेगी।

पोस्टमार्टम के लिए पैनल गठित

पुलिस के मुताबिक, मोर और मोरनी के पोस्टमार्टम के लिए तीन पशु चिकित्सकों का पैनल बनाया गया है। पैनल बुधवार को मृत मोर के जोड़े का पोस्टमार्टम करेगा।

वहीं, पुलिस ने आरोपी हाफिज अली के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9/51 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दिल्ली और बिहार में अकेले चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद

पीएम मोदी से मिले ओपी राजभर, इन मुद्दों पर की चर्चा

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात के पहले राजभर ने मंगलवार को ही कहा था कि दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनाव में अगर भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए में सीट नहीं मिली तो वह अकेले लड़ेंगे। सोशल मीडिया साइट एक्स पर ओपी राजभर ने पीएम मोदी संग मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए बताया कि कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा भी हुई। राजभर ने लिखा- नववर्ष की पूर्व संध्या पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रधानमंत्री आवास, नई दिल्ली में सुभासपा राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ अरविंद राजभर के साथ मुलाकात कर नववर्ष 2025 की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि इस दौरान उत्तर प्रदेश के वंचित वर्गों, गरीबों, युवाओं और महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान पर चर्चा हुई। कैबिनेट मंत्री ने लिखा- मुख्य रूप से आयुष्मान कार्ड को सभी के लिए लागू करने, एक देश-एक शिक्षा नीति लाने, राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने और एक देश-एक चुनाव नीति पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री से बिहार के गरीबों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। रोहिणी आयोग और सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट पर भी विचार विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए हम निरंतर कार्य करते रहेंगे। नववर्ष 2025 की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं!

लोकसभा अध्यक्ष के रिश्तेदार के घर से 1 करोड़ की चोरी परिवार के साथ गोवर्धन परिक्रमा करने गए थे

मथुरा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा में साल के अंतिम दिन चोरी की एक बड़ी घटना घटित हो गई और करोड़ों के माल पर चोरों ने अपना हाथ साफ कर दिया। यह मामला कहीं और का नहीं थाना हाईवे क्षेत्र के सतोहा चौकी अंतर्गत पॉश कॉलोनी शिबासा स्टेट का है। कमाल की बात तो यह रही पुलिस और मकान स्वामी को करोड़ों की चोरी की घटना का रात को पता चला। चोरी की इस बड़ी घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार सुशील दीवान व्यापारी की होली गेट के पूजा मार्केट में मंगलम साड़ी के नाम से दुकान है मकान स्वामी अपने परिवार के साथ गोवर्धन में गिरिराज जी की परिक्रमा करने गया था परिक्रमा कर लौटने के बाद जैसे ही वह घर पहुंचा तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई । घर का सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था मकान स्वामी ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद थाना हाईवे पुलिस व रिफाइनरी क्षेत्रधिकारी श्वेता वर्मा पहुंची पुलिस ने डॉग्स स्क्वाड फॉरेंसिक टीम के साथ सबूत इकट्ठा किए हैं देर रात तक पुलिस घर पर सबूतों को एकत्रित करती रही।

सपा सांसद के मकान पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी

जियाउर्रहमान बर्क को प्रशासन ने थमाया आखिरी नोटिस

संभल, 1 जनवरी (एजेंसियां)। संभल हिंसा में नामजद किए गए सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क द्वारा शहर के मुहल्ला दीपा सराय में विनियमित क्षेत्र से बिना नक्शा पास कराए ही बनवाए गए मकान को लेकर लेकर पूर्व में दिए गए दो नोटिसों की अवधि पूरी हो जाने के बाद अब तीसरा व अंतिम नोटिस जारी किया गया है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से बचने के लिए सांसद की ओर से एक महीने का समय मांगा गया था, लेकिन प्रशासन ने अब दूसरा नोटिस भी तामील करा दिया है। पहले हिंसा भड़काने को लेकर सांसद के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बाद छह महीने पहले गाड़ी से हुए हादसे की फिर से जांच शुरू कराई गई। बिजली चोरी में मुकदमा दर्ज कराए जाने के साथ ही 1.91 करोड़ का जुर्माना तय किया गया। इसके साथ ही बिना नक्शा पास कराए बनाया जा रहा सांस्द का मकान प्रशासन की नजर में आ गया। इसको लेकर पांच दिसंबर को पहला नोटिस जारी किया गया। इसमें 12 दिसंबर को अवधि पूरी होने पर सांसद की ओर से अधिवक्ता ने एक महीने का समय मांगा गया था, लेकिन 14 दिसंबर को दूसरा नोटिस जारी कर दिया गया। 15 दिन की अवधि वाले इस नोटिस का समय भी बीती 27 दिसंबर को पूरा हो गया। इसके बाद 28 दिसंबर को विनियमित क्षेत्र की प्राधिकारी, एसडीएम संभल की ओर से सात दिन का तीसरा व अंतिम नोटिस जारी कर दिया गया है। इसकी अवधि चार जनवरी को पूरी हो जाएगी।

नए साल के पहले दिन हत्याकांड से दहला लखनऊ

एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत; बेटे ने की मां-बहन की हत्या

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। लखनऊ के होटल शरणजीत में पांच लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई है। इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम 24 वर्षीय अरशद ने दी है। उसने अपनी मां और चार बहनों की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। थाना नाका क्षेत्र के होटल शरणजीत सभी लोग 30 दिंसबर को रुकने के लिए आए थे। वह सभी होटल के रूम नंबर 109 में रुके थे। 31 दिंसबर 2024 की रात में अरशद (उम्र 24 वर्ष) ने अपनी मां और चार बहनों रहमीन, अल्शिया, अक्शा और आलिया की हत्या कर दी। सभी के हाथ की नस कटी हुई है। माना जा रहा है कि सभी की मौत खून बहने की वजह से हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी द्वारा हत्या करने का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ की गई। फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। प्रकरण में विस्तृत जांच जारी है। डीसीपी लखनऊ रवीना त्यागी ने बताया- आगरा के रहने वाले 24 वर्षीय अरशद को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में उसने बताया कि पारिवारिक कलह के कारण उसने हत्याकांड को अंजाम दिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। सभी शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

जेडीयू के मंत्री रत्नेश सदा सड़क हादसे में जख्मी, 4 गार्ड भी घायल मॉर्निंग वॉक के दौरान हुई घटना

पटना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जेडीयू के मंत्री रत्नेश सदा बुधवार को सड़क हादसे का शिकार हो गए। मॉर्निंग वॉक के दौरान एक ऑटो ने उन्हें धक्का मार दिया। इस घटना में वे जख्मी हो गए। मंत्री रत्नेश सदा को पैर और सिर में चोट लगी है। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लोग लेकर गए। यहां प्राथमिक उपचार हुआ। घटना महिषी थाना क्षेत्र के बलिया सिमर गांव के पास की बताई जा रही है। इस पूरे मामले में बताया जा रहा है कि मंत्री रत्नेश सदा के साथ उनके चार गार्ड थे वो भी इस सड़क हादसे में घायल हुए हैं। यह घटना बुधवार की सुबह करीब पांच बजे के आसपास की बताई गई है। सदर अस्पताल में सभी गार्ड का भी प्राथमिक उपचार हुआ।

महाकुंभ में ब्लास्ट की धमकी, कहा-1000 हिंदू मारेंगे

पोस्ट किया- तुम सब अपराधी हो; 8 दिन पहले खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने भी धमकी दी थी

प्रयागराज, 1 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में बम ब्लास्ट करने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नसर पठान नाम की आईडी से धमकी दी गई है। इसमें लिखा है- ऑल ऑफ यू, तुम सब अपराधी हो। महाकुंभ में बम ब्लास्ट करेंगे। 1000 हिंदुओं को मारेंगे। 31 दिसंबर को विपिन गौर नाम के युवक ने पोस्ट को डायल-112 यूपी पुलिस को टैग करते हुए री-ट्वीट किया। स्क्रीन शॉट भी शेयर किया। इसके बाद पुलिस एक्टिव हुई। प्रयागराज पुलिस कमिश्नर और सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी भेजी गई। पुलिस अब पोस्ट करने वाले शख्स को तलाश रही है। इससे पहले, 24 दिसंबर को खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने महाकुंभ में हमले की धमकी दी थी। 13 जनवरी से शुरू हो रहा महाकुंभ 26 फरवरी तक चलेगा। इसमें करीब 50 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है। धमकी भरी पोस्ट जिस आईडी से की गई, उसके बायो में लिखा है- मुझे मुस्लिम होने पर गर्व है। कट्टर मुस्लिम। पुलिस उस नंबर और ई-मेल की डिटेल ले रही है, जिससे आईडी बनाई गई है। मामले में लखनऊ के यूपी-112 मुख्यालय के ऑपरेशन कमांडर अरविंद कुमार नैन ने लेटर जारी किया। उन्होंने पुलिस महानिदेशक अभिसूचना, लखनऊ। अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था, लखनऊ, अपर पुलिस महानिदेशक सुरक्षा, लखनऊ, अपर पुलिस महानिदेशक एटीएस , लखनऊ और एसएसपी कुंभ को लेटर भेजा है। मामले की जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। इससे पहले, खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पीलीभीत में 3 खालिस्तानियों के एनकाउंटर का बदला लेने की धमकी दी थी। वीडियो जारी कर कहा था- महाकुंभ को हिंदू आतंकवाद का आखिरी महाकुंभ कर देंगे। वीडियो में वह पीलीभीत में मारे गए खालिस्तानी आंतकियों को निर्दोष बता रहा। मृतकों के परिजन को 5-5 लाख की मदद के साथ ही अलग खालिस्तान बनाने का भी राग अलाप रहा। प्रयागराज महाकुंभ की औपचारिक शुरुआत 13 जनवरी, 2025 से होगी। पूरा मेला 4 हजार हेक्टेयर (15,840 बीघा) में बस रहा। पहली बार 13 किलोमीटर लंबा रिवर फ्रंट बन रहा है। कुंभ के इस मेले में सुरक्षा पर विशेष फोकस किया गया है। पूरे मेले को 25 सेक्टर में बांटा गया है। इसी आधार पर कुल 56 थाने और 144 चौकियां बनाई गई हैं। इसमें 18479 पुरुष पुलिसकर्मी, 1378 महिला पुलिसकर्मी और 1405 ट्रैफिक पुलिस वाले तैनात होंगे। सशस्त्र पुलिसकर्मियों की संख्या 1158 होगी। मेले में 146 घुड़सवार पुलिसकर्मी भी होंगे। 340 जल पुलिस कर्मी संगम और आसपास के घाट पर तैनात रहेंगे। 13,965 होम गार्ड्स की भी तैनाती होगी। मेले में किसी तरह की अराजकता या फिर साजिश को नाकाम करने के लिए एलआईयू के 510 जवानों की तैनाती होगी।

मीरगंज में खुद ही मस्जिद तोड़ रहे हैं मुस्लिम लोग

बरेली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली के मीरगंज में मुस्लिम समाज ने विवादों से बचने के लिए खुद पहल करते हुए तालाब की जमीन पर बनी अवैध मस्जिद के एक हिस्से को तोड़ना शुरू कर दिया। हालांकि मस्जिद के हिस्से को तोड़ने से पहले मुस्लिम समाज के लोग प्रशासन से मिले और खुद ही अवैध निर्माण को हटाने के लिए अपनी इच्छा जताई। दरअसल बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र में तिलमास गांव में बनी तालाब की जमीन मस्जिद के बने होने की शिकायत दो दिन पहले एक्स द्वारा की गई थी। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया था। प्रशासन ने राजस्व की टीम ने मौके पर जाकर नाप कराई तो पता चला कि मस्जिद का एक हिस्सा सरकारी तालाब की जमीन में है। एतिहातन गांव में पुलिस को तैनात कर दिया गया। बताया जाता है कि विवाद के मामले में सोमवार को मुस्लिम समुदाय के आधा दर्जन लोग उप जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचे थे और वार्ता कर नियमानुसार प्रशासन की मंशा भांपते हुए खुद ही तालाब में बने मस्जिद के अतिरिक्त हिस्से को तोड़ने पर सहमति जताई थी।

संभल मामले पर फिर गरमाई सियासत

मस्जिद के पास बन रही पुलिस चौकी को लेकर ओवैसी का बड़ा दावा; जमीन वक्फ की है

संभल, 1 जनवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने जामा मस्जिद के सामने निर्माणाधीन पुलिस चौकी को वक्फ की संपत्ति बताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जामा मस्जिद के सामने जिस भूमि पर पुलिस चौकी बनवाई जा रही है, वह वक्फ की जमीन है। उन्होंने इसके दस्तावेज भी इंटरनेट मीडिया पर शेयर किए हैं। इसके अलावा, प्राचीन स्मारक अधिनियम के तहत संरक्षित स्मारकों के पास निर्माण कार्य प्रतिबंधित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उन्होंने टैग करते हुए लिखा कि संभल में खतरनाक माहौल बनाने के वह दोनों जिम्मेदार हैं। इस आरोप पर डीएम डॉ। राजेंद्र पैंसिया ने कहा कि अभी तक जितने भी दस्तावेज हैं, उनको लेकर कोई भी प्रभावित और विधिक पक्षकार हमारे पास नहीं आया है। भूमि वक्फ की नहीं है। पुलिस चौकी का निर्माण सरकारी भूमि पर कराया जा रहा है।

चंदौसी में बावड़ी की खोदाई जारी

चंदौसी में बावड़ी की खोदाई 11वें दिन भी की गई। इसकी सफाई का काम भी तेजी से चल रहा है। लेबर के साथ ही छोटी पोकलेन मशीन से बावड़ी के अंदर भरी मिट्टी को हटवाया गया। जब मिट्टी हटाई गई तो बावड़ी की दूसरी मंजिल के दरवाजे नजर आने लगे। सुरक्षा के लिहाज से बावड़ी और बांके बिहारी मंदिर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

दीपा सराय और खग्गू सराय में पुलिस चौकी बनाने को भूमि की तलाश शुरू दीपा सराय और खग्गू सराय में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस चौकी निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। ये दोनों क्षेत्र मुस्लिम बहुल हैं और पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता में हैं। इन इलाकों में बढ़ते अपराध और सुरक्षा संबंधी जरूरतों को देखते हुए पुलिस ने चौकी निर्माण का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए भूमि की तलाश की जा रही है।

मंत्री आशीष पटेल बोले- मुझे कुछ हुआ तो एसटीएफ जिम्मेदार

सीएम चाहें तो मेरी और अनुप्रिया की सीबीआई जांच करा लें; डरने वाला नहीं

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के प्राविधिक शिक्षा मंत्री और अपना दल (एस) के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल अपनी ही सरकार पर हमलवार हैं। पटेल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- यदि सामाजिक न्याय की लड़ाई में मुझे कुछ हुआ तो इसके लिए यूपी एसटीएफ जिम्मेदार होगी। पटेल ने सूचना विभाग पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही 4 दस्तावेज भी पोस्ट किए। यह उनका 15 दिन के भीतर दूसरी पर योगी सरकार पर सीधा हमला है। आशीष ने फिर दोहराया कि सरदार पटेल का वंशज हूं, डरने वाला नहीं, लड़ने वाला हूं। उत्तर प्रदेश के सबसे ईमानदार आईएएस अधिकारी और तत्कालीन प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा एम देवराज की अध्यक्षता में हुई विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुति और शीर्ष स्तर पर सहमति के आधार पर हुई पदोन्नति के बावजूद राजनीतिक चरित्र हनन के लिए लगातार मीडिया ट्रायल अस्वीकार्य है। उत्तर प्रदेश के सूचना विभाग को झूठ, फरेब एवं मीडिया ट्रायल का यह खेल आगे बढ़कर बन्द कराना चाहिए। यदि यह विभागीय पदोन्नति गलत है तो सूचना विभाग की तरफ से स्पष्टीकरण देना चाहिए। मैंने पहले भी कहा है और एक बार फिर कह रहा हूं कि मुख्यमंत्री यदि उचित समझें तो बार-बार के मीडिया ट्रायल, झूठ और फरेब के जरिए किए जा रहे मेरे राजनीतिक चरित्र हनन के इस दुष्प्रयास पर स्थायी विराम के लिए बतौर मंत्री मेरे द्वारा अब तक लिए गए सभी फैसलों की सीबीआई जांच करा सकते हैं। इतना ही नहीं मैं तो यहां तक कहता हूं कि लगे हाथ अगर उचित समझा जाए तो स्वयं मेरी तथा मेरी पत्नी और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री माननीय अनुप्रिया पटेल के सांसद-विधान परिषद सदस्य बनने के बाद अर्जित की गई संपत्ति की भी जांच करा ली जाए। पर्दे के पीछे सामाजिक न्याय की आवाज को कुचलने का खेल जारी है। वास्तव में पदोन्नति के इस मामले में कुछ लोगों के कलेजे में कांटा लगने का कारण उन ओबीसी और वंचित वर्ग को लाभ मिलना है, जिनके अधिकारों की सालों से हकमारी की जा रही थी। पोस्ट के साथ पदोन्नति की वर्ग-वार सूची देखेंगे तो इसका अंदाजा हो जाएगा। ऐसे लोगों को मैं बताना चाहता हूं कि इनके कलेजे में भविष्य में भी कांटा चुभता रहेगा।

नीतीश कुमार के पास 19 गाय-बछड़े और 10 साल पुरानी कार, बिहार के सीएम की पूरी संपत्ति 1.64 करोड

पटना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लग्जरी कार और हथियार के नहीं बल्कि गौवंश पालने के शौकीन हैं। उनके पास डेढ़ दर्जन से अधिक गाय और बछड़े हैं। नीतीश कुमार के पास कुल संपत्ति कितनी है और उनके पास जेवरात, नकद, बैंक में जमा राशि वगैरह कितनी है। इसकी जानकारी सामने आयी है। नीतीश कुमार समेत बिहार के सभी मंत्रियों की संपत्ति का ब्योरा भी सरकारी वेबसाइट पर जारी हुआ है। वहीं बिहार और यूपी समेत सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति का खुलासा एडीआर रिपोर्ट से हुआ है।

एडीआर रिपोर्ट में सीएम के बारे में बताया गया

एडीआर रिपोर्ट जारी की गयी है जिसमें सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति का ब्योरा दिया गया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और नेशनल इलेक्शन वॉच ने देश के सभी विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों के वर्तमान 31 सीएम के शपथपत्रों का विश्लेषण करके रिपोर्ट तैयार किया है। पिछले चुनाव लड़ने से पहले इन नेताओं ने जो शपथपत्र दिए थे उसी आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गयी है।

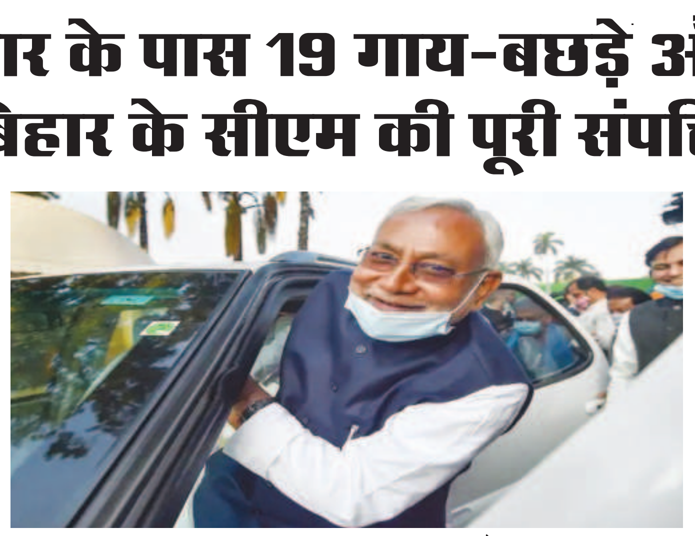

बिहार, यूपी और झारखंड के सीएम की कुल संपत्ति

बिहार और यूपी के सीएम की संपत्ति का ब्यौरा भी इस रिपोर्ट में है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से थोड़ी अधिक मूल्य की कुल संपत्ति है। एडीआर रिपोर्ट के अनुसार, बिहार के सीएम नीतीश कुमार के पास 1,64,82,719 रुपए की कुज संपत्ति है। जबकि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के पास 1,54,94,054 रुपए मूल्य की संपत्ति है। दोनों के पास एक करोड़ से अधिक मूल्य की संपत्ति है। जबकि दोनों के ऊपर कोई देनदारी नहीं है। वहीं पड़ोसी राज्य झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के पास 25 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। रिपोर्ट के अनुसार, हेमंत सोरेन के पास 25,33,87,953 करोड़ की संपत्ति है।

नीतीश कुमार के पास क्या-क्या है?

इधर, बिहार के मुख्यमंत्री समेत सभी 30 मंत्रियों की संपत्तियों का ब्यौरा वेबसाइट पर जारी किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, सीएम नीतीश कुमार संपत्ति के मामलों में कई मंत्रियों से पीछे हैं। उनके पास हाथ में नकदी के रूप में केवल 21 हजार रुपए हैं जबकि बैंकों में केवल 60 हजार रुपए जमा हैं। दिल्ली में एक फ्लैट के अलावा नीतीश कुमार के पास कोई चल-अचल संपत्ति नहीं है। नयी दिल्ली के द्वारिका इलाके में स्थित उनके फ्लैट की कीमत बाजार में अब 1 करोड़ 48 लाख रुपए हो गयी है। 2015 में खरीदी गयी एक इको स्पोर्ट कार सीएम के पास है। सीएम के पास 12 गाय और 9 बछड़े हैं। एक एसी, एक कंप्यूटर और एक एक्सरसाइज साइकिल भी नीतीश कुमार के पास है। कुल 1 लाख 31 हजार मूल्य के जेवर सीएम के पास हैं।

महंत की जटा में 45 किलो की रुद्राक्ष माला

प्रयागराज महाकुंभ में एक से बढ़कर एक साधु-संत,

प्रयागराज, 1 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में महाकुंभ मेला को लेकर सरकार की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं से साधु-संत बेहद खुश हैं। बातचीत करते हुए अग्नि अखाड़ा के सचिव ने कहा कि प्रयागराज कुंभ की व्यवस्था देखकर वो लोग बहुत ख़ुश हैं, जितना सोचा था उससे बढ़िया इंतज़ाम हो रखे हैं। सनातन को मजबूत करने के लिए पीएम मोदी और सीएम योगी क़ो धन्यवाद भी दिया है। महंत का कहना है कि मुस्लिम समाज के लोगों को मेला क्षेत्र में न बुला के अखाडा परिषद ने ठीक किया है। महंत ने कहा कि लोगो क़ो इनके यहां से न सामान लेना चाहिए न ही कोइ गतिविधि में शामिल होना चाहिए। सीएम योगी के नारे कटोगे तो बटोगे का संत समाज ने ज़बरदस्त समर्थन किया है।

अग्नि अखाड़े की ये है मान्यता

मान्यता है की अग्नि अखाड़े में धर्म ध्वज के बाद अग्नि जो जलाई जाती है वो पूरे कुंभ भर ऐसे ही जलती है। लगातार बगैर किसी माचिस के और कुंभ की समाप्ति पर अखाड़ इनको अपने मूल अखाड़े में ले जाता है।

भगवान शिव को समर्पित किया बांया हाथ

एक और संत से मुलाकत हुई हमारी जिन्होंने अपना बांया हाथ भगवान शिव को समर्पित कर दिया है। पिछले 9 सालों से उन्होंने अपना बांया हाथ लगातार उठा के रखा हुआ है और वो इससे कोई दूसरा काम ही नहीं करते हैं।। बल्कि इस साधना से वो भोलेनाथ क़ो अपनी भक्ति बताते हैं।।

महंत के सिर पर 45 किलो की रुद्राक्ष माला

एक और महंत सवा लाख रुद्राक्ष वाले बाबा से इंडिया टीवी की मुलाक़ात हुई। बाबा करीब 6 सालों से अपने सिर पर 45 किलो की रुद्राक्ष माला रखे हुए हैं और इसी के ज़रिये वो अपनी तप और साधना करते हैं।

ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं फिर भी पहुंचे कुंभ

कुंभ में संत-महात्मा और अखाड़ों के प्रमुख अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इसी क्रम में आवाहन अखाड़े के शिविर में 57 वर्षीय महंत इंद्र गिरी महाराज भी पहुंचे हैं। डॉक्टर ने बाबा को बताया है कि उनके दोनों फेफड़े 97 फीसदी तक खराब हैं। वे ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं। इसी के सहारे गाड़ी से हरियाणा के हिसार से कुंभ मेले में पहुंचे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार: मन में हमेशा जीत की आस होनी चाहिए नसीब बदले या न बदले, वक्त जरूर बदलता है।

मंत्री पोन्नम ने जुबली बस स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को सिकंदराबाद में जुबली बस स्टेशन (जेबीएस) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और बस स्टेशन पर शौचालयों की स्थिति का निरीक्षण किया। सड़क सुरक्षा माह के तहत ड्राइवरों से बात करने और सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने का सुझाव दिया गया। मंत्री ने कैंटीन में आरटीसी कर्मचारियों से बात की और सुझाव दिया कि कैंटीन में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। बाद में, उन्होंने बस स्टेशन के परिसर में स्थित कार्गो सेंटर का निरीक्षण किया और यहां से प्रतिदिन गुजरने वाले यात्रियों की संख्या, कार्गो, पार्सल आदि की संख्या के बारे में जानकारी ली। पोन्नम ने सफाई कर्मचारियों से बातचीत की और सुझाव दिया कि बस स्टेशन के आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखा जाना चाहिए। बस स्टेशन पर दुकानों का निरीक्षण करते हुए मंत्री ने चेतावनी दी कि दुकानों में गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री होनी चाहिए और यदि एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री मिलती है तो कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने व्यापारियों को चेतावनी दी कि स्टॉल में अतिरिक्त दरों पर सामान नहीं बेचा जाना चाहिए और यदि ऐसी शिकायत मिलती है तो कार्रवाई की जानी चाहिए। प्लेटफार्मों का निरीक्षण करते हुए पोन्नम प्रभाकर ने सुझाव दिया कि प्लेटफार्मों पर डिस्प्ले बोर्ड दिखाई देने चाहिए और कहा कि यात्रियों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी उपाय किए जाने चाहिए। मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ जिला कलेक्टर अनुदीप दुराशेट्टी और अन्य अधिकारी भी थे।

शमीरपेट, मेडचल तक मेट्रो विस्तार को हरी झंडी

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर हैदराबाद के निवासियों के लिए मेट्रो रेल का सपना साकार होने वाला है। उन्हें नए साल का तोहफा देते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पैराडाइज-मेडचल (23 किलोमीटर) और जेबीएस-शमीरपेट (22 किलोमीटर) मेट्रो कॉरिडोर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को हरी झंडी दे दी है। उन्होंने एचएएमएल के एमडी एनवीएस रेड्डी को तत्काल डीपीआर तैयार कर मेट्रो रेल फेज-2 पार्ट-बी के रूप में मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रमुख सचिव दानकिशोर (नगर प्रशासन) और एचएएमएल के एमडी एनवीएस रेड्डी के साथ इन दोनों कॉरिडोर के लिए डीपीआर तैयार करने के बारे में चर्चा की।पैराडाइज मेट्रो स्टेशन से मेडचल तक का कॉरिडोर ताड़बंद, बोवेनपल्ली, सुचित्रा सर्कल, कोमपल्ली, गुंडलापोचमपल्ली, कंडलकोया और ओआरआर निकास से गुजरते हुए लगभग 23 किलोमीटर की दूरी तय करेगा।

इसी तरह, जेबीएस मेट्रो स्टेशन से शमीरपेट तक का कॉरिडोर विक्रमपुरी, खरखाना, तिरुमालागिरी, लोथुकुंटा, अलवाल, बोलाराम, हकीमपेट, तुमकुंटा और ओआरआर निकास से गुजरते हुए लगभग 22 किलोमीटर की दूरी तय करेगा, जैसा कि मेट्रो एमडी ने मुख्यमंत्री को बताया। रेवंत रेड्डी ने मलकाजगिरी के सांसद के रूप में इन क्षेत्रों की यातायात समस्याओं और इन गलियारों के रूट मैप के बारे में अपने पिछले अनुभव को याद करते हुए मेट्रो एमडी को निर्देश दिया कि वे दोनों मेट्रो कॉरिडोर के संरेखण को अंतिम रूप देने से पहले मलकाजगिरी के मौजूदा सांसद ईटेला राजेंद्र से भी उनके सुझाव और सलाह के लिए परामर्श लें। एमडी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें तीन महीने के भीतर डीपीआर तैयार करने और राज्य सरकार की मंजूरी प्राप्त करने का निर्देश दिया है। रेवंत रेड्डी ने यह भी निर्देश दिया है कि फेज-2 'ए' की तरह फेज-2 'बी' को भी केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक संयुक्त उद्यम परियोजना के रूप में तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया है कि इन प्रस्तावों को भारत सरकार की मंजूरी के लिए भेजा जाए। मेट्रो एमडी ने बताया कि डीपीआर और अन्य संबंधित दस्तावेजों की तैयारी शुरू की जा रही है।

केसीआर ने जान जोखिम में डालकर तेलंगाना हासिल किया : केटीआर

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज कहा कि उनके पार्टी अध्यक्ष केसीआर एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने मौत के मुंह में सिर डालकर तेलंगाना राज्य हासिल किया। तेलंगाना भवन में बीआरएस पार्टी कैलेंडर के अनावरण के अवसर पर बोलते हुए केटीआर ने कहा, "अंग्रेजी नववर्ष के पहले दिन तेलंगाना भवन आकर और यहां बीआरएस के पूरे नेतृत्व के साथ बीआरएस पार्टी कैलेंडर का अनावरण करके मुझे खुशी हो रही है। हम सभी की प्रेरणा एक ही चीज है। हमारी आकांक्षा है कि मौत के मुंह में सिर डालकर तेलंगाना हासिल करने वाले नेता केसीआर फिर से राज्य के मुख्यमंत्री बनें। मेरी कामना है कि केसीआर के नेतृत्व में हमारी पार्टी और अधिक जीत दर्ज करे, लोगों का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त करे, हमें आने वाली बाधाओं का सामना करने की शक्ति दे और आप अपने परिवारों के साथ खुश रहें। उन्होंने कहा, "मैं ईमानदारी से कामना करता हूं कि यह देश और राज्य हमेशा समृद्ध रहे, जाति और धर्म से परे और बिना किसी कठिनाई के।" बीआरएस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केटीआर को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर केटीआर ने पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़ से नववर्ष का केक कटवाया। कार्यक्रम में विधान परिषद में विपक्ष के नेता एमएलसी मधुसूदनचारी, सांसद सुरेश रेड्डी, पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़, मल्ला रेड्डी, महमूद अली, एर्राबेली दयाकर राव और कई विधायक और एमएलसी शामिल हुए। मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में केटीआर ने अपने खिलाफ दर्ज एसीबी मामले पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने दोहराया कि फॉर्मूला ई-कार रेस मामले में एक पैसे का भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, "एसीबी की एफआईआर गलत है। जब मामले में कोई भ्रष्टाचार नहीं है तो मामला कहां है।" उन्होंने दावा किया कि एजी के पास उनके मामले में बहस के दौरान अदालत में न्यायाधीश द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं था।

केटीआर ने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी किसी तरह उन्हें जेल भेजने की कोशिश कर रहे थे और उसी के तहत उन्होंने फॉर्मूला ई-कार रेस मामले में छठी असफल कोशिश की। उन्होंने कहा कि फॉर्मूला कार रेसिंग मामले में रेवंत के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की, "अगर मुझे गिरफ्तार किया जाता है, तो सीएम रेवंत रेड्डी को भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कानूनी विशेषज्ञ तय करेंगे कि उन्हें इस महीने की 7 तारीख को ईडी के सामने पेश होने की जरूरत है या नहीं, जबकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें अदालतों पर भरोसा है। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता बड़े ठेकेदारों से हजारों करोड़ रुपये इकट्ठा कर दिल्ली भेज रहे हैं।

असिस्टेंट सिनेमेटोग्राफर की दिल के दौरे से मौत

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हीरो नानी की फिल्म की शूटिंग के दौरान हादसा नानी की हीरो वाली फिल्म हिट-3 की शूटिंग के दौरान हादसा। जब श्रीनगर में फिल्म की शूटिंग हो रही थी, तब असिस्टेंट सिनेमेटोग्राफर के तौर पर काम कर रही केआर कृष्णा नाम की महिला को दिल का दौरा पड़ा। केआर कृष्णा की इलाज के दौरान मौत हो गई।

उप्पल जीएचएमसी म्यूनिसिपल स्टेडियम में कल रात चल रही शराब पार्टी में अफरा-तफरी मच गई और खाली दवा की बोतलें उप्पल जीएचएमसी मैदान में बिखर गईं।

हजारों की संख्या में श्रद्धालु कोमुरवेली मंदिर में उमड़े

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को कोमुरवेली स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। राज्य के विभिन्न भागों से श्रद्धालु मंदिर में भगवान के दर्शन के लिए उमड़े। मंदिर अधिकारियों ने बताया कि राज्य के विभिन्न भागों से करीब 20 हजार श्रद्धालु कोमुरवेली स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर पहुंचे। नववर्ष 2025 के पहले दिन चेरियल, सिद्दीपेट, हुस्नाबाद, गजवेल, जंगों, लच्छनपेट, करीमनगर और अन्य स्थानों से श्रद्धालु भगवान मल्लन्ना के दर्शन के लिए कोमुरवेली पहुंचे। मंदिर के पास स्थित तालाब में स्नान करने के बाद श्रद्धालु कतारों की ओर दौड़ पड़े और भगवान मल्लिकार्जुन स्वामी के पवित्र दर्शन के लिए घंटों इंतजार किया। कुछ भक्तों ने अर्चना, विशेष पूजा, बाल, नज़र, महामंडपम, चिलुकापटनम, बोनम और नारियल चढ़ाए। उन्होंने पीठासीन देवता को पैसे और कपड़े भी चढ़ाए। मंदिर के अधिकारियों ने भक्तों की सुविधा के लिए हर संभव व्यवस्था की।

धर्मपुरी में सड़क दुर्घटना में दंपत्ति की मौत

जगतियाल, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मपुरी कस्बे में मंगलवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में दम्पति की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार लॉरी ने बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कुसा चंद्रैया (60) और उनकी पत्नी भाग्यम्मा (55) की मौत हो गई। रमैयापल्ली के निवासी दंपत्ति नए साल के अवसर पर प्रार्थना करने के लिए धर्मपुरी के एक चर्च में गए थे। अपने पैतृक गांव लौटते समय उनका एक्सीडेंट हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। चंद्रैया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भाग्यम्मा ने अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली।

अंततः नरभक्षी बाघ को कैद कर लिया गया

क्षेत्र के नागरिकों ने राहत की सांस ली हर तरफ खुशी का माहौल

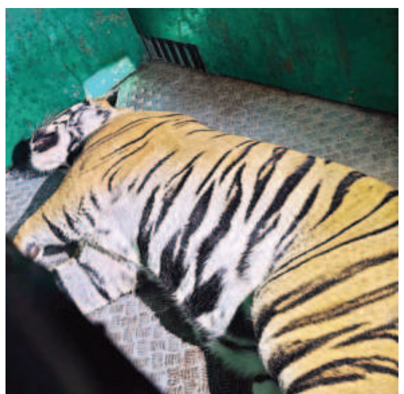

कुमरमभीम आसिफाबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नए साल के पहले दिन विरूर वन क्षेत्र के नागरिकों, किसानों और खेतिहर मजदूरों ने राहत की सांस ली। वन विभाग ने आखिरकार रात साढ़े नौ बजे के बीच अंतरागांव वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 133 में नरभक्षी बाघ को कैद करने में सफलता हासिल कर ली है और विरूर स्टेशन वन क्षेत्र अधिकारी के रूप में नव नियुक्त प्रकाश झाडे के अतुलनीय प्रदर्शन ने हर जगह खुशी फैला दी है।

तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर ढाबा वन क्षेत्र, विरूर वन क्षेत्र के गांवों पर हमला किया गया और शिकार किया गया। उपसंरक्षक श्वेता बोड्डु के मार्गदर्शन और उपविभागीय वन अधिकारी पवन कुमार जोंग के नेतृत्व में प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रकाश झाडे, सहायक वन संरक्षक प्रकाश अवधूतवार, वनपाल फुलजेले, डा. पोडचेलवार, नूर अल्ली, वनरक्षक नरेश लाडसे, धनराज रायपुरे, वनरक्षक कुलसंगे, पी.आर.टी. टीम के स्टाफ, वनकर्मियों ने अथक परिश्रम किया। इससे पहले, आदमखोर बाघ ने विरूर वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 126 (1) कोष्टला में बगलवाही निवासी जांगू रामू अत्राम और कवितपेठ निवासी लालूबाई अर्जुन अत्राम दोनों को मार डाला था। तेलंगाना के शिरपुर इलाके में कुछ लोगों को घायल करने की घटनाएं भी हुई थीं, जिससे इस आदमखोर बाघ ने इलाके में काफी दहशत फैला दी थी। इस बीच विरूर में ग्रामीणों और मृतक के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि सहायक वन संरक्षक और प्रोबेशनरी ऑफिसर ने मामले को ठीक से नहीं संभाला। हालांकि दो घटनाएं हो चुकी हैं और जब बाघ इलाके में घूम रहा था, तब भी संबंधित अधिकारी उचित कार्रवाई नहीं कर रहे थे । घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसलिए वन विभाग ने प्रकाश झाडे को नियुक्त किया वरिष्ठ स्तर से प्रभारी वन क्षेत्र अधिकारी के रूप में। उस निर्णय से वन विभाग और स्थानीय निवासियों को भी लाभ हुआ, अंततः वे नरभक्षी बाघ को कैद करने में सफल हो गए।

मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और कांग्रेस नेताओं ने सीएम रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुलाकात की और उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

जीएचएमसी सफाईकर्मी की मौत; 5 अन्य घायल

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह पुराने शहर के शाहलीबंदा में 2 ऑटो रिक्शा के बीच हुई टक्कर में जीएचएमसी की एक सफाईकर्मी की मौत हो गई, जबकि उसके 5 सहकर्मी घायल हो गए। आरएन कॉलोनी, फलकनुमा निवासी पी जमुना बाई (45) 5 सहकर्मियों के साथ ऑटो रिक्शा में सवार होकर अघापुरा में अपनी ड्यूटी पर जा रही थीं। शाहलीबांदा के सब इंस्पेक्टर एस सेशु ने बताया कि जब ऑटो शाह गौस होटल के पास पहुंचा, तो विपरीत दिशा से आ रहा एक और ऑटो-रिक्शा तेज गति से जमुना बाई को ले जा रहे ऑटो से टकरा गया। टक्कर के कारण सभी महिला यात्री सड़क पर गिर गईं और उन्हें चोटें आईं। जमुना बाई को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

8 लोगों को सजा के तौर पर अस्पताल परिसर साफ करने का आदेश

मंचेरियल, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक अदालत ने मंगलवार को 8 लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाने का दोषी पाते हुए एक अस्पताल परिसर की सफाई करने की सजा सुनाई। जिला प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट उपनिषदवानी ने आठ व्यक्तियों को सजा सुनाते हुए फैसला सुनाया, जिनके खिलाफ हाल ही में नासपुर पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया था। इसके बाद आठ लोगों को नासपुर मंडल केंद्र में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के आसपास से कचरा उठाने के लिए तैनात किया गया।

लॉरी ने आरटीसी बस को टक्कर मारी, 8 लोग घायल

संगारेड्डी, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को जहीराबाद के पास एनएच-65 पर एक आरटीसी बस में एक लॉरी ने टक्कर मार दी, जिससे उसमें सवार 8 यात्री घायल हो गए। जहीराबाद डिपो की बस कर्नाटक के बीदर की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। घायलों को जहीराबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने लॉरी चालक को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस की सक्रियता से शांतिपूर्ण रहा नव वर्ष समारोह

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 2025 के नए साल के जश्न के दौरान, रचाकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने व्यक्तिगत रूप से आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत सरूर नगर, उप्पल, पहाड़ी शरीफ, एलबी नगर, गुडुरु टोलगेट क्षेत्रों में भाग लिया और कर्मचारियों और आम लोगों का उत्साह बढ़ाया। रचाकोंडा कमिश्नरेट में नए साल का जश्न शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। लोगों ने हर्षोल्लास के साथ नये साल के जश्न में हिस्सा लिया। आयुक्तालय क्षेत्र में रचाकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू के निर्देशानुसार, अधिकारियों द्वारा सभी आवश्यक सावधानियां बरतने और सिविल, यातायात और शी टीमों जैसे सभी विभागों के पुलिस कर्मियों के अथक परिश्रम के कारण, बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण ढंग से समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मल्काजगिरी डीसीपी पद्मजा आईपीएस, एलबी नगर डीसीपी प्रवीण कुमार आईपीएस, यादाद्री डीसीपी राजेश चंद्रा आईपीएस और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

साइबराबाद में दुर्घटना मुक्त मना नववर्ष का जश्न

नशे में वाहन चलाने के खिलाफ विशेष अभियान

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 31 दिसंबर की रात से 1 जनवरी की सुबह तक सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए, साइबराबाद पुलिस की 49 टीमों ने साइबराबाद में नशे में वाहन चलाने के परीक्षण किए और 839 लोगों को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए। इन व्यक्तियों पर कानूनी कार्रवाई की गई और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए।साथ ही, उनके ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर लिए जाएंगे और मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19 के अनुसार निलंबन के लिए संबंधित आरटीए को भेजे जाएंगे। अधिकांश मामले आरसी पुरम, माधापुर, कुक्टपल्ली, मियापुर, नरसिंगी, अलवाल, जीडीमेटला, मेडचल में दर्ज किए गए। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा व्यापक योजना और प्रवर्तन के साथ, साइबराबाद में कहीं भी कोई बड़ी सड़क दुर्घटना नहीं हुई।

आरटीओ कर्मचारियों ने नागोल में की पदयात्रा

वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का आग्रह

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा के पहलुओं, मोटर चालकों द्वारा हेलमेट पहनने और कार चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करने के बारे में वाहन चालकों को शिक्षित करने के लिए बुधवार को नागोल में एक पदयात्रा आयोजित की गई। सड़क सुरक्षा माह के तहत यह पदयात्रा सड़क सुरक्षा पर संदेश फैलाने और सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए वाहन चालकों को सावधान रहने की आवश्यकता के बारे में संदेश देने के लिए आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम के दौरान यातायात नियमों और मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के अलावा शराब के नशे में वाहन न चलाने के महत्व के बारे में भी संदेश दिया गया। कार्यक्रम में नागोले प्रभारी आरटीओ के. अमरनाथ, एमवीआई अनीता, श्रीधर, विष्णु दीपक के साथ एसआई नागोले शिवा नागा प्रसाद और मंत्रालयिक कर्मचारी शामिल थे।

CLASSIFIEDS
WANTED

Wanted a Branch supervisor, Business executive and Assistant for Shree Baliram Road Carriers. Min 3-5years experience in Transport industry. Walk-in interview.
Ph: 9347231534

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

छत से गिरकर महिला की मौत

निजामाबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद टाउन पांचवें डिवीजन के बोरगाम इलाके में मंगलवार रात कपड़े सुखाने के दौरान घर की छत से गिरने से 32 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान कलुरी निहारिका के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 9 बजे निहारिका दूसरी मंजिल पर कपड़े सुखाने गई थी और फिसलकर छत से नीचे गिर गई। परिवार के सदस्यों ने टक्कर की आवाज सुनी और मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत उसे इलाज के लिए निजामाबाद सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में काग परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह व स्नेह भोज कार्यक्रम में उपस्थित सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, आयोजक मांगीलाल, कालुराम, पुसाराम, भुराराम काग, संगारेड्डी बडेर अध्यक्ष रुगाराम परिहारिया, लिख्माराम मुलैवा, पूर्व अध्यक्ष चेनाराम चोयल, सोहनलाल परिहार, भंवरलाल काग, प्रेम पंवार, नैनाराम राठौड़, केसाराम सेपटा, गिरधारीलाल चोयल, सुरेश, दिलीप, नरेश, हेमंत, अमित, मोनित काग, सुन्दरबाई, सेमादेवी, रमादेवी, मैनादेवी, महिमादेवी, पुजा, पिंकी काग व अन्य।

दुर्घटना में बिहार के 20 मजदूर घायल

राजन्ना-सिरसिल्ला, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को बोइनपल्ली मंडल के कोडुरुपाका के पास सड़क दुर्घटना में बिहार के 20 मजदूर घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब जिस ऑटोरिक्शा में मजदूर यात्रा कर रहे थे वह पलट गया। करीमनगर शहर के बाहरी इलाके अलुगुनूर में रहने वाले मजदूर अलग-अलग इलाकों में खेतों में धान की रोपाई कर रहे थे। मंगलवार को उन्होंने वेमुलावाड़ा ग्रामीण मंडल में पौधारोपण करने का फैसला किया और ऑटोरिक्शा में सवार होकर निकल पड़े। जब वे मौके पर पहुंचे तो ऑटोरिक्शा दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उनमें से 5 गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस बुलाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-41-2024, दिनांक 24.12.2024

कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के सहायक मंडल अभियंता/लक्ष्मीपुर रोड के क्षेत्राधिकार के अधीन कोरापुट-रायगड़ लाइन पर कोरापुट-सिंगापुर रोड के बीच तथा सहायक मंडल अभियंता/रायगड़ के क्षेत्राधिकार के अधीन रायपुर-विजयनगरम लाइन पर सिंगापुर रोड-डोंकिनवलसा के बीच ठेकेदार के निजी हाइड्रोलिक टाइप गेज फेस लुब्रिकेटर द्वारा कर्वों के लुब्रिकेशन के साथ उसका पांच वर्षों की अवधि के लिए रखरखाव।

कार्य की अनुमानित लागत: रु.16,99,66,759.20, EMD: रु. 9,99,800.00. निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 11,800.00.

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-42-2024, दिनांक 24.12.2024

कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के सहायक मंडल अभियंता/रायगड़ के क्षेत्राधिकार के अधीन 110 KMPH से अधिक गति पर ट्रेनों के संचालन के लिए अनाधिकृत प्रवेश रोकने हेतु ट्रैक के बगल में सुरक्षा बाड़ यानी दोहरी W बीम तथा KNOT फेंसिंग का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत: रु.59,08,55,486.25, EMD: रु. 31,04,300.00.

कार्य समापन की अवधि: 60 (साठ) महीने (क्रम सं. 1 के लिए) तथा 18 (अठारह) महीने (क्रम सं. 2 के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 21.01.2025 को 1500 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए)

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर
PR-849/P/24-25

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 2 जनवरी - 2025

नए साल में नई कहानी

भारतीय राजनीति में स्थिरता के स्पष्ट संकेत हैं। इसके बावजूद 2024-25 की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास 5.4% पर है। भारत की जीडीपी का निशान भी वृद्धि के लिए ऊपर जाने को बेताब दिखाई दे रहा है। रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में चुनौतियां जारी हैं, लेकिन उम्मीदें कायम है कि इस संकट भी देश इस वर्ष उबर जाएगा। अंतराष्ट्रीय मामलों में भी सुधार की गुंजाइश लगातार बनी हुई है। साल 2024 को अलविदा कहने के बाद 2025 के उगते सूर्य की ओर देखते हुए हम इस बात पर राहत और सुकून महसूस कर सकते हैं कि आगे की चुनौतियों से देश आसानी से निपट लेगा। 2024 में हुए लोकसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद राजनीतिक अस्थिरता की जो आशंका व्यक्त की जा रही थी, साल के जाते-जाते तक मामला काफी सुधर चुका है। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जाहिर कर दिया कि बीजेपी का दबदबा था, है और रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में भी तेजी से इजाफा हुआ है। सकून की बात यह है कि भाजपा ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वे पीएम के तौर पर अपना तीसरा कार्यकाल भी पूरा करेंगे। देश के आर्थिक विकास की रफ्तार जो कुछ दिनों के लिए कमी आई थी वह भी अच्छी चाल पकड़ लिया है। साल 2024-25 की दूसरी तिमाही में यह 5.4 फीसदी पर आ गई जो पिछली सात तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है। लेकिन गौर करने की बात है कि यह चुनावी साल था। लिहाजा सरकारी खर्च में कमी एक बड़ा फैक्टर माना जाता है। आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि तीसरी और चौथी तिमाहियों में यह रफ्तार तेजी से आगे बढ़ेगी। वैसे भी रिजर्व बैंक का अनुमान है कि 2024-25 में देश की सालाना बढ़ोतरी दर 6.6 फीसदी रहेगी, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा मानी जा रही है। अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक यदि सबकुछ अनुमान के मुताबिक रहा तो 2025 में भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकॉनमी बन सकता है। तेजी से हो रहे विकास के बावजूद कई मोर्चों पर देश में चुनौतियां भी हैं। बढ़ती बेरोजगारी का विपक्ष का आरोप भले ही पूरी तरह सच न हो, लेकिन युवाओं के लिए, अच्छी नौकरी ढूंढना सबसे बडी समस्या के रूप में उभरा है। आयुष्मान भारत स्कीम अच्छी योजना है, लेकिन उसके दुरुपयोग की खबरें मन को विचलित करती हैं। वहीं, इंश्योरेंस रेग्युलेटर आईआरडीएआई की हाल में आई रिपोर्ट बताती है कि साल 2023-24 के दौरान हेल्थ इंश्योरेंस के 71.3 फीसदी दावे ही सेटल किए गए। नियामक को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। एलएसी से जुड़ा विवाद सुलझा लिया गया है। इसके बावजूद नए साल में चीन के साथ रिश्तों में बेहतरी की उम्मीद बढ़ गई है। पडोसी देश बांग्लादेश के हालात जरूर भारत के लिए कुछ चिन्ताएं पेश कर रहे हैं, लेकिन उससे उबरते देर नहीं लगेगी। अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप सरकार बनने के बाद उनकी नीतियों को लेकर भी काफी आशंकाएं हैं, लेकिन समय बीतने के साथ उस पर भी मलहम लग जाने की उम्मीद है। कुल मिलाकर साल 2025 युद्ध के बजाय शांति की संभावनाओं को मजबूती देता दिख रहा है। इसलिए आइए खुले दिल से और पूरे यकीन के साथ नए साल की शुभकामनाएं एक दूसरे को दें।

पाकिस्तान के लिए मुसीबत बना तालिबान

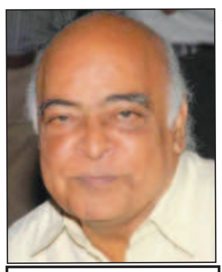

अशोक भाटिया

जब से तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हुआ है, तभी से पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान का तनाव कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। ऐसे में आए दिन दोनों देशों की सीमाओं पर गोलीबारी और हवाई हमले होते ही रहते हैं। जबकि अफगानिस्तान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान को उम्मीद थी कि तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को काबू में करेगा। असल में ऐसा हुआ नहीं। टीटीपी में और तेजी से बदलाव आया है और पहले कई गुटों में बंटकर आपस में लड़ने वाला टीटीपी अब एक हो गया है। तालिबान के सत्ता में आने से सभी गुट अब मिल कर पाकिस्तान को निशाना बना रहे हैं। इसी के कारण दोनों देशों के बीच तनातनी और बढ़ी है।टीटीपी पाकिस्तानी सरकारी और वहां के संविधान गैर-इस्लामिक मानता है। वो चाहता है कि पाकिस्तान में पूरी तरह शरीयत कानून लागू हो। इसी इरादे के साथ वो पाकिस्तानी सरकार और सेना को कमजोर करना चाहता है।

पाकिस्तान का दावा है कि टीटीपी के आतंकवादी अफगानिस्तान में पनाह लिए हुए हैं। वहीं से आतंकवादी पाकिस्तान पर हमले करते हैं। ये हमले तालिबान के सत्ता संभालने के बाद और बढ़ गए हैं। दूसरी ओर, तालिबान इन सबसे इनकार करता रहता है। हालांकि, टीटीपी ने ही साल 2012 में मलाला युसुफजई को निशाना बनाया था। टीटीपी के आतंकवादियों ने मलाला को गोली मारी थी, क्योंकि इस आतंकी समूह का मानना था कि मलाला एक वेस्टर्न माइंड गर्ल है।

ज्ञात हो कि साल 2007 में कई आतंकवादी गुटों ने मिलकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का गठन किया था। इसको पाकिस्तान तालिबान के नाम से भी जाना जाता है। इसका लक्ष्य पाकिस्तान में इस्लामी शासन की स्थापना करना है। पाकिस्तान की सरकार साल अगस्त 2008 में टीटीपी को बैन कर चुकी है।हालांकि, इस आतंकी संगठन की शुरुआत साल 2001 में ही हो गई थी, जब अमेरिका ने अफगानिस्तान की सत्ता से तालिबान को खदेड़ दिया था। अक्तूबर 2001 में अफगानिस्तान से खेदेड़े जाने के बाद बड़ी संख्या में तालिबानी आतंकी पाकिस्तान चले गए। वहां 2002 से इन आतंकियों ने अपनी जड़े जमानी शुरू कर दीं तो पाकिस्तानी सेना ने इनके खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू की थी। इसके बावजूद बैतुल्लाह महसूद ने दिसंबर 2007 में टीटीपी के गठन का ऐलान कर दिया था। दो साल बाद बैतुल्लाह महसूद की मौत के बाद हकीमउल्लाह महसूद ने टीटीपी की कमान संभाली। साल 2013 में उसकी मौत के बाद मुल्ला फजलुल्लाह टीटीपी का नया नेता बना। उसे भी 22 जून 2018 को अमेरिकी सेना ने मार गिराया। अब तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान का दावा है कि टीटीपी अफगानिस्तान से संचालित हो रहा है और वहीं से हमले किए जा रहे हैं। इसीलिए दोनों देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है।

अब तो मानों अफगानिस्तान और पाकिस्तान में मानो जंग छिड़ गई है। यहां तालिबान आर्मी और पाकिस्तानी सेना सीमा पर आमने सामने है। तालिबान की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के 19 सैनिकों की मौत हो गई है, और तीन आम नागरिक भी मारे गए हैं। टकराव अफगानिस्तान के पूर्वी खोस्त और पक्तिया प्रांतों में हो रहा है, जो पाकिस्तान की सीमा से सटे हैं।बताया जा रहा है कि, अफगान सीमा बलों ने खोस्त प्रांत के अली शिर जिले में कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को आग के हवाले कर दिया और पक्तिया प्रांत के डंड-ए-पतन जिले में दो पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर लिया। स्थानीय मीडिया ने सूत्र के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा डंड-ए-पतन जिले में दागे गए मोर्टार शेल की वजह से तीन अफगान नागरिकों की मौत हो गई। दरअसल यह टकराव कुछ दिन पहले पिछले मंगलवार की रात पक्तिका प्रांत में पाकिस्तान के हवाई हमलों के बाद हुआ, जिसमें कमोबेश 51 लोग मारे गए थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। मसलन, पाकिस्तान सेना का कहना है कि अफगानिस्तान की जमीन से पाकिस्तान में आतंकी हमले किए जाते हैं और तालिबान से इसे काबू करने की अपील की गई थी।

गौरतलब है कि तालिबान पहले सोवियत यूनियन और अमेरिका जैसी ताकतों के साथ संघर्ष में उलझा रहा है। उसे दोनों को ही मात देने और अफगानिस्तान से खदेड़ने का श्रेय दिया जाता है। तालिबान खुद को अफगानिस्तान की सबसे बड़ी ताकत के रूप में पेश करता है। वह दो बार काबुल की सत्ता पर काबिज हो चुका है। ऐसे में उससे टकराव पाकिस्तान के लिए आसान नहीं होगा, वह भी तब जब उसकी अर्थव्यवस्था बेहद संकट की स्थिति में है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अफगान तालिबान अब पाकिस्तान पर अपनी निर्भरता कम करने में लगा है और अन्य पड़ोसियों के साथ रिश्ते बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहा है। दशकों तक, पाकिस्तान को अफगान तालिबान का संरक्षक माना जाता था। पाकिस्तान का इस ग्रुप के आगे बढ़ने में खासा योगदान रहा है। इस्लामाबाद इसे आश्रय, धन और कूटनीतिक समर्थन प्रदान करता रहा है।

9/11 अटैक के बाद अफगानिस्तान पर संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले हमले के बाद, कई अफगान तालिबान नेताओं ने पाकिस्तान में शरण ली। पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में अमेरिकी ड्रोन हमलों के बीच, तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी या पाकिस्तानी तालिबान) उभरा जो आज पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया और इस समय अफगानिस्तान तालिबान तनाव का अहम कारण बना हुआ है।

टीटीपी का उद्देश्य पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और राज्य के खिलाफ आतंकवादी अभियान चलाकर पाकिस्तान सरकार को उखाड़ फेंकना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार को हटाकर इस्लामी कानून की अपनी व्याख्या के आधार पर एक कट्टरवादी शासन की नींव रखना चाहता है। टीटीपी का गढ़ अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा के आसपास का जनजातीय क्षेत्र है, जहां से वह अपने लड़ाकों की भर्ती करता है। तालिबान पाकिस्तान की सैनिक ताकत से अच्छी तरह परिचित है ऐसे में हर कदम सोच समझकर उठाएगा अगर वह संघर्ष को आगे बढ़ाता है तो इसके पीछे उसकी सोची समझी रणनीति होगी।

देखने वाली बात यह भी होगी कि कभी तालिबान की वापसी पर खुशी से झूम उठे पाकिस्तान, आज अफगानिस्तान सीमा पर लड़ रहे है दो पुराने यार। जब अगस्त 2021 में तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया, तो पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री शेख रशीद अहमद ने अफगानिस्तान के साथ लगने वाले तोरखम बॉर्डर पर एक विकट्री प्रेस कॉन्फ्रेंस की और तालिबान सरकार को मान्यता देने की बात कही। उन्होंने दावा किया कि तालिबान के तेजी से सत्ता में आने से ₹एक नया ब्लॉक₹ बनेगा। उस समय पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान ने कहा था कि अफगानिस्तान के लोगों ने गुलामी की जंजीर को तोड़ दिया है। पाकिस्तान को लगा था कि तालिबान के अफगानिस्तान में आने से उसे एक नया साथी और एक नया मजबूत पड़ोसी मिल जाएगा, जो भारत के खिलाफ उसकी मंशा को कामयाब करने में काफी मददगार साबित होगा, क्योंकि अफगानिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी को भारत और अमेरिका का समर्थक बताया जाता था। हालांकि, 3-4 सालों में ही पाकिस्तान की खुशफहमी का ये गुब्बारा भी फूट गया और आज हालात ये हैं कि पाकिस्तान अफगानिस्तान के भीतर घुस कर एयर स्ट्राइक कर रहा है और तालिबानी पाकिस्तान में घुस कर मार काट मचा रहे हैं।

आश्चर्य तो यह है कि लगभग 20 सालों तक, अफगान तालिबान ने सत्ता में आने के लिए लगातार विद्रोह किया, जिसे अफगानिस्तान में 40 से ज्यादा देशों के गठबंधन का सामना करना पड़ा, जिसका नेतृत्व अमेरिका कर रहा था।

अछूत और स्त्रियों के स्वाभिमान की प्रेरणा थी सावित्री बाई फुले

डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल

3 जनवरी पर विशेष

समाज में व्याप्त बुराइयों के विरुद्ध लड़ने के लिए समय-समय पर कुछ लोगों के उठने और संघर्ष करने के अनेक उदाहरण मिलते हैं, लेकिन उनमें से कुछ ऐसे विशेष व्यक्तित्व होते हैं उनके द्वारा दिए गये विचारों और शुरू किये गये उपक्रमों का भावी पीढ़ियों पर बहुत गहरा असर पड़ता है। ऐसी ही एक महान विभूति श्रीमती सावित्री बाई फुले की 190 वीं जयंती है। समाज सुधार के लिए उनके द्वारा उठाये गये कदम न केवल उनके दौर की पृष्ठभूमि में महान थे, बल्कि आज भी वे हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं, और वर्तमान में भी प्रासंगिक है। सावित्री बाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 में महाराष्ट्र के नायगांव में पिता खन्दोजी नेवसे व माता लक्ष्मी के घर हुआ। 1840 में 9 वर्ष की आयु में उनका विवाह समाज-सुधारक ज्योतिराव (ज्योतिबा) फुले के साथ हुआ। विवाह के समय वह अनपढ़ थी।

जिस दौर में सावित्री बाई फुले पढ़ने का सपना देख रही थी। उस दौर में अस्पृश्यता, छुआछूत, भेदभाव जैसी कुरीतियां चरम पर थी। उसी दौरान की एक घटना के अनुसार एक दिन सावित्री बाई अंग्रेजी की किसी पुस्तक के पन्ने पलट रही थी, तभी उनके पिताजी ने देख लिया। वह दौड़कर आए और उनके हाथ से पुस्तक छीनकर घर से बाहर फेंक दी. कारण सिर्फ इतना था कि शिक्षा का अधिकार केवल उच्च जाति के पुरुषों को ही था। दलित और महिलाओं के लिए शिक्षा ग्रहण करना पाप समझा जाता था। बस उसी दिन से वह पुस्तक वापस लाकर प्रण कर बैठी कि कुछ भी हो जाए वह एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेगी।

सावित्रीबाई फुले के पति ज्योतिबा फुले उनके जीवन में शिक्षक बनकर आए। 1841 में पढ़ने-लिखने का प्रशिक्षण उन्हें ज्योतिबा फुले से ही मिला। पूना में अंग्रेजी अधिकारी रे जेम्स मिचेल की पत्नी नारी शिक्षा की पक्षधर थी। अतः नार्मल स्कूल द्वारा सावित्री बाई फुले को विधिवत अध्यापिका का प्रशिक्षण दिया गया। अंग्रेजी भाषा में पारंगत होने के बाद सावित्री बाई फुले ने टामसन क्लाक्सन की जीवनी पढ़ी। टामसन नीग्रो लोगों पर हुए जुल्मों के विरुद्ध न केवल लड़े थे, बल्कि कानून बनवाने में भी सफल हुए थे। उनकी जीवनी पढ़कर सावित्री बाई फुले बहुत प्रभावित हुई। वे भारत में अछूत और स्त्रियों की गुलामी के प्रति चिंतित थी। सावित्री बाई फुले ने अपने पति दलित-चिंतक व समाज-सुधारक ज्योतिराव फुले से प्रेरणा प्राप्त कर सामाजिक चेतना को आगे बढाया।उन्होंने जनवरी 1848 से लेकर 15 मार्च 1852 के दौरान इन तीन सालों में अपने पति और सामाजिक क्रान्तिकारी नेता ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर लगातार एक-एक करके बिना किसी आर्थिक मदद और सहायता के लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोलकर, शैक्षणिक-सामाजिक क्रान्ति का शंखनाद किया। इस तरह का क्रान्तिकारी और समाज व्यवस्था में बदलाव लाने वाला काम देश में सावित्री बाईफूले से पहले किसी और ने नहीं किया था लेकिन तत्कालिक जातीवादी व महिला शिक्षा के विरोधी लोगों द्वारा सावित्रीबाई फुले को प्रताड़ित किया जाने लगा। जब भी सावित्री बाई फुले स्कूल जाती थी, तो लोग उन पर पत्थर और गोबर फेंक दिया करते थे। ऐसा प्रतिदिन होता था।

लेकिन सावित्रीबाई पीछे नहीं हटी और उन्होंने इसका हल भी ढूंढ लिया। वे अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी भी लेकर स्कूल जाने लगी। ताकि वहां जाकर साड़ी बदल सके। भारी विरोध व प्रताड़ना के बाद भी सावित्रीबाई फुले ने स्कूल जाना नहीं छोड़ा। सावित्री बाई फुले देश की महिला शक्ति और अछूतों के लिए एक मिसाल और प्रेरणा हैं कि अगर दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति हो तो समाज में नई चेतना का विस्तार किया का सकता है।सावित्री बाई फुले को देश की प्रथम प्रशिक्षित महिला शिक्षिका होने का गौरव प्राप्त है। उन्होंने ऐसे समय में शिक्षा पर कार्य करना शुरू किया, जब शिक्षा के सारे द्वार महिलाओं के लिए बंद प्रायः थे। महिलाओं को पैरों की जूती कहा जाता था। महिला का जीवन चूल्हे-चैके और बच्चे पैदा करने में, पति-सेवा तक ही सीमित था।

उनकी इच्छा, रुचि, अभिरुचि व मान-सम्मान का कोई मूल्य नहीं था। उच्च जाति के समुदायों की महिलाओं की स्थिति भी सोचनीय थी, परन्तु दलित व पिछड़ी महिलाओं की स्थिति अत्यधिक चिंतनीय थी। दलित महिलाओं पर उच्च जातियों के महिला-पुरुष के साथ-साथ अपने समाज के नियंत्रण का शिकंजा भी कसा हुआ था। लेकिन सावित्री बाई फुले अटूट संकल्प के साथ महिला शिक्षा एवं सामाजिक क्रांति के लिए प्राण-प्रण से जुटी हुई थी। सावित्रीबाई फुले देश में महिला शिक्षा जागृति एवं सामाजिक चेतना आंदोलन की प्रवर्तक थी। वे नारी शिक्षा एवं दलित महिला आन्दोलन की साहसी अग्रदूत महिला थी, वहीं वेएक कुशल सामाजिक कार्यकर्ता भी थी।

सावित्री बाई फुले कोई साधारण महिला नहीं थी, जिन्हें इतिहास के गर्भ में छुपा दिया जाए और वे गुमनामी के अंधेरों में छुप जायें। उन्नीसवीं शताब्दी की वह एक क्रांतिकारी चिंगारी थी, जिन्होंने ब्रिटिश उपनिवेशवाद के अन्दर अपनी न केवल क्रांति बिखेरी बल्कि अंधविश्वास, पाखंड, ढोंग धार्मिक कर्मकांडों को प्रति आवाज उठाकर अछूतों व स्त्रियों के लिये शिक्षा के द्वार खोल दिये।

तत्कालीन समाज की विकट परिस्थितियों से टकराते हुए समाज सुधारक सावित्री बाई फुले युग प्रवर्तक बनकर सामने आयी। अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, निर्भीक व्यक्तित्व, सामाजिक सरोकारों से ओत-प्रोत ज्योतिबा फुले के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज की दकियानुसी सोच बदलने के लिए न्याय-चिंतन के आधार पर कठोरसंघर्ष किया। उन्होंने महिला जीवन को गौरवान्वित करते हुए सामाजिक न्याय के लिए भरसक प्रयास किये। फुले दम्पति ने संयुक्त रूपसे नारी मुक्ति के लिए परम्परागत सामाजिक रुढ़ियों का खण्डन व खुलकर विरोध किया। देश में प्रथम बार सती-प्रथा तथा विधवा-मुंडन का विरोध एवं विधवा-विवाह का समर्थन कर विधवा जीवन की त्रासदी को समझा। सावित्रीबाई फुले के जागृतिपूर्ण कार्यों में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा है के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता है।

दक्षिण एशिया में न्याय, समानता और मानवाधिकारों की विफलता

गजेंद्र सिंह

इन दिनों बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार हो रही हिंसा और उनकी तेजी से घटती जनसंख्या हमें दक्षिण एशिया में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के व्यापक प्रभावों पर गंभीरता से विचार करने और कार्रवाई करने के लिए मजबूर करती है। यह स्थिति बलपूर्वक किए गए कदमों या प्रणालीगत उपेक्षा के कारण उत्पन्न हुई हो सकती है। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में बदलती जनसांख्यिकी न केवल हिन्दू, सिख, बौद्ध और इसे ईसाई समुदाय की अल्पसंख्यक आबादी में भारी गिरावट को दर्शाती है बल्कि यह दक्षिण एशिया में धार्मिक सहिष्णुता, सांस्कृतिक विविधता और मानवाधिकारों के उल्लंघन को भी उजागर करती है। इन देशों में राजनीतिक अस्थिरता, धार्मिक उत्पीड़न और अल्पसंख्यकों को हाशिए पर रखने की प्रणाली ने न केवल इन देशों की आंतरिक स्थिति को प्रभावित किया है बल्कि भारत जैसे देशों के लिए भी नई चुनौतियां प्रस्तुत की हैं।

1947 में दक्षिण एशिया के विभाजन ने जनसांख्यिकी और भू-राजनीति में एक भूकंपीय बदलाव को चिह्नित किया। पाकिस्तान का गठन मुसलमानों के लिए एक अलग मातृभूमि के रूप में किया गया था लेकिन इसके निर्माण के समय अल्पसंख्यकों में इसकी आबादी का लगभग 23% हिस्सा था । इसमें हिंदू, सिख और ईसाई शामिल थे जो इस क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के अभिन्न अंग थे । 2023 की जनसँख्या के अनुसार कुल आबादी में हिन्दुओं की हिस्सेदारी 1.61, ईसाइयों की हिस्सेदारी 1.37 प्रतिशत रह गई है। वही सिख समुदाय की जनसंख्या मात्र 15,998 और पारसी समुदाय की 2,348 थी । इसी तरह पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में हिंदुओं का 1971 में आबादी का लगभग 13% हिस्सा था जब राष्ट्र ने स्वतंत्रता प्राप्त की, आज घटकर 8% से भी कम हो गई है । अफगानिस्तान, जो हिंदुओं और सिखों सहित अपनी विविध आबादी के लिए जाना जाता था जिनकी संख्या 20वीं शताब्दी की शुरुआत में 2,00,000 से अधिक थी । लंबे समय तक चले संघर्ष और तालिबान के पुनरुत्थान ने इन अल्पसंख्यक समुदायों को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया है। आज उनकी आबादी कुछ सौ परिवारों तक ही सीमित हो गई है। राजनीतिक उथल-पुथल ने अल्पसंख्यकों की दुर्दशा को और बढ़ा दिया है। पूर्वी पाकिस्तान में 1971 के युद्ध में हिंदुओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर अत्याचार हुए। इसी तरह, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में इस्लामी कट्टरपंथ के उदय ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हाशिए पर डाल दिया है। अफगानिस्तान में 1990 के दशक और 2021 के बाद तालिबान के शासन ने गैर-मुस्लिम समुदायों के खिलाफ भेदभाव को संस्थागत बना दिया है। जैसे-जैसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ उत्पीड़न और हिंसा बढ़ी, कई लोगों ने सुरक्षित क्षेत्रों में शरण ली, भारत अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के कारण एक प्राथमिक गंतव्य के रूप में उभरा हालाँकि, इस प्रवास ने भारत के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा की हैं जिससे इसके संसाधनों पर दबाव पड़ा है और सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है। कई प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं ने इस जनसांख्यिकीय बदलाव को आकार दिया है। 1947 के विभाजन के कारण बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक हिंसा हुई, जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोगों का पलायन हुआ और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक आबादी में कमी आई। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पूर्वी पाकिस्तान में हिंदू आबादी को लक्षित हिंसा का सामना करना पड़ा जिसने कई लोगों को भारत भागने के लिए मजबूर कर दिया। 1990 के दशक में, अफगानिस्तान में तालिबान के उदय ने हिंदुओं और सिखों के खिलाफ अत्यधिक उत्पीड़न शुरू कर दिया जिससे बड़े पैमाने पर पलायन हुआ। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक लड़कियों का अपहरण, बांग्लादेश में मंदिरों पर हमले और तालिबान द्वारा सख्त शरिया कानून लागू करने जैसी हाल की घटनाएं इन समुदायों के लिए खतरा बनी हुई हैं।

विस्थापित अल्पसंख्यकों के लिए एक शरण के रूप में भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

शरणार्थी संकट ने पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों पर महत्वपूर्ण दबाव डाला है, जो बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करते हैं। इसके अलावा, पड़ोसी देशों में अस्थिरता ने सीमा पार सुरक्षा खतरों को बढ़ा दिया है जिसमें अवैध प्रवास और चरमपंथी तत्वों की घुसपैठ शामिल है। इन देशों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए भारत की वकालत ने भी अपने राजनयिक संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है, विशेष रूप से नागरिकता संशोधन अधिनियम के विवाद के साथ ।

चिंता का विषय है बढ़ती विमान दुर्घटनाएं !

सुनील कुमार महला

सड़क हादसे ही नहीं, आज दुनिया भर में बढ़ते विमान हादसे भी घोर चिन्ता का विषय हैं। अभी कुछ दिनों पहले ही देश के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत में सड़क दुर्घटनाओं पर अत्यंत चिंताजनक वक्तव्य देते हुए यह बात कही थी कि जब वे सड़क एवं राजमार्ग विकास पर आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भागीदारी करते हैं, तो विभिन्न पक्षों द्वारा भारत में अधिक सड़क दुर्घटनाओं के संदर्भ में पूछे जाने वाले सवालों से वे लज्जित महसूस करते हैं। सड़क हादसों से परे, अब दुनिया में हो रहे विमान हादसे भी कम चिंता का विषय नहीं हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हवाई यात्रा भी सेफ या सुरक्षित नहीं रही है। हाल ही में साल के आखिरी दिनों में विश्व में हुई दो भीषण विमान दुर्घटनाओं ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा और हर तरफ शोक की लहर दौड़ गई। हालांकि, जो विमान हादसे हाल ही में हुए हैं वे भारत में नहीं हुए हैं लेकिन नुकसान तो मानव जाति को ही पहुंचा है, भले ही फिर वे कहीं भी क्यों न घटित हुए हों।

इस संबंध में हाल ही में मीडिया में आई खबरें यह बतातीं हैं कि कजाकिस्तान में हाल ही में अजरबैजान के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 38 लोगों की मौत हो गई वहीं दूसरी ओर दक्षिण कोरिया में हुए एक विमान हादसे में 179 लोगों मारे गए। यह बहुत ही दुखद है कि दक्षिण कोरिया में हुए विमान हादसे में बड़ी संख्या में लोग मारे गए, वहीं दूसरी ओर अज़रबैजान के विमान हादसे में भी अड़तीस लोगों का मारा जाना हर किसी के दिल को दहला देने वाला है।एक हफ्ते में दो विमानों का दुर्घटनाग्रस्त हो जाना और उनमें इतनी बड़ी संख्या में लोगों का मारा जाना कहीं न कहीं ये दर्शाता है कि आज विमान यात्रा भी सुरक्षित नहीं रह गई है।

दक्षिण कोरिया के मुआन में हुए हादसे का कारण पक्षी के टकरा जाने को बताया गया है। बताया जा रहा है कि हादसा विमान की लैंडिंग के समय हुआ जब विमान के पिछले हिस्से से पक्षी टकरा गया और कुछ ही सैंकिड्स में विमान आग की लपटों से घिर गया। कहा जा रहा है कि पक्षी टकराने की वजह से लैंडिंग गियर में खराबी आ गई हालांकि, कई जानकार इससे सहमत नहीं हैं। वास्तव में हादसे की वजह क्या रही, यह सब तो हादसे की जांच से कुछ और तथ्य सामने आने के बाद ही सही रूप से स्पष्ट हो पाएगा। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि अजर बैजान विमान हादसे को लेकर अलग-अलग तरह के दावे किए जा रहे हैं। सच तो यह है कि इन अलग-अलग दावों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की माफी ने सस्पेंस को खत्म नहीं किया बल्कि संदेहों को और अधिक गहरा कर दिया है। पुतिन ने अपने माफीनामे में यह बात कही है कि जब वह विमान कजाकिस्तान में लैंड कर रहा था उस समय यूक्रेनी ड्रोन हमलों के मद्देनजर रूसी डिफेंस सिस्टम एक्टिव था लेकिन पुतिन ने यह स्वीकार नहीं किया है कि वह विमान इसी सिस्टम का टारगेट बना।

कहना मुश्किल है कि लैंडिंग के वक्त विमान में कोई तकनीकी गड़बड़ी हुई या वह किसी मिसाइल का शिकार हुआ, लेकिन जो भी हो सच तो यही है कि इसमें सवार यात्रियों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

ऐ जाते हुए लमहे...

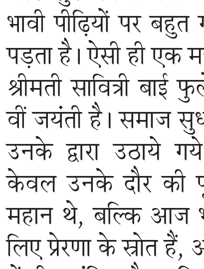

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सर्द दिनों में सर्द की रातें और सर्द का दिन बदन को तार-तार कर देता है। इस सर्दी के मारे सूर्य मुँह छिपाए फिरता-रहता है। इसी में वह स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है। चारों दिशाओं से सर्द हवाएँ शत्रु देश के हमले से कम नहीं होतीं। जहाँ देखो वहाँ कोहरा ही कोहरा। पता ही नहीं चलता कि इस दुनिया में हमारे सिवाय कोई है भी या नहीं। आजकल टूटते-बिखरते-धुँधलाते रिश्तों के बीच कोहरा हमारी वास्तविकता को आईना दिखाता है। चलिए, इसी बहाने हम से हमारा परिचय हो जाता है। चारपाई पर लंबी ताने रजाई ओढ़कर सोने का सुख किसी स्वर्ग से कम नहीं है। कहते हैं सर्दियों में रंग-रंग के सपने आते हैं। लड़का है तो राजकुमारी और लड़की है तो उसके सपनों का राजकुमार उसे झट मिलने आ जाता है। सर्दियों में हर कोई एक-दूसरे को धोखा देने की ताक में खड़ा रहता है। हमारे पंचतत्व जैसे हवा अपनी गति भूलकर ठोस बन जाती है, आसमान के नाम पर चारों ओर एक घना परदा छाया रहता है। आग भी अपने स्वभाव को बचाने के लिए कोहरे से जद्दोजहद करती है। पानी का हाल तो पूछिए ही मत। वह अपने हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच सारे रासायनिक समीकरण भूलकर दल-बदलू राजनेताओं के समान मौसम के साथ समझौता कर उसी की तूती बोलने लगता है। जहाँ तक धरती की बात है तो भाई शुक्र मनाइए कि वह हमें रहने-ठहरने की जगह भर दे देती है, वरना रंग बदलने वाले गिरगिट जैसे इंसानों को यह सब भी कहाँ नसीब होता है।अब तक आप समझ रहे हैं होंगे कि मैं कहाँ का सर्द पुराण खोल बैठा। सच तो यह है कि देश की सारी सच्चाई इसी सर्दी में छिपी हुई है। यह मौसम न केवल वर्षा और गर्मी का मिलन करवाता है बल्कि झूठ और सच के बीच में छिपे मिथ्या का भी पर्दाफाश करता है। वर्षा की बाढ़ और गर्मी के अकाल से बेहाल लोगों को 'अच्छे दिन' की आस संजोए रजाइयों में सोने का अवसर देता है। लेकिन इसी सर्द मौसम में छिपी हैं कई ऐसी बातें, जो हमें झकझोर कर रख देती हैं।

यह बात है उस बूढ़े बाबा की जो देश के हर कोने में नकारों की तरह दिखाई पड़ जाते हैं। यह वह बूढ़ा बाबा है जो अपने परिवार के द्वारा ठुकराया गया है। भीख माँगने के लिए उसे तमाशाई दुनिया में ठेल दिया गया है। जब तक गर्मी-बरसात थी तो जैसे-तैसे उसने खुद को बचा लिया। लेकिन यह सर्द मौसम उसकी जान पर आ पड़ा है। वह ठिठुरता, कराहता, बिलखता परमपिता ईश्वर से गुहार लगाता है- 'हे खुदा! मुझे इस सर्द मौसम से बचा ले।' वह कहता - भैया मैं एक हाथ से लाचार हूँ। आँखें भी मेरा साथ छोड़ चुकी हैं। बूढ़ी जो हो चुकी हूँ! हर दिन यही फटी पुरानी छतरी डाले इस पीपल के पेड़ के नीचे बैठा रहता हूँ। मैं बसों में खिड़की किनारे बैठे लोगों से संतरा खरीदने के लिए गिड़गिड़ा नहीं सकता। न ही सिग्नल के पास रुकी गाड़ियों के शीशे के आगे दस रुपये के तीन कहकर चिल्ला सकता हूँ। मैं सड़े-गले फल की तरह यहाँ पड़ा रहता हूँ। हाँ यह अलग बात है कि आधार कार्ड में यह पता नहीं है। लेकिन मेरा दिल जानता है कि यही वह जगह है जो मेरे जीवन का आधार है। मेरी जिंदगी ढेर हो चुकी है। जब से मेरा इकलौता लड़का मुझे छोड़कर चला गया है तब से यही हाट मेरा बड़ा लड़का है। वह रह-रहकर साहबों के पैर पड़ता है।

महाकुंभ स्नान के साथ ही करें कल्याणी माता मंदिर के दर्शन

भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन 2025 में हो रहा है। लाखों की संख्या में भक्त महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए पहुंचेंगे। इसके साथ ही प्रयागराज में कई ऐसे मंदिर भी हैं जहां श्रद्धालु दर्शन हेतु जाएंगे। प्रयागराज में स्थिति कई मंदिरों में से एक मंदिर के बारे में आज हम आपको जानकारी देंगे। यह मंदिर बहुत प्राचीन माना जाता है। इस मंदिर में जो देवी विराजमान हैं, उनका जिक्र कई पुराणों में भी मिलता है। आइए जानते हैं इस मंदिर और यहां स्थित देवी माता के बारे में।

प्रयागराज में स्थिति कई मंदिरों में से एक है माता कल्याणी देवी का अति प्राचीन मंदिर। इसे शक्ति पीठों में से एक भी माना जाता है। पद्म पुराण के साथ ही मत्स्य और ब्रह्मवैवर्त पुराण में भी माता कल्याणी देवी का वर्णन मिलता है। धार्मिक मतानुसार, महान महर्षि याज्ञवल्क्य ने इस स्थान पर ध्यान और साधना की थी। साथ ही उनके द्वारा ही मां कल्याणी की 32 अंगुल की प्रतिमा यहां स्थापित की गई थी। परातत्वविदों के अनुसार, यहां स्थित प्रतिमा 7 वीं शताब्दी की है। इस मंदिर का जीर्णोद्धार 1892 में किया गया था।

मां कल्याणी देवी का महत्व

मां कल्याणी देवी को आद्याशक्ति का रूप माना जाता है। कहा जाता है कि, माता हर उस श्रद्धालु की मनोकामना पूरी करती हैं जो भक्ति भाव के साथ माता के दरबार में पहुंचता है। इस मंदिर में साल भर श्रद्धालु आते हैं। साल 2025 में महाकुंभ मेले के दौरान भी यहां बड़ी संख्या में भक्तों का तांता लगेगा। माता का यह मंदिर न केवल धार्मिक बल्कि आध्यात्मिक शक्ति का भी केंद्र माना जाता है। आप इस मंदिर में प्रवेश करने के बाद मानसिक शांति का अनुभव कर सकते हैं।

मंदिर से जुड़ी खास बातें

यह मंदिर अतिप्राचीन माना जाता है। इसका पुनर्निर्माण कई राजाओं और सम्राटों के द्वारा समय-समय पर करवाया गया। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह स्थान न केवल देवी कल्याणी के पूजन के लिए प्रसिद्ध है बल्कि यहां कई साधु-संतों ने ज्ञान की प्राप्ति भी की है। कई तपस्वी इस स्थान पर तपस्या करके सत्य के मार्ग पर अग्रसर हुए हैं।

इस मंदिर की वास्तुकला बेहद खूबसूरत है। प्राचीन शैली की वास्तुकला से बने होने के कारण इस मंदिर की धार्मिक और ऐतिहासिक महत्ता बढ़ जाती है। इस मंदिर में लगी देवी माता की मूर्ति एक शिला से बनी हुई है, जोकि अति मनमोहक है। महाकुंभ और नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में माता कल्याणी देवी मंदिर में भक्त माता के दर्शन करने आते हैं।

राहु 18 साल बाद कुंभ राशि में करेंगे प्रवेश 2025 में चमकाएंगे इन 3 राशियों की किस्मत

मिथुन राशि- राहु के परिवर्तन से मिथुन राशि के जातकों साल 2025 में बेहद शुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे और भाग्य का भी पूरा सहयोग मिलेगा। नौकरी और व्यापार में लाभ के योग बनेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन में भी आपको सुखमय अनुभव हो सकते हैं। राहु की स्थिति आपको एक्टिव बनाएगी। इस राशि के उन लोगों को बेहद लाभ प्राप्त हो सकता है, जो शोध कार्यों में लगे हैं। इस दौरान कार्य में सफलता पाने के लिए आप नई तरकीबें ढूंढने की भी कोशिश करेंगे। जो लोग जासूसी विभाग में हैं, उनको उपलब्धियां इस दौरान प्राप्त हो सकती हैं।

धनु राशि- धनु राशि वालों को राहु के राशि बदलने से आर्थिक लाभ होगा। साल 2025 में आपको कार्य में सफलता प्राप्त होगी, और नई जिम्मेदारियां कार्यक्षेत्र में मिल सकती हैं। इस राशि के जो लोग विदेशों में जाकर जॉब करना चाहते हैं, या पढ़ना चाहते हैं उनका ख्वाब राहु पूरा कर सकता है। पारिवारिक जीवन में भी आपको अच्छे फल प्राप्त होंगे। दांपत्य जीवन में सुखमय समय बितेगा, वहीं कुछ लोग शादी के बंधन में भी बंध सकते हैं। आपकी कई चिंताओं का अंत इस साल हो सकता है। इस राशि के कुछ जातक, अपना मकान साल 2025 में ले सकते हैं। सेहत में भी अच्छी बदलाव आएंगे।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों के लिए साल 2025 में मई के बाद का समय बेहद अनुकूल साबित हो सकता है। धन लाभ के साथ-साथ धार्मिक कार्यों में सहभागिता भी इस साल बढ़ेगी। नौकरी और व्यापार में उन्नति आप प्राप्त कर सकते हैं। स्वास्थ्य में भी अच्छे बदलाव देखने को मिलेंगे। आपकी अटकी हुई योजनाएं इस साल पूरी होंगी। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे परिणाम आपके पक्ष में ही रहने की संभावना है। इस राशि के विद्यार्थियों के लिए भी 2025 सुखद रहने वाले हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आप उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। इस साल के मध्य में खूब यात्राएं हो सकती हैं और इससे आपको लाभ भी होगा।

पूर्व व उत्तर दिशा में लगाएं तुलसी का पौधा

तुलसी का पौधा किस दिशा में लगाएं?

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा लगाने के लिए दिशा का विशेष महत्व होता है। अगर तुलसी का पौधा घर की उत्तर दिशा में लगाया जाए, तो यह सुख-समृद्धि का कारण बनता है। इससे घर के सदस्यों के जीवन में खुशियां आती हैं और मानसिक शांति का अनुभव होता है।

वहीं अगर तुलसी का पौधा पूर्व दिशा में लगाया जाए, तो यह आर्थिक लाभ के द्वार

खोलता है। पूर्व दिशा में तुलसी लगाने से धन की कभी कमी नहीं होती और व्यक्ति के जीवन में तरक्की आती है। इसलिए नए साल के पहले दिन तुलसी का पौधा सही दिशा में लगाकर अपने घर को शुभता से भरें।

तुलसी पूजा के नियम

प्रतिदिन तुलसी के पास देसी घी का दीपक जलाएं और उनकी पूजा करें।

तुलसी माता की आरती करने के बाद उनकी 3, 5 या 7 बार परिक्रमा करें।

तुलसी के पौधे को कभी भी गंदे हाथों से न छुएं क्योंकि यह अपवित्र माना जाता है।

तुलसी की पूजा श्रद्धा और नियम से करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

तुलसी पूजा के दौरान मंत्रों का जाप

तुलसी पूजा के समय इन मंत्रों का जाप करना शुभ माना जाता है:

महाप्रसाद जननी मंत्र:

महाप्रसाद जननी सर्व सौभाग्यवर्धिनी,
आधि व्याधि हरा नित्यं तुलसी त्वं नमोस्तुते..

तुलसी गायत्री मंत्र:

ॐ तुलसीदेव्यै च विद्महे,
विष्णुप्रियायै च धीमहि,
तन्नो वृन्दा प्रचोदयात

नमक के इन उपायों से दूर होगा वास्तु दोष

हर व्यक्ति अपने सपनों का घर बनाकर उसे प्यार और लगन से सजाता है। हर छोटी-बड़ी चीज का ध्यान रखते हुए, लोग यह सुनिश्चित करते हैं कि हर कोना उनकी पसंद के मुताबिक सजा हो। बावजूद इसके कई बार घर में अकारण तनाव, आर्थिक तंगी, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां और आपसी मनमुटाव का माहौल बन जाता है। ऐसा क्यों होता है? इसका एक मुख्य कारण वास्तु दोष भी हो सकता है।

अक्सर लोग अपने घर को अपनी पसंद के अनुसार बनाते और सजाते हैं, लेकिन यदि वह वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन नहीं करते, तो इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। चाहे आप कितनी भी पूजा-पाठ करें, लेकिन अगर घर में वास्तु दोष मौजूद है, तो समस्याएं खत्म नहीं होतीं। कभी बीमारी घर में डेरा डाल लेती है, तो कभी आर्थिक परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं लेतीं।

यदि मेहनत करने के बावजूद भी आपको आर्थिक स्थिरता नहीं मिल रही है, या दांपत्य जीवन में बार-बार विवाद हो रहा है, तो नमक के कुछ साधारण उपाय आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं नमक के कुछ कारगर उपाय जो वास्तु दोष को खत्म कर सकते हैं।

नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए नमक के उपाय

घर की सफाई करते समय पोंछे के पानी में 3 से 4 चुटकी नमक मिला लें। यह उपाय घर की नकारात्मक ऊर्जा को कम करता है और सकारात्मकता का संचार करता है।

स्नान के पानी में नमक और हल्दी डालें

नहाने के पानी में थोड़ा सा नमक और हल्दी मिलाएं। इससे शरीर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और घर की आर्थिक स्थिति में सुधार आता है। इस उपाय को करने से यदि किसी ने टोना-टोटका किया हो, तो उसका असर भी खत्म हो जाता है।

लक्ष्मी वास के लिए नमक का उपाय

घर में पांच अलग-अलग जार में नमक भरकर रखें। हर जार में 5 लौंग डालें। यह उपाय घर में धन और समृद्धि के प्रवाह को बनाए रखता है।

वैवाहिक जीवन में सुख-शांति के लिए उपाय

एक कांच के गिलास में पानी लें और उसमें थोड़ा सा सेंधा नमक घोलें। इसे बेडरूम में रख दें। हर तीन दिन बाद पानी बदलें। इस उपाय को गुरुवार या शनिवार से शुरू करें। यह उपाय पति-पत्नी के बीच के विवाद और तनाव को कम करता है।

नमक के ये सरल उपाय घर में न केवल वास्तु दोष को दूर करते हैं, बल्कि नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर सकारात्मक माहौल बनाते हैं। इन उपायों को नियमित रूप से अपनाने से घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

घर के मध्य भाग में कर लें ये 3 बदलाव नए साल में खुशियों से भर जाएगी आपकी झोली

वास्तु शास्त्र में घर के मध्य भाग को 'ब्रह्मस्थान' कहा जाता है। इस स्थान का वास्तु में बड़ा महत्व है, क्योंकि यहीं से घर के लोगों में ऊर्जा का संचार होता है। यानि यह स्थान घर की ऊर्जा का केंद्र होता है। इसलिए हमेशा इसे स्वच्छ, खुला रखने की सलाह वास्तु शास्त्र में दी जाती है। ब्रह्मस्थान में गलती से भी भारी वस्तुएं या फर्नीचर रखने आपको बचना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से घर का वास्तु बिगड़ता है, ऊर्जा का प्रवाह अव्यवस्थित जाता है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि, घर के ब्रह्म स्थान में आपको क्या रखना चाहिए। अगर आप घर के मध्य भाग में इन चीजों को रख लेते हैं, तो आपको 2025 में सुखद परिणाम मिल सकते हैं और खुशियों से आपकी झोली भर सकती है।

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि, घर का मध्य भाग यानि ब्रह्म स्थान हमेशा साफ सुथरा होना चाहिए। साथ ही इस स्थान को अगर आप खाली रखते हैं तो ऊर्जा का प्रवाह आसानी से घर में हो पाता है। हालांकि, अगर इस स्थान का आप सदुपयोग करना चाहते हैं, तो नीचे दी गई चीजें आप ब्रह्म स्थान में रख सकते हैं।

धूप, दीप, सुगंधित अगरबत्ती

घर के मध्य भाग को ब्रह्म स्थान कहा जाता है। यानि इस स्थान में देवी-देवताओं की शक्ति निवास करती हैं। इसलिए अगर आपके घर में इस स्थान पर भारी चीजें हैं तो उन्हें आपको हटा देना चाहिए। इस स्थान में आप धूप, दीपक और सुगंधित अगरबत्ती रख सकते हैं। इन चीजों को ब्रह्म स्थान में रखने पर कई तरह के अच्छे बदलाव आपके जीवन में आ सकते हैं। ऐसा करना घर के लोगों के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है।

तांबे का कलश

अगर आप घर के ब्रह्म स्थान में तांबे के कलश में पानी भरकर रख देते हैं तो ऊर्जा का प्रवाह घर में आसानी से होता है। तांबा सकारात्मकता का प्रतीक भी है इसलिए इस अन्य किसी धातु की बजाय तांबे का ही इस्तेमाल घर के मध्य स्थान में रखने के लिए आपको करना चाहिए। यह छोटा सा कार्य आपके घर में सुख-समृद्धि ला सकता है। जीवन की कई परेशानियों का अंत वास्तु का ये उपाय कर सकता है। साथ ही जल का प्रतिनिधित्व चंद्रमा करता है, जिससे मानसिक शांति भी आपको प्राप्त होती है।

ब्रह्म स्थान में रखें स्फटिक

वास्तु में स्फटिक को शुभ माना गया है। सफेद रंग का ये बहुमूल्य पत्थर ब्रह्म स्थान पर अगर आप रखते हैं तो जीवन में सुख-समृद्धि आपको प्राप्त हो सकती है। इसे घर के मध्य स्थान पर रखने से वास्तु दोष भी दूर होता है। स्फटिक को माता लक्ष्मी का प्रिय रत्न भी कहा जाता है, इसलिए अगर आप ब्रह्म स्थान में स्फटिक को रखते हैं तो माता लक्ष्मी का आशीर्वाद आप पर बरसता है। घर में धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती और साथ ही परिवार के लोगों के बीच सामंजस्य बना रहता है।

इन बातों का रखें ध्यान

घर के ब्रह्म स्थान में कभी भी फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान और गंदगी न रखें। यह स्थान जितना साफ सुथरा होगा उतना ही आपके घर में ऊर्जा बनी रहेगी। इस स्थान में जितना प्रकाश रहेगा, उतनी ही आपकी किस्मत भी चमकेगी।

कौन सा अखाड़ा महाकुंभ में सबसे पहले डुबकी लगाएगा

स्नान के दौरान कौन करेगा सबसे पहले संगम में प्रवेश ?

महाकुंभ के दौरान सबसे पहले डुबकी नागा साधुओं के द्वारा लगाई जाती है। भारत में नागा साधुओं के कुल 13 अखाड़े हैं और अंग्रेजों के समय से ही यह तय किया गया है कि, कब कौन सा अखाड़ा महाकुंभ में सबसे पहले डुबकी लगाए। यही क्रम आज तक भी चला आ रहा है। नागा साधुओं के शाही स्नान करने के बाद ही आम लोग पवित्र नदियों में डुबकी लगा सकते हैं। नागा साधुओं को धर्म का रक्षक कहा जाता है, और इसीलिए उन्हें विशेष सम्मान देने के लिए सबसे पहले शाही स्नान की अनुमति है। ऐसे में सवाल उठता है कि, प्रयागराज में 2025 के महाकुंभ के दौरान कौन सा अखाड़ा सबसे पहले शाही स्नान करेगा, और स्नान के दौरान कौन सबसे पहले पवित्र नदी में प्रवेश करेगा? कौन करेगा शाही स्नान, कैसे होता है तय?

महाकुंभ के दौरान कौन सा अखाड़ा सबसे पहले शाही स्नान करेगा इसका निर्णय वर्षों पहले हो चुका है। अखाड़ों के बीच कोई टकराव न हो इसलिए, यह व्यवस्था अंग्रेजों के काल में स्थापित की गई थी। इस परंपरा के अनुसार, प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ और कुंभ के दौरान सबसे पहले पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े को शाही स्नान की अनुमति है। वहीं हरिद्वार में कुंभ लगने पर निरंजनी अखाड़ा सबसे पहले शाही स्नान करता है। उज्जैन और नासिक में जब भी कुंभ मेला लगता है तो जूना अखाड़े को सबसे पहले शाही स्नान करने की अनुमति है। ऐसे में साल 2025 में होने वाले महाकुंभ के दौरान सबसे पहले पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े को सबसे पहले शाही स्नान की अनुमति होनी चाहिए। हालांकि, कुछ मतभेदों की वजह से इस बार शाही स्नान को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पायी है।

सबसे पहले कौन करता है शाही स्नान

महाकुंभ में जो भी अखाड़ा सबसे पहले डुबकी लगाता है, उस अखाड़े के महंत या सर्वोच्च पदासीन संत सबसे पहले पानी में उतरते हैं और अपने अखाड़े के इष्ट देव को सबसे पहले स्नान करवाते है। इसके बाद खुद स्नान करते हैं, फिर अखाड़े के अन्य साधु-संन्यासी भी पवित्र नदी में स्नान करते हैं। इसके बाद बारी-बारी से सभी 13 अखाड़ों के नागा साधु स्नान करते हैं। नागा साधुओं के स्नान करने के बाद ही अन्य लोगों को डुबकी लगाने की इजाजत दी जाती है।

महाकुंभ में स्नान का फल

महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। साथ ही आध्यात्मिक और मानसिक विकास भी महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद होता है। माना जाता है कि, जो व्यक्ति श्रद्धा के साथ महाकुंभ में स्नान करता है, उसकी कई मनोकामनाओं को ईश्वर पूरा कर देते हैं।

महाकुंभ के दौरान ग्रह नक्षत्रों की स्थिति ऐसी होती है कि, नदी का जल अमृत बन जाता है, इसीलिए महाकुंभ में स्नान करने को बेहद शुभ माना गया है।

2025 में चढ़ना चाहते हैं सफलता की सीढ़ियां?

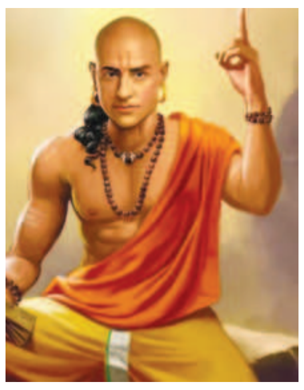

चाणक्य नीति में जीवन को सफलता के मार्ग पर ले जाने वाली कई बातें बताई गई हैं।

पछतावा करने में समय बर्बाद न करें

चाणक्य कहते हैं कि, बीते समय में जो हुआ उसका पछतावा करना आपको पीछे धकेलता है। पछतावा करने की बजाय आपको भविष्य को लेकर योजनाए बनानी चाहिए। जितना समय आप पछतावा करने में लगाते हैं, अगर उतना समय भविष्य को सुधारने में लगाएं तो निश्चित ही सफलता आपके कदम चूमती है।

समान विचारधारा वाले लोगों से करें मित्रता

आचार्य चाणक्य के अनुसार, व्यक्ति को हमेशा उन लोगों से ही मित्रता करनी चाहिए, जिनकी विचारधारा आपके जैसी हो या जो आपकी बराबरी के हों। अगर आप अपनी बराबरी से ऊपर या नीचे के लोगों से मित्रता करते हैं तो हमेशा परेशानियों में फंसते हैं। इसलिए उन लोगों से ही आपको संपर्क रखना चाहिए, जो आपकी बराबरी के हों।

दूसरों की गलतियों से सीख लें

अपने नीति शास्त्र में चाणक्य कहते हैं कि, समझदार वो है जो दूसरों की गलतियों से भी सीख लेता है। चाणक्य के अनुसार ऐसे व्यक्ति को जीवन में सफलता अवश्य मिलती है। वहीं उन लोगों को चाणक्य नासमझ बताते हैं, जो दूसरों की गलतियों से सीख नहीं लेते।

शिक्षा को बनाएं अपना मित्र

चाणक्य के अनुसार, व्यक्ति को सफल जीवन जीने के लिए हमेशा कुछ न कुछ सीखना चाहिए। शिक्षा से अच्छा मित्र और कोई नहीं होता। शिक्षित व्यक्ति को हर जगह सम्मान भी मिलता है और यह शिक्षा आजीवन उसके काम भी आती है। चाणक्य शिक्षा के सामने सुंदरता और बल को भी निरर्थक करार देते हैं। इसलिए नए साल 2025 में ये संकल्प लें कि आप जीवन में कुछ न कुछ नया हर समय पढ़ते या सीखते रहेंगे। यानि नए साल में शिक्षा को अपनी मित्र आपको भी बनाना चाहिए।

'पुष्पराज' के अभिनय के मुरीद हुए आमिर, तारीफ करने से खुद को नहीं रोक पाए

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' तमाम विवादों के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही है। सोशल मीडिया पर कोई फिल्म की और अभिनेता की जमकर तारीफ कर रहा है। अब इस क्रम में अभिनेता आमिर खान भी आ गए हैं। अभिनेता आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस ने अल्लू अर्जुन अभिनीत 'पुष्पा 2: द रूल' की टीम को इसकी सफलता के लिए बधाई दी। हाल ही में एक्स पर आमिर खान प्रोडक्शन ने एक छोटा और प्यारा नोट लिखा। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या लिखा है।

आमिर की टीम ने दी बधाई

आमिर की टीम ने लिखा, पुष्पा 2: द रूल की पूरी टीम को फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता के लिए हमारी ओर से बहुत-बहुत बधाई! आपके निरंतर सफलता की कामना करते हैं। पूरी टीम के ढेर सारा प्यार और फिर से बधाई। आमिर की टीम के इस संदेश के बाद यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' का दीवाना बॉलीवुड भी हो रहा है।

अल्लू अर्जुन ने भी दिया जवाब

आमिर की टीम के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अल्लू अर्जुन ने ट्वीट किया, आपकी शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं । फैंस को सोशल मीडिया पर आमिर और अल्लू अर्जुन की यह केमिस्ट्री काफी पसंद आ रही है। एक यूजर ने लिखा, जब एक अभिनेता दूसरे अभिनेता की सराहना करता है तो सच में काफी अच्छा लगता है। दूसरे यूजर ने लिखा, अल्लू अर्जुन ने कितने सम्मान के साथ आमिर की टीम को रिप्लाई किया है।

बॉक्स ऑफिस पर कायम है फिल्म का दबदबा

बात करें पुष्पा 2 की तो अल्लू अर्जुन ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम किया हुआ है। फिल्म ने सिर्फ 25 दिनों में 1760 करोड़ रुपये की कमाई की है। माइथ्री मूवी मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। अल्लू अर्जुन के शानदार अभिनय के साथ-साथ कलाकारों और क्रू के शानदार प्रयासों की लोगों ने खूब तारीफ की है।

इन सितारों से सजी है फिल्म

इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। अर्जुन के अलावा इसमें रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी हैं। फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स ने किया है और इसका संगीत टी-सीरीज ने दिया है। फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी।

तमन्ना ने अपने दोस्तों के साथ खास अंदाज में मनाया न्यू ईयर, पेरेंट्स संग की वीडियो कॉल

तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने अपने माता-पिता को नए साल की शुभकामनाएं दी. अभिनेत्री ने परिवार से दूर रहने के बावजूद दिल छू लेने वाले पलों को साझा किया. अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मना रही अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने माता-पिता के साथ वर्चुअल सेलिब्रेशन की एक झलक दिखाई. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो कॉल सेशन की एक तस्वीर शेयर की, जिसके कैप्शन में उन्होंने दिल वाली इमोजी के साथ "हैप्पी न्यू ईयर" लिखा. 'बाहुबली' की अभिनेत्री ने कार से एक वीडियो पोस्ट की. वीडियो क्लिप रिकॉर्ड करते समय उनकी मुस्कान फैंस को दीवाना बना रही है.

कुछ दिन पहले ही तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर अपने जन्मदिन की शानदार तस्वीरें शेयर की थीं. एक तस्वीर में अभिनेत्री बॉयफ्रेंड विजय वर्मा और उनके दोस्त एक साथ वीडियो गेम का आनंद लेते नजर आए थे.

भाटिया ने कई सोलो और कैंडिड तस्वीरें भी पोस्ट की. अभिनेत्री ने पोस्ट का कैप्शन दिया, गोवा गेटअवे.

मीडिया में चर्चा है कि विजय और तमन्ना ने नेटफ्लिक्स की एंथोलॉजी लस्ट स्टोरीज़ 2 की शूटिंग के दौरान डेटिंग शुरू की थी. गोवा में एक नए साल की पार्टी में साथ देखे जाने के बाद उनके रिश्ते की अफवाह फैलने लगी थी. हालांकि, बाद में विजय ने स्पष्ट किया कि उन्होंने फिल्म पर काम करते समय डेटिंग शुरू नहीं की थी.

वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया हाल ही में नेटफ्लिक्स थ्रिलर-एक्शन फिल्म "सिकंदर का मुकद्दर" में नजर आईं. इस सीरीज में उन्होंने कामिनी सिंह का किरदार निभाया. यह सीरीज एक हीरे की चोरी पर केंद्रित है.

अभिनेत्री ने फिल्म "स्त्री 2" में भी एक छोटी सी भूमिका निभाई थी, जिसमें उन्होंने विशेष रूप से "आज की रात" गीत में अपने प्रदर्शन से ध्यान आकर्षित किया था.तमन्ना भाटिया जल्द ही अशोक तेजा द्वारा निर्देशित "ओडेला 2" में नजर आएंगी. इस प्रोजेक्ट का निर्माण संपत नंदी ने किया है और इसका निर्माण डी. मधु ने किया है. मार्च में, तमन्ना ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया था, जिसमें वह एक समर्पित शिव भक्त की भूमिका में हैं.

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ फिनलैंड में छुट्टियां मना रही हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच ऐसी खबरें आ रही हैं कि एक्ट्रेस अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ रोमांटिक वेकेशन पर गई हुई हैं। उन्होंने अपने वेकेशन की कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ वेकेशन पर तृप्ति

तृप्ति के साथ इन फोटोज में एक शख्स नजर आ रहा है। जिसको देखकर सोशल मीडिया यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि फोटो में दिख रहा शख्स एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई फोटोज

तृप्ति डिमरी फिनलैंड में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटोज और वीडियोज शेयर करते हुए लिखा- 'आज का दिन मेरी जिंदगी के सबसे हैप्पी चैप्टर में से एक है।'

रेड कलर के आउटफिट में दिखीं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस के वीडियो में एक शख्स लकड़ियों से आग जलाते दिख रहा है। एक्ट्रेस रेड कलर के आउटफिट और कैप पहने बर्फ से खेलते दिखाई दे रही हैं। तृप्ति के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

कौन हैं सैम मर्चेंट ?

तृप्ति और सैम कई बार अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में आए हैं। सैम एक मॉडल हैं, उन्होंने साल 2002 में ग्लैडरैग्स मैनहंट कॉन्टेस्ट का खिताब जीता था। एक मॉडल होने के साथ-साथ सैम बिजनेसमैन भी हैं। सैम गोवा स्थित कैसावार्टर्स और एव्योरे गोवा फर्म्स के मालिक हैं।

साल 2017 में की करियर की शुरुआत

वहीं बात करें तृप्ति के वर्क फ्रंट की तो उन्होंने साल 2017 में कॉमेडी फिल्म पोस्टर बॉयज से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। वो आखिरी बार भूल भुलैया 3 में दिखाई दी थीं। यह फिल्म 1 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वहीं, साल 2023 में एक्ट्रेस फिल्म एनीमल में नजर आई थीं।

फिल्म एनिमल में तृप्ति ने बहुत ही छोटा रोल निभाया था। इसके बावजूद उन्हें इस फिल्म से काफी पॉपुलैरिटी मिली थी। एनिमल में एक्ट्रेस और रणबीर के बीच कुछ इंटीमेट सीन्स भी दिखाए गए थे।

बेटी आलिया के लिए एक्टिंग में काम ढूंढते थे अनुराग कश्यप, बोले- शादी के बाद मुझे मिली शांति

अनुराग कश्यप की बेटी ने इस साल शेन ग्रेगोइरे से शादी की है। अनुराग कश्यप ने बताया कि शादी का खर्च उनकी छोटी फिल्मों के बजट के बराबर था। हाल ही में आदित्य ने अपनी बेटी की शादी को लेकर बात की है।

इंटरव्यू में बोले अनुराग कश्यप

हाल ही में अनुराग कश्यप ने कहा, वे शादी का खर्च उठाने के लिए एक्टिंग का काम ढूंढ रहे थे। इस तरह के भव्य समारोह का खर्च उठाना आसान नहीं था। उन्होंने यह भी साझा किया कि अब जब शादी हो गई है तो वह शांत महसूस करते हैं।

मुंबई छोड़ने का सोच रहे हैं अनुराग

देव डी के निर्देशक ने 2025 में मुंबई छोड़कर दक्षिण में बसने की अपनी योजना का खुलासा किया। उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग के प्रति अपना असंतोष व्यक्त किया।

बेटी की शादी के बाद मिली शांति

हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया की रिपोर्ट की मानें तो अनुराग कश्यप ने साल 2025 के अपने प्लैन साझा किए हैं। फिल्म निर्माता ने खुलासा किया कि वह निर्देशन से ब्रेक लेने का इरादा रखते हैं, इसके बजाय आराम और फिल्मों के जरिए आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि अब उनकी बेटी की शादी हो चुकी है। वे अब शांत महसूस करते हैं।

साझा की शादी की तस्वीरें

अनुराग कश्यप ने अपनी बेटी की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं। उन्होंने लिखा- ये भी गई...मेरी पगली का ध्यान रखना। ये बहुत खूबसूरती से हुआ। आप सभी का आने के लिए धन्यवाद। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुराग कश्यप ने आखिरी फिल्म 'महाराज' में विजय सेतुपति के साथ नजर आए थे।

साल के पहले दिन बप्पा के दर्शन करने सिद्धिविनायक पहुंचे कार्तिक, रफ एंड टफ लुक में दिखे अभिनेता

पूरा देश अपने-अपने अंदाज में नए साल के जश्न में डूबा हुआ है। वहीं दूसरी ओर कार्तिक आर्यन ने साल 2025 के पहले दिन सिद्धिविनायक मंदिर जाकर भगवान से आशीर्वाद मांगा। अपने हालिया कार्यक्रम में उनकी दाढ़ी ने सभी का ध्यान खींचा। सोशल मीडिया पर अभिनेता के फैंस उनका यह लुक काफी पसंद कर रहे हैं।

सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे कार्तिक आर्यन

1 जनवरी यानी न्यू ईयर के दिन कार्तिक आर्यन को भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में जाते हुए देखा गया। पैप्स के शेयर किए गए एक वीडियो में, अभिनेता को हाथ जोड़कर मंदिर परिसर में एंट्री करते हुए देखा गया। पूजा-अर्चना करने और मंदिर से बाहर आने के बाद, कार्तिक को गले में लाल और पीले रंग का दुपट्टा पहने देखा गया। अभिनेता ने अपने माथे पर तिलक भी लगाया था।

हाल ही में खरीदी दो प्रॉपर्टी

कार्तिक आर्यन के लिए यह साल 2024 दो फिल्मों, चंदू चैंपियन और भूल भुलैया 3 के साथ काफी महत्वपूर्ण रहा। एक तरफ जहां बायोपिक में उनके दमदार अभिनय की प्रशंसकों ने सराहना की, वहीं हॉरर-कॉमेडी को भी मनोरंजन की खुराक के लिए सराहा गया। बात करें प्रोफेशनल लाइफ की तो मिड-डे की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया कि अभिनेता ने पिछले हफ्ते अंधेरी में दो प्रॉपर्टी खरीदी है।

करण जौहर के साथ करेंगे सहयोग

कार्तिक ने हाल ही में करण जौहर के साथ 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' फिल्म की घोषणा की। इस फिल्म का निर्देशन सत्यप्रेम की कथा फेम समीर विद्वांस करेंगे। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और नमः पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत की गई है और करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंत्री केडिया और किशोर अरोड़ा इसका निर्माण करेंगे। यह 2026 में सिनेमाघरों में आएगी। इसके अलावा, कार्तिक के पास करण जौहर की एक और फिल्म भी है जो 15 अगस्त 2025 को रिलीज होने वाली है।

'स्कूल में सिर्फ मम्मी आती थीं, पापा बिजी रहते थे' बेटी टीना को आज भी है गोविंदा से इस बात की शिकायत

हाल ही में, एक साक्षात्कार में टीना ने कहा, जब मैं बड़ी हो रही थी, तब मेरे पिता आधे समय शूटिंग में बिजी रहते थे और वे मुश्किल से ही मेरे स्कूल आते थे। केवल मां ही आती थीं। 90 के दशक के सुपरस्टार गोविंदा अपनी फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर छाए रहते हैं। इंडस्ट्री में हीरो नं 1 बनने के लिए अभिनेता को काफी जद्दोजहद भी करनी पड़ी थी। इसलिए उन्होंने फिल्मों को ही अपना ज्यादा समय दिया था। ऐसे में अब हाल ही में, गोविंदा की बेटी ने खुलासा किया है कि जब वह बड़ी हो रही थीं तो ज्यादातर उनके पिता घर पर नहीं रहते थे और जब वह इसके लिए अपने पिता से नाराज होती थीं तो वह टीना को गिफ्ट देते थे।

टीना को है पिता से थी यह शिकायत

हाल ही में, एक साक्षात्कार में टीना ने कहा, जब मैं बड़ी हो रही थी, तब मेरे पिता आधे समय शूटिंग में बिजी रहते थे और वे मुश्किल से ही मेरे स्कूल आते थे। केवल मां ही आती थीं। वे केवल एक या दो बार मेरे एनुअल फंक्शन में आए, जब मैं परफॉर्म कर रही थी। मेरे पिता ने हमेशा मुझे लाड़-प्यार किया है। उनके लिए, उन्हें लगता है कि गिफ्ट्स देना ही एकमात्र तरीका है, जिससे मैं अपनी बेटी का दिल जीत सकता हूं, लेकिन ऐसा नहीं है।

मां को लेकर कही यह बात

टीना ने आगे कहा, वह अभी भी काफी सख्त हैं, जबकि उनकी मां सुनीता हमेशा खुश रहती हैं। मां को लेकर टीना ने कहा वह अभी भी बहुत खास हैं। उनकी नजरें इधर-उधर होती हैं, उनकी नजरें और लोग हर जगह होते हैं। वह ऐसी नहीं थीं।

बेटी के वजन को लेकर चिंतित थे गोविंदा

इससे पहले एक इंटरव्यू में टीना ने बताया कि अभिनेता बचपन से ही उनके फिगर और वजन बढ़ने को लेकर खासे सजग थे। इसलिए, जब भी उन्हें उनका पेट बढ़ता हुआ दिखाई देता, तो वे इस बारे में बताते थे। उन्होंने याद करते हुए कहा, जब मैं छोटी थी, तब मेरे पिता मेरे फिगर और वजन को लेकर बहुत सजग रहते थे। वह मुझसे कहा करते थे, 'अपना वजन कम करो, तुम्हारा पेट बढ़ रहा है।'

केजीएफ स्टार यश की फैंस से अपील : भीड़ लगाकर बर्थडे न मनाने की विनती कर कहा- आपकी सुरक्षा बड़ा तोहफा

8 जनवरी 2024 को केजीएफ स्टार यश ने अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। इस दौरान उनके कई फैंस ने बढ़-चढ़कर सेलिब्रेशन किया, जिस दौरान 3 फैंस की मौत हो गई। इस ट्रैजेडी के बाद अब अपने आने वाले जन्मदिन से पहले एक्टर ने सभी फैंस से ग्रैंड सेलिब्रेशन न करने की विनती की है। एक्टर का कहना है कि उनके लिए अपने फैंस की सुरक्षा ही सबसे बड़ा तोहफा है।

अपने 39वें जन्मदिन से चंद दिनों पहले ही यस ने एक पोस्ट शेयर कर फैंस से खास वितनी की है। उन्होंने लिखा है, नए साल की शुरुआत के साथ ही ये चिंतन, संकल्प और नई राह बनाने का भी समय है। पिछले कुछ सालों में आप सभी ने मुझे जो प्यार दिया है वो अभूतपूर्व से कम नहीं है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण कुछ घटनाएं भी हुई हैं। अब समय आ गया है जब हम अपने प्यार की भाषा को बदलें। खासकर जब मेरे बर्थडे की बात आती है।

आगे उन्होंने लिखा, आपके प्यार का एक्सप्रेशन मेरे लिए कुछ बड़ा करना या भीड़ लगाना नहीं होना चाहिए। मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा ये जानना है कि आप सब सुरक्षित हैं, पॉजिटिव सोच रहे हैं, अपने लक्ष्य हासिल कर रहे हैं, खुशी बांट रहे हैं।

बर्थडे के दिन शूटिंग में व्यस्त रहेंगे यश

यश ने अपनी पोस्ट में आगे बताया है, मैं अपने जन्मदिन पर शूटिंग करता रहूंगा और शहर में नहीं रहूंगा। हालांकि आपकी बधाइयों की गर्मी मुझ तक जरूर पहुंचेगी।

बीते साल कटआउट लगाते हुए करंट लगने से 3 फैन की मौत हुई

यश का पिछला बर्थडे ट्रेजेडी से भरा रहा। हर बार की तरह इस बार भी उनके बर्थडे पर शहर भर में उनके बड़े-बड़े कटआउट लगाए गए थे और कई फैंस इकट्ठा हुए थे। एक कटआउट लगाते हुए उनके 3 फैंस को बिजली का झटका लगा और करंट से 3 लोगों की मौत हो गई। ये घटना गदांग जिले के सुरनागी गांव की थी। मरने वालों में गांव में ही रहने वाले मुरली नदाविनमणि,

हनमंता हरिजन और नवीन गाजी शामिल थे।

हालांकि पिछले जन्मदिन से पहले भी यश ने अपने फैंस से यही कहा था कि वो शूटिंग में व्यस्त होने के चलते फैंस से नहीं मिलेंगे। वो टॉक्सिक की शूटिंग में व्यस्त थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो यश जल्द ही टॉक्सिक और नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही रामायण में नजर आने वाले हैं। रामायण में यश लंकेश रावण की भूमिका निभाएंगे, जबकि फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्री राम और साई पल्लवी माता सीता के रोल में हैं।

वार्षिक राशिफल 2025

ज्योतिषी पं महेशचंद्र शर्मा

आर्थिक जीवन

मेष 2025 राशिफल। इस वर्ष आपके ऊपर खर्चों की अधिकता बनी रह सकती है क्योंकि वर्ष की शुरुआत में तो राहु द्वादश भाव में होंगे और 29 मार्च से शनि महाराज आपके द्वादश भाव में आकर पूरे वर्ष पर्यंत आपके खर्च बनाए रखेंगे लेकिन अच्छी बात यह होगी कि 18 मई के बाद जब राहु महाराज आपके एकादश भाव में आएंगे तो आपकी आमदनी में वृद्धि होने के योग बनेंगे। वर्ष की शुरुआत में कोई अचल संपत्ति खरीदने में आपको कामयाबी मिल सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं तो नौकरी में आपकी तनख्वाह में वृद्धि हो सकती है और व्यापार करने वाले जातकों को भी अच्छा धन लाभ हो सकता है। यदि आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो इस वर्ष आपको अच्छा लाभ मिल सकता है लेकिन वह आपको दीर्घकालीन अवधि के लिए करना ही लाभदायक रहेगा। वर्ष की शुरुआत में देवगुरु बृहस्पति के दूसरे भाव में रहने से आप अपने धन को संचित करने में भी सफल रहेंगे और बचत योजनाओं में धन लाभ प्राप्त कर पाएंगे।

स्वास्थ्य

यदि मेष राशि के जातकों के स्वास्थ्य की बात की जाए तो मेष 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत में स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति थोड़ी सावधानी रखनी होगी क्योंकि राशि स्वामी मंगल चतुर्थ भाव में नीच राशि के होकर वक्री अवस्था में होंगे। इसके अतिरिक्त आपकी राशि पर शनि देव की दृष्टि होगी और द्वादश भाव में राहु महाराज विराजमान होंगे जो स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकते हैं लेकिन वर्ष का उत्तरार्ध अनुकूल रहेगा। एकादश भाव में राहु के आ जाने से स्वास्थ्य समस्याओं में कमी आएगी लेकिन शनि महाराज मार्च के अंत से आपके द्वादश भाव में जा चुके होंगे इसलिए आपको आंखों, पैरों और नींद से संबंधित समस्याओं के प्रति सावधान रहना होगा क्योंकि आप यदि समस्याओं को नजरअंदाज करेंगे तो परेशानी में आ सकते हैं। अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने पर ध्यान दें। इस वर्ष पैर में चोट या मोच की स्थिति भी मार्च के बाद बन सकती है इसलिए सावधानी रखें।

करियर

मेष 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत से मार्च के अंत तक दशम भाव के स्वामी शनि महाराज एकादश भाव में अपनी ही राशि में मजबूत अवस्था में रहेंगे जो आपके करियर के लिए अनुकूल स्थिति को जन्म देगा। इससे आपको नौकरी में न केवल पदोन्नति और तनख्वाह वृद्धि का योग मिलेगा बल्कि आपके व्यापार में भी उत्तम सफलता प्राप्त होने की स्थितियों का निर्माण होगा। मई के बाद से राहु महाराज भी एकादश भाव में आ जाएंगे जो आपके करियर को पुष्ट करेंगे और आपको करियर संबंधित चिंताओं से मुक्त करेंगे। मई के महीने से ही देवगुरु बृहस्पति भी तीसरे भाव में आकर व्यापार संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम कर देंगे और आपका मनोबल बढ़ाएंगे। नवंबर से दिसंबर के बीच व्यापार में विशेष सफलता प्राप्ति के योग बन रहे हैं। नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो आपको काम के सिलसिले में अधिक भाग दौड़ का सामना करना पड़ेगा और यात्रा भी अधिक करनी पड़ेगी। इस वर्ष आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा करने का मौका भी मिल सकता है और आप वर्ष के अधिकांश समय विदेश में गुजार सकते हैं इसलिए अपने काम को और बेहतर बनाने की कोशिश करते रहें।

शिक्षा

मेष 2025 राशिफल के अनुसार यदि विद्यार्थी वर्ग की बात की जाए तो इस वर्ष आपको अपने मित्रों का विशेष सहयोग प्राप्त होगा जिनके साथ मिलकर आप अपनी शिक्षा में उत्तम परिणाम की प्राप्ति कर सकते हैं। यदि आप किसी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो इस वर्ष का उत्तरार्ध आपके लिए अधिक अनुकूल रहेगा। पूर्वार्द्ध में केतु के छठे भाव में होने से कार्यों में व्यवधान आ सकता है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष उत्तम सफलता के योग बना रहा है। आप पढ़ाई के लिए विदेश जाने में भी कामयाबी अर्जित कर सकते हैं। मई के बाद से सामान्य विद्यार्थियों को शिक्षा में अवरोधों और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस स्थिति से बचने के लिए आपको अपनी एकाग्रता को बढ़ाने पर ध्यान देना होगा और किसी अच्छे गुरु या शिक्षक का सानिध्य प्राप्त करने का प्रयास करना होगा जिससे कि आप अपनी शिक्षा में मनोनुकूल परिणाम प्राप्त कर पाएंगे।

पारिवारिक जीवन

मेष 2025 राशिफल के अनुसार मेष राशि में जन्मे जातकों के लिए वर्ष की शुरुआत पारिवारिक जीवन हेतु कठिन रहेगी। परिवार में अशांति और समस्याओं का बोलबाला रहेगा लेकिन दूसरे भाव में देवगुरु बृहस्पति की कृपा से कुटुंबी जनों के बीच परस्पर सामंजस्य बना रहेगा और आपसी प्रेम बढ़ेगा। देवगुरु बृहस्पति के मई के महीने में आपके तीसरे भाव में आने से भाई बहनों का आपके प्रति रूझान बढ़ेगा, उनसे प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आपके संबंध मधुर बनेंगे। वे हर कार्य में आपका सहयोग करेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके परिवारजनों से अप्रत्याशित दूरी का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि आप काम के सिलसिले में बहुत ज्यादा व्यस्त हो जाएंगे और परिवार को समय कम दे पाएंगे। ऐसी स्थिति में उनसे निरंतर बातचीत करते रहें ताकि आपके बीच दूरी ना आए और मानसिक तनाव न बढ़े। इस वर्ष की शुरुआत में माता जी को स्वास्थ्य समस्याएं परेशान कर सकती हैं, हालांकि उसके बाद धीरे-धीरे समस्याओं में कमी आएगी और वह स्वस्थ हो जाएंगी।

वैवाहिक जीवन

मेष 2025 राशिफल के अनुसार यदि आपके वैवाहिक जीवन की बात की जाए तो आपको मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। वर्ष की शुरुआत ज्यादा अनुकूल नहीं रहेगी लेकिन 15 मई के बाद से देवगुरु बृहस्पति तीसरे भाव में आकर आपके सप्तम भाव पर दृष्टि डालेंगे जिससे वैवाहिक संबंध मधुर बनेंगे। जीवनसाथी से आपकी निकटता बढ़ेगी। आपकी समस्याओं में कमी आएगी और आप अपने जीवनसाथी के साथ परिवार को आगे बढ़ाने के बारे में विचार करेंगे। मार्च के बाद से शनि महाराज के द्वादश भाव में जाने से आप और आपके जीवनसाथी के मध्य संबंध बीच-बीच में बिगड़ भी सकते हैं लेकिन समझदारी दिखाते हुए आपको इन समस्याओं से बाहर निकलने का निरंतर प्रयास करना होगा, तभी आपका वैवाहिक जीवन मधुर बना रह पाएगा।

उपाय

मंगल ग्रह का प्रभाव आपके लिए महत्वपूर्ण है। इसको अनुकूल बनाने के लिए उत्तम गुणवत्ता का मूंगा रत्न तांबे की मुद्रिका में जड़वा कर अपनी अनामिका अंगुली में मंगलवार के दिन धारण करें।

प्रतिदिन पक्षियों को दाना डालें। आपको बुधवार के दिन संध्याकाल में एक कटोरी में काले तिल किसी मंदिर में रखकर आने चाहिए।

बृहस्पतिवार के दिन पीपल के वृक्ष को जल चढ़ाएं लेकिन वृक्ष का स्पर्श न करें।

आर्थिक जीवन

वृषभ 2025 राशिफल की भविष्यवाणी के अनुसार वर्ष 2025 आपके लिए अनुकूल परिणाम लेकर आ सकता है। वर्ष की शुरुआत में देवगुरु बृहस्पति आपकी ही राशि में विराजमान होंगे और तीसरे भाव में मंगल तथा एकादश भाव में राहु महाराज विराजमान होकर आपकी आर्थिक स्थिति को सुधार बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उसके बाद मार्च के अंत में शनि महाराज एकादश भाव में आ जाएंगे और मई के महीने में देवगुरु बृहस्पति भी दूसरे भाव में आ जाएंगे। यह आपकी आर्थिक चुनौतियों को खत्म करने का समय होगा। इस दौरान आपको अच्छी सफलता प्राप्त होगी और आपके सभी काम बनने लगेंगे। आर्थिक चुनौतियां कम होंगी और धन लाभ होगा। आपको धन संचित करने में भी सफलता मिलेगी और परिवार के लोगों से भी धन लाभ होने के योग बन सकते हैं। कार्य व्यवसाय से भी विशेष लाभ हो सकता है। आपको अपने बॉस का वरद हस्त मिल सकता है जिससे आपको नौकरी में तनख्वाह वृद्धि की खुशखबरी भी मिल सकती है।

स्वास्थ्य

वृषभ 2025 के अनुसार यह वर्ष स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अनुकूल रहने की अधिक संभावना दिखती है। वर्ष की शुरुआत में अष्टम भाव में सूर्य महाराज आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कुछ कमजोर बनाएंगे जिस पर आपको ध्यान देना होगा। इसके साथ ही इस वर्ष बृहस्पति महाराज के द्वितीय भाव में रहने से आपको अपने खान-पान और भोजन का विशेष ध्यान रखना होगा, अन्यथा, आप वसायुक्त भोजन के प्रभाव से मोटापे का शिकार हो सकते हैं। वैसे शनि महाराज एकादश भाव में वर्ष के उत्तरार्ध में रहेंगे जिससे आपको स्वास्थ्य समस्याओं में कोई बड़ी परेशानी उठाने से बचाव प्राप्त होता रहेगा। दिसंबर के महीने में आपको विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता होगी क्योंकि इस दौरान स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। इस वर्ष आपके अंदर कुछ आलस बढ़ सकता है जो धीरे-धीरे आपको थकान और शारीरिक कमजोरी दे सकता है, इससे जितना संभव हो सके, बचने की कोशिश करें।

करियर

वृषभ 2025 राशिफल के अनुसार आपके करियर की बात करें तो वर्ष की शुरुआत में शनि महाराज आपके दशम भाव में विराजमान होंगे और आपकी राशि में देवगुरु बृहस्पति स्थित होंगे। इससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता बढ़िया होगी और आप अपने कार्यक्षेत्र में मजबूती से कदम बढ़ाते हुए सफलता प्राप्त करेंगे। व्यापार में भी अच्छी उन्नति मिलेगी और नौकरी के क्षेत्र में भी आपके काम का दबदबा बना रहेगा। इसके बाद शनि महाराज मार्च के अंत में आपके एकादश भाव में जाएंगे जिससे आपके वरिष्ठ अधिकारियों से आपकी निकटता बढ़ेगी। उनके मार्गदर्शन से आप अपने करियर में अच्छी सफलता प्राप्त कर पाएंगे। आपको पदोन्नति भी मिलेगी और तनख्वाह में वृद्धि के योग भी अच्छे बनेंगे लेकिन राहु के मई के महीने में आपके दशम भाव में आ जाने से आपको कार्यक्षेत्र पर थोड़ी सावधानी रखनी होगी। किसी प्रकार की जल्दबाजी या शॉर्टकट से बचना चाहिए और किसी भी प्रकार के षड्यंत्र का हिस्सा बनने से आपको बचना होगा, नहीं तो समस्याएं हो सकती हैं।

शिक्षा

वृषभ राशि के विद्यार्थी वर्ग की बात करें तो वृषभ 2025 राशिफल यह संकेत दे रहा है कि विद्यार्थियों को वर्ष की शुरुआत में कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि केतु महाराज आपके पंचम भाव में विराजमान होंगे, हालांकि अच्छी बात यह है कि देवगुरु बृहस्पति भी प्रथम भाव में होंगे जो आपको अच्छे गुरु का मार्गदर्शन प्रदान करेंगे और उनके सानिध्य में और उनके मार्गदर्शन में आप अपनी शिक्षा को अनवरत जारी रख पाएंगे। हालांकि वर्ष के उत्तरार्ध में जब केतु चतुर्थ भाव में आ जाएंगे, तब इन समस्याओं में और कमी आएगी और आप अपनी शिक्षा पर अधिक ध्यान दे पाएंगे। शनि महाराज की दृष्टि पंचम भाव पर होने से शिक्षा में बीच-बीच में कुछ रुकावट या व्यवधान तो आएंगे लेकिन आप अपनी शिक्षा में अच्छी सफलता प्राप्त कर पाएंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति का आपका सपना पूरा होगा और आपके मनपसंद विषयों को पढ़ने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सफलता दायक साबित हो सकता है ।

पारिवारिक जीवन

वृषभ 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष 2025 पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा रहने की संभावना है लेकिन वर्ष की शुरुआत कुछ कठिन होगी। चतुर्थ स्थान के स्वामी सूर्य महाराज अष्टम भाव में होंगे जिससे माताजी और पिताजी को स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं परेशान कर सकती हैं। उसके बाद मंगल भी चतुर्थ भाव में आकर पारिवारिक समस्याएं बढ़ा सकते हैं लेकिन वर्ष का उत्तरार्ध आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा लेकिन मई के मध्य से केतु महाराज के चतुर्थ भाव में आ जाने से परिवार के लोगों से सामंजस्य बिठा पाना आपके लिए कुछ कठिन होगा जिससे पारिवारिक जीवन में कुछ असंतुलन आ सकता है। आपको पारिवारिक अशांति को दूर करने के लिए स्वयं ही प्रयास करने होंगे। भाई बहनों से आपके मधुर संबंध बने रहेंगे जिनका आपको समय-समय पर लाभ भी होगा और उनसे आपका मित्रवत व्यवहार आपको संतुष्टि देगा। इस वर्ष परिवार में किसी नए मेहमान के आने के योग भी बन रहे हैं। किसी संतान का जन्म होने अथवा किसी विवाह योग्य सदस्य का विवाह होने के सुंदर संयोग बनेंगे।

वैवाहिक जीवन

वृषभ 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत वैवाहिक जीवन के लिए अनुकूल रहेगी। बुध सप्तम भाव में रहेंगे और बृहस्पति महाराज प्रथम भाव से सप्तम भाव पर पूर्ण दृष्टि डालेंगे जिससे वैवाहिक संबंध मधुर बने रहेंगे। आप और आपके जीवनसाथी के मध्य आपसी सामंजस्य बढ़िया होगा।

एक दूसरे को पर्याप्त समय देंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन भली प्रकार करेंगे। साथ ही एक दूसरे के काम में भी एक दूसरे की सहायता करेंगे। इससे आपके बीच की दूरियां समाप्त होने लगेंगी और लंबे समय से चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। आपका रिश्ता अच्छा रहेगा। सितंबर से अक्टूबर के मध्य मंगल महाराज के छठे भाव में जाने से वैवाहिक संबंधों में तनाव बढ़ सकता है। इसी दौरान विशेष सावधानी बरतें, उसके बाद की स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी और वैवाहिक जीवन प्रेम पूर्वक बना रहेगा।

इस वर्ष आप अपने जीवन साथी के साथ खूबसूरत स्थानों की यात्रा करेंगे तथा तीर्थ यात्रा पर भी जाएंगे जिससे आप प्रेम का अनुभव भी कर पाएंगे। संतान प्राप्ति की इच्छा रखते हैं तो इस वर्ष आपकी यह मुराद पूरी हो सकती है।

उपाय

शुक्रवार के दिन आपको माता महालक्ष्मी को लाल गुड़हल पुष्प अर्पित करना चाहिए और माँ महालक्ष्मी जी के किसी मंत्र का जाप करना चाहिए।

आपको एक उत्तम गुणवत्ता का हीरा अथवा ओपल रत्न चांदी की मुद्रिका में जड़वा कर अपनी अनामिका अंगुली में धारण करना चाहिए।

आर्थिक जीवन

यदि आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो मिथुन 2025 राशिफल यह भविष्यवाणी करता है कि यह वर्ष आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आने वाला है। वर्ष की शुरुआत में गुरुदेव बृहस्पति महाराज आपकी राशि से द्वादश भाव में विराजमान रहकर आपके खर्च को बढ़ाएंगे। भले ही अच्छे और धार्मिक कार्यों पर हों लेकिन खर्च होंगे। मंगल महाराज दूसरे भाव में स्थित होकर आमदनी में वृद्धि करेंगे और शनि महाराज नवम भाव से एकादश भाव पर दृष्टि डालेंगे जिससे आपकी आमदनी के साधनों में बढ़ोतरी करेंगे लेकिन मार्च के महीने में शनि महाराज दशम भाव में आकर द्वादश भाव को देखेंगे जिससे आपके खर्चों में कुछ कमी आएगी और बृहस्पति महाराज मई के महीने में ही आपके प्रथम भाव में आ जाएंगे। यह समय आर्थिक स्थिति को मजबूत करने वाला होगा और धीरे-धीरे वर्ष 2025 आपको आर्थिक लाभ प्रदान करेगा। राहु के नवम भाव में में में आ जाने से लंबी यात्राओं के योग बनेंगे जिन पर खर्च होगा, पर इनसे आपको सुख की प्राप्ति भी होगी और आप खुश रहेंगे।

स्वास्थ्य

मिथुन 2025 राशिफल के अनुसार यह वर्ष आपके स्वास्थ्य के लिए वर्ष की शुरुआत में कुछ कमजोर रहेगा क्योंकि राशि स्वामी बुध के छठे भाव में होने से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। उसके बाद सप्तम और अष्टम भाव में भी बुध का गोचर स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से कमजोर रहेगा। ऊपर से दूसरे भाव में मंगल महाराज और द्वादश भाव में बृहस्पति महाराज के होने से स्वास्थ्य समस्याएं आपको अपनी पकड़ में ले सकती हैं इसलिए थोड़ी सावधानी अवश्य रखें। हालांकि अच्छी बात यह है कि शनि महाराज मार्च के अंत में दशम भाव में आ जाएंगे और बृहस्पति महाराज आपके प्रथम भाव में आ जाएंगे जिससे स्वास्थ्य समस्याओं में कमी आएगी। आपको अपने स्वास्थ्य का वसायुक्त पदार्थों के प्रति भी ध्यान रखना चाहिए क्योंकि इससे मोटापे की समस्या भी बढ़ सकती है और आप मधुमेह जैसी समस्याओं का शिकार भी हो सकते हैं। आपको अपनी दिनचर्या को दुरुस्त बनाना चाहिए और तंदुरुस्त रहने का प्रयास करना चाहिए।

करियर

मिथुन 2025 राशिफल के अनुसार यदि आपके करियर की बात करें तो वर्ष की शुरुआत में राहु महाराज दशम भाव में होंगे और सूर्य महाराज सप्तम भाव में रहेंगे जिससे व्यापार के क्षेत्र में अच्छी सफलता मिलने के योग बनेंगे। सप्तम भाव और दशम भाव के स्वामी बृहस्पति महाराज वर्ष के पूर्वार्ध में आपके द्वादश भाव में रहेंगे जिससे विदेशी व्यापार संबंध मजबूत होंगे और इससे आपके विदेशी व्यापार में सफलता के योग बनेंगे। नौकरी करने वाले जातकों को भी काम के सिलसिले में एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करनी पड़ेगी। विदेश यात्रा के योग भी बनेंगे। उसके बाद शनि महाराज आपके दशम भाव में आ जाएंगे जिससे पूरे वर्ष आपको कठिन मेहनत करने के लिए तैयार रहना होगा। हालांकि अच्छी बात यह है कि जितनी मेहनत आप करेंगे, वह मेहनत आपको सफलता भी प्रदान करेगी, फिर भी यह कहा जा सकता है कि इस वर्ष आपको कठिन मेहनत करने के लिए तत्पर रहना होगा। बृहस्पति महाराज प्रथम भाव में बैठकर कार्यों में सफलता प्रदान करते रहेंगे।

शिक्षा

मिथुन राशि के विद्यार्थी वर्ग की शिक्षा की बात की जाए तो मिथुन 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत आपके लिए अनुकूल रहेगी। आपके उच्च शिक्षा में अत्यंत सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आप जहां भी पढ़ाई कर रहे हैं, वहां पर आपका प्रदर्शन काबिल-ए-तारीफ होगा। सामान्य विद्यार्थियों को भी अपनी मेधा के अनुरूप अनुकूल परिणाम मिलेंगे। हालांकि वर्ष की शुरुआत में मंगल महाराज जी की दृष्टि पंचम भाव पर होने से बीच-बीच में कुछ व्यवधान भी आ सकते हैं। इसके बाद जब मई के महीने में देवगुरु बृहस्पति आपकी ही राशि में प्रवेश करेंगे तो वहां से आपके पंचम, सप्तम और नवम भाव को देखेंगे जिससे शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी और आप एक कुशल विद्यार्थी के रूप में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहेंगे। आपको शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आप कुछ नया भी पढ़ना पसंद करेंगे। इसके साथ ही आपको गुरुओं का मार्गदर्शन मिलेगा जिससे आप सफलता प्राप्त करने की राह में आगे बढ़ेंगे।

पारिवारिक जीवन

मिथुन राशिफल के अनुसार वर्ष 2025 आपके पारिवारिक जीवन के लिए शुरुआत में कठिन रहेगा। चतुर्थ भाव में केतु और दशम भाव में राहु महाराज के उपस्थित होने के कारण परिवार का सुख कम मिलेगा और परिजनों के मध्य आपस में अशांति और संतुलन की भावना आपको परेशान कर सकती है। यही नहीं, वर्ष की शुरुआत में मंगल महाराज भी आपके दूसरे भाव में कर्क राशि में होंगे जो उनके लिए नीच राशि है, ऐसे में कटु वचनों और गलत बयान बाजी के कारण आपस में तनाव और टकराव की स्थिति बन सकती है। हालांकि मई के मध्य में जब राहु महाराज आपके नवम भाव में और केतु महाराज आपके तीसरे भाव में चले जाएंगे, तब इन परिस्थितियों में कमी आएगी। परिवार का माहौल शांतिपूर्ण बनेगा। भाई बहनों से आपके संबंध धीरे-धीरे मधुर होंगे। हालांकि उन्हें कुछ समस्याएं हो सकती हैं इसलिए आपको उनकी मदद करनी चाहिए। इस वर्ष विशेष रूप से पिताजी के स्वास्थ्य का अवश्य ध्यान रखें।

वैवाहिक जीवन

मिथुन 2025 राशिफल के अनुसार यदि आप एक विवाहित जातक हैं तो वर्ष की शुरुआत आपके लिए कुछ कमजोर रहेगी क्योंकि सप्तम भाव में सूर्य महाराज आपके जीवनसाथी के मन में अहम की भावना बढ़ाएंगे, जो आप दोनों के मध्य तनाव और टकराव की स्थिति उत्पन्न कर सकती है लेकिन फरवरी के बाद से धीरे-धीरे स्थितियों में सुधार आएगा। आपको भी कड़वे वचन बोलने से बचना होगा, अन्यथा स्थितियां दिन प्रतिदिन विपरीत हो सकती हैं। सप्तम भाव के स्वामी देवगुरु बृहस्पति वर्ष की शुरुआत में द्वादश भाव में रहेंगे जिससे जीवनसाथी के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने और धार्मिक यात्राओं के योग बनेंगे। उसके बाद जब देवगुरु बृहस्पति मई के महीने में आपकी ही राशि में प्रवेश करेंगे तो वहां से आपके सप्तम भाव को देखेंगे जिससे वैवाहिक संबंधों में अंतरंगता और प्रेम की भावना बढ़ेगी। रिश्ते मधुर बनेंगे। आपसी सामंजस्य बेहतर होगा और आपको संतान संबंधित सूचनाएं भी मिलेंगी जो आपके लिए सुखद साबित होंगी। इस प्रकार यह वर्ष अपने उत्तरार्ध में आपको वैवाहिक जीवन में संतुष्टि प्रदान करेगा।

उपाय

आपको बुधवार के दिन गौ माता को साबुत मूंग की दाल अपने दोनों हाथों से खिलानी चाहिए। अच्छी गुणवत्ता का पन्ना रत्न चांदी की मुद्रिका में जड़वा कर अपनी कनिष्ठिका अंगुली में बुधवार के दिन धारण करने से लाभ होगा।

आगामी 10 वर्ष में स्पेस इकोनॉमी बढ़ेगी करीब 5 गुना

लगभग 44 बिलियन डॉलर की छलांग : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि अगले दशक में भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था करीब 5 गुना बढ़कर 8.4 बिलियन डॉलर से करीब 44 बिलियन डॉलर हो जाएगी। इस सेक्टर में निवेश 2023 में ही 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर की प्लेयर बन गया है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र विदेशी मुद्रा कमाने वाले क्षेत्र के रूप में भी उभरा है।

विदेशी सैटेलाइट लॉन्च करने के साथ अर्जित 220 मिलियन यूरो में से 187 मिलियन यूरो पिछले आठ वर्षों में अर्जित किए गए हैं। इसरो की सेवाओं से लाभ पाने वालों में अमेरिका, फ्रांस, जापान और दूसरे देश शामिल हैं। इसरो के स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (एसपीएडीएक्स) मिशन की सराहना करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि भारत को अंतरिक्ष डॉकिंग टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर के बराबर खड़ा करती है। स्पैडएक्स मिशन इसरो द्वारा एक महत्वपूर्ण परियोजना है जिसका उद्देश्य दो छोटी सैटेलाइट का इस्तेमाल कर स्पेसक्राफ्ट के डॉकिंग और अनडॉकिंग के लिए टेक्नोलॉजी का विकास और प्रदर्शन करना है। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से कहा, ये क्षमताएं सैटेलाइट सर्विस, स्पेस स्टेशन ऑपरेशन और इंटरप्लेनेटरी एक्सप्लोरेशन सहित भविष्य के मिशनों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस मिशन में डॉकिंग के बाद की गतिविधियां भी शामिल हैं, जिसमें स्पेसक्राफ्ट स्वतंत्र पेलोड ऑपरेशन संचालित करता है।

डॉ. सिंह के अनुसार डॉकिंग 7 जनवरी दोपहर में होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और इसरो के बीच सहयोग हुआ है। यह सहयोग स्पेस में बायोलॉजी एप्लीकेशन को एक्सप्लोर करने से जुड़ा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत स्पेस एनवायरमेंट में फिजियोलोजिकल बदलावों के बारे में स्टडी कर स्पेस-बायोलॉजी में लीड करेगा। 2023 की नई अंतरिक्ष नीति ने इसरो की गतिविधियों में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति दी। इस नीति के कारण अंतरिक्ष स्टार्टअप में उछाल आया है, जो 2021 में एकल अंकों की संख्या से बढ़कर 2023 में लगभग 300 हो गया है। नोटेबल स्टार्टअप में अग्निकुल कॉसमॉस और स्काईरूट शामिल हैं। अग्निकुल कॉसमॉस ने इसरो परिसर में एक प्राइवेट लॉन्चपैड स्थापित किया। स्काईरूट ने भारत का पहला प्राइवेट सब-ऑरबिटल लॉन्च किया। डॉ. सिंह ने कहा, ये स्टार्टअप इसरो के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों का वैश्विक ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

कॉमर्शियल सिलेंडर 16 रुपये सस्ता

> कार खरीदना महंगा होगा > किसानों को बिना गारंटी 2 लाख रुपये का लोन > जनवरी में हुए 10 बदलाव

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नया साल यानी 2025 अपने साथ कई बदलाव लेकर आया है। इन बदलावों का असर आपकी जिंदगी और जेब पर भी होगा। मारुति सुजुकी, हुंड, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की गाड़ियां महंगी हो गई हैं। वहीं 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपए तक सस्ता हो गया है। कोलकाता में अब ये 1811 रुपए का मिलेगा। घरेलू सिलेंडर के दामों में बदलाव नहीं हुआ है। उधर, फीचर फोन से यूपीआई के जरिए अब 10 हजार रुपए तक भेज सकेंगे।

1. कॉमर्शियल सिलेंडर सस्ता 16 रुपए दाम घटे, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं

आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर 16 रुपए तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 14.50 रुपए घटकर 1804 हो गईं। पहले ये 1818.50 में मिल रहा था। कोलकाता में यह 16 रुपए घटकर 1911 में मिल रहा है, पहले इसके दाम 1927 थे। मुंबई में सिलेंडर 1771 रुपए से 15 रुपए घटकर 1756 रुपए का हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर 1966 रुपए का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 केजी वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

2. यूपीआई पेमेंट लिमिट बढ़ी फीचर फोन के जरिए 10 हजार रुपए तक का पेमेंट

फीचर फोन के जरिए अब 10 हजार रुपए तक का पेमेंट किया जा सकेगा। आरबीआई ने यूपीआई 123 की लिमिट को 5 हजार रुपए से बढ़ाकर 10 हजार रुपए कर दिया है। यूपीआई123पे की मदद से यूजर्स फीचर फोन से यूपीआई पेमेंट कर सकते हैं। इसमें स्कैन एंड पे को छोड़कर सभी तरह के ट्रांजैक्शन किए जा सकते हैं।

इससे पेमेंट के लिए इंटरनेट की जरूरत नहीं होती है। इस फैसिलिटी का इस्तेमाल करने के लिए यूजर्स को अपने मोबाइल नंबर और बैंक अकाउंट को लिंक करवाना होता है।

3. कार खरीदना महंगा : मारुति, हुंडई सहित कई कंपनियों ने बढ़ाए गाड़ियों के दाम

मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया और डेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने भी अपनी गाड़ियों की कीमत बढ़ा दी हैं। मारुति सुजुकी की गाड़ियां 4%, महिंद्रा एंड महिंद्रा गाड़ियां 3% और किआ की कारें 2% महंगी हो गई हैं।

सेंसेक्स 368 अंक चढ़कर 78,507 पर बंद हुआ

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 1 जनवरी को बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 368 अंक की बढ़त के साथ 78,507 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 98 अंक की तेजी रही, ये 23,742 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में तेजी और 7 में गिरावट देखने को मिली। वहीं निफ्टी के 50 शेयरों में से 37 में तेजी और 13 में गिरावट रही। ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में बढ़त देखने को मिली। वहीं आईटी और एफएमसीजी शेयर्स में गिरावट रही।

तमिलनाडु सरकार ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को दिया गया स्मार्ट मीटर टेंडर रद्द किया

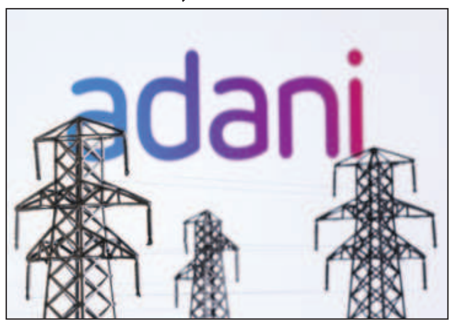

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) द्वारा उद्धृत उच्च लागत का हवाला देते हुए स्मार्ट मीटर खरीदने के लिए जारी वैश्विक निविदा को रद्द कर दिया है। केंद्र सरकार की पुनःस्थापित वितरण क्षेत्र योजना के तहत स्मार्ट मीटर उपलब्ध कराने के लिए अगस्त 2023 में चार पैकेजों के रूप में निविदाएं जारी की गई थीं। एक सूत्र ने बताया कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनी एईएसएल ने चेन्नई सहित आठ जिलों को कवर करने वाली निविदा के पैकेज 1 के लिए सबसे कम बोली लगाई थी और इसमें 82 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाने का काम शामिल था। 27 दिसंबर, 2024 को निविदा रद्द कर दी गई, क्योंकि एईएसएल की ओर से उद्धृत लागत कथित तौर पर अधिक थी। उन्होंने कहा कि दोबारा टेंडर जारी किए जाने की संभावना है। उन्होंने विस्तृत जानकारी दिए बिना बताया कि तीन अन्य पैकेजों के लिए भी टेंडर रद्द कर दिए गए हैं। सरकार का यह कदम अदाणी समूह के प्रवर्तक उद्योगपति गौतम अदाणी से जुड़े विवाद के मद्देनजर आया है। उन पर सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,100 करोड़ रुपये) से अधिक की रिश्वत देने की योजना का हिस्सा होने का आरोप है। अमेरिकी अभियोजकों ने इस मामले के संबंध में अदाणी और कुछ अन्य लोगों पर आरोप लगाया था। कंपनी ने आरोपों का खंडन किया है।

सोना 372 महंगा होकर 76,534 पर पहुंचा

चांदी 117 गिरकर 85,900 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। साल के पहले दिन यानी आज 1 जनवरी को सोने के दाम में बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 372 रुपए बढ़कर 76,534 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,162 रुपए प्रति दस ग्राम थी। हालांकि चांदी का भाव आज 117 रुपए गिरकर 85,900 रुपए पर आ गया है। कल चांदी 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,150 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,500 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

2025 में रेलवे देने जा रहा बड़ी सौगात : स्लीपर-एसी क्लास में सफर करने वाले यात्रियों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रेल से सफर करने वाले यात्रियों के लिए वर्ष 2025 खास होने जा रहा है। इस साल रेलवे यात्रियों को कई नई सौगात देने जा रहा है। इससे यात्रियों का नया केवल सफर आसान होगा, बल्कि सुरक्षित और सुविधाजनक भी होगा। यात्रियों को मिलने वाली इन सुविधाओं की शुरुआत साल के पहले माह यानी जनवरी से होने जा रही है। सबसे अहम बात यह है कि इन सुविधाओं का फायदा एसी क्लास से लेकर सामान्य श्रेणी में चलने वाले सभी यात्रियों को मिलेगा।

इसी साल कश्मीर देशभर के अन्य रेल मार्गों से जुड़ जाएगा। श्रीनगर कटरा रेल मार्ग पूरी तरह से तैयार हो गया हैं। इस पर ट्रायल शुरू हो गया है। ट्रायल होने के बाद ट्रेनों की आवाजाही शुरु हो जाएगी। जानकारी के मुताबिक, पहली ट्रेन माता वैष्णो देवी कटड़ा से बारामूला के बीच चलाई जाएगी। यह ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस होगी। सर्दियों के मौसम में श्रीनगर और आसपास का तापमान शून्य में चला जाता है। ऐसे में वंदे भारत ट्रेन यहां के मौसम को देखते हुए बेहतर रहेगी।

इस ट्रेन में यात्रियों को खास सुविधाएं भी दी जाएगी, जबकि कटरा-बनिहाल का 111 किमी लंबा रेल सेक्शन बन कर तैयार हो चुका है। ये सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा है,क्योंकि इस लाइन का 97.34 किमी हिस्सा सुरंगों से गुजरता है। साथ ही विश्व का सबसे ऊंचा चिनाब ब्रिज भी सेक्शन में है, जहां से ट्रेन गुजरेगी। इसके अलावा देश के पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन को ट्रैक पर उतारने की पूरी तैयारी हो गई है। इसका ट्रायल भी पूरा हो गया है। अगले कुछ माह में इसकी शुरुआत हो सकती है। इसके अलावा रेलवे अमृत भारत का अन्य कई रूटों पर चलने की तैयारी कर रहा है।

फिलहाल ये ट्रेनें केवल दो रूटों पर ही चल रही हैं, लेकिन आने वाले दिनों में कम दूरी के शहरों के बीच इसे चलाने की तैयारी की जा रही है। इन ट्रेनों में आम आदमी कम किराए में प्रीमियम और लग्जरी ट्रेनों जैसी सुविधाओं का आनंद ले सकता है। इन ट्रेनों के जनरल श्रेणी में भी गद्देदार सीट लगाई गई है। जबकि मोबाइल चार्जर के लिए प्वाइंट दिए गए हैं। इसके अलावा यात्रियों को इन ट्रेनों में कई सुविधाएं मिलेगी।

एअर इंडिया की डोमेस्टिक फ्लाइट में मिलेगा वाई-फाई

फ्लाइट में इंटरनेट सर्विस देने वाली देश की पहली एयरलाइन, अभी इसे फ्री में एक्सेस कर सकेंगे

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। एअर इंडिया की कुछ डोमेस्टिक फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। फिलहाल ये सर्विस एयरबस A350, बोइंग 787-9 और कुछ A321neo विमानों में ही मिलेगी। एअर इंडिया डोमेस्टिक फ्लाइट में वाई-फाई इंटरनेट सर्विस देने वाली देश की पहली एयरलाइन बन गई है।

इंट्रोडक्टरी पीरियड के लिए वाई-फाई फ्री है और समय के साथ धीरे-धीरे इसे बेड़े के अन्य विमानों में शामिल किया जाएगा। इन-फ्लाइट वाई-फाई 10,000 फीट से ऊपर होने पर एक साथ कई डिवाइस कनेक्ट करने की अनुमति देगा। ये सर्विस सैटेलाइट कनेक्टिविटी और गवर्नमेंट रेसट्रिक्शन्स जैसे फैक्टर्स पर निर्भर करेगी। अभी तक वाई-फाई सर्विस एयरबस ए350, चुनिंदा एयरबस ए321 नियो और बोइंग बी787-9 विमानों में पायलट प्रोग्राम के तहत इंटरनेशनल रूट पर दी जा रही थी।

नए साल में बुजुर्गों को राहत : किसी भी शाखा से निकाल सकेंगे पेंशन, यूपीआई में हुआ बदलाव

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नया साल 2025 आ गया है। नए साल में आर्थिक मोर्चे पर कई बदलाव हुए हैं। आने वाले साल के लिए वित्तीय योजना बनाने से पहले इन बदलावों की जानकारी जरूरी है। नए साल में नियम बदल रहे हैं उनका सबसे बड़ा लाभ पेंशनधारकों को मिलेगा। अब वे देश में किसी भी शाखा से अपना पेंशन निकाल सकेंगे। 2025 में बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट नियम, क्रेडिट कार्ड के फायदे और वीजा नियमों में बदलाव हो रहे हैं।

बुजुर्गों को किसी भी शाखा से पेंशन निकालने की मिलेगी सुविधा

साल 2025 में पेंशनधारकों को राहत मिलने वाली है। 2025 से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) पेंशन के पैसों की निकासी के नियमों को सरल बना रही है। अब पेंशनभोगी किसी भी बैंक से अपनी पेंशन की राशि कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें किसी अतिरिक्त सत्यापन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे वयोवृद्धि पेंशनभोगियों बड़ी राहत मिलेगी। केंद्रीय पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) को ईपीएफओ की आईटी आधुनिकीकरण परियोजना, सीआईटीईएस 2.01 के हिस्से के रूप में लागू किया जाना है। इसकी शुरुआत 2025 में होगी। कर्मचारी पेंशन योजना के 78 लाख सदस्य नए साल में भारत में किसी भी बैंक शाखा से अपनी पेंशन ले सकेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, नए साल में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) एटीएम से पीएफ धन निकासी की सुविधा और ईपीएफ अंशदान सीमा को समाप्त करने सहित कई बदलाव भी लागू करने वाला है।

फिक्स्ड डिपॉजिट से जुड़े नियमों में बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट नियमों में बदलाव किया है। नए एफडी नियम जनवरी 2025 में लागू होंगे। आरबीआई के दिशा-निर्देश सार्वजनिक जमा स्वीकार करने, तरल संपत्तियों का न्यूनतम प्रतिशत बनाए रखने और सार्वजनिक जमा को चुकाने जैसी शर्तों से संबंधित हैं। नए नियम के अनुसार, एनबीएफसी में एफडीधारक मैच्योरिटी से पहले छोटी जमा राशि (10,000 से कम) निकाल सकते हैं।

यूपीआई भुगतान से जुड़े नियमों में बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक 1 जनवरी 2025 से तीसरे पक्ष के पूर्ण-केवाईसी प्रीपेड भुगतान उपकरणों (पीपीआई या प्रीपेड कार्ड) के जरिए यूपीआई भुगतान सक्षम करेगा। यह कदम से ग्राहकों के लिए यूपीआई भुगतान के नजरिए से लचीलापन लाएगा। अब लोग प्रीपेट कार्ड से भी यूपीआई भुगतान कर सकेंगे। इस कदम से पीपीआई वॉलेट धारक यूपीआई का उपयोग करके लेनदेन करने के लिए तीसरे पक्ष के एप्लिकेशन का उपयोग कर सकेंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

१०चंद्र, बुध ८, शुक्र ११, सूर्य ९, ७, राहु१२, केतु ६, १, ५, २गुरु, ३, ४मंगल

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-50
सूर्यास्त. - 17-49
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	05-33	बजे
चंद्र-	मकर	मे	मकर...	07-39	बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	09-30	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	11-08	बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	12-44	बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	वृष---	14-29	बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	16-30	बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	18-42	बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	20-54	बजे
			कन्या---	23-01	बजे
			तुला----	01-06	बजे
			वृश्चिक...	03-16	बजे

दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया . 01-08 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - पौष शुक्ल , गुरुवार 02 January
नक्षत्र - श्रवण 23-10 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - हर्षण 14-57 तक उप वज्र
करण- तैतिल 13-48 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्रीयतींद्र सूरीश्वर पुण्य

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 13:43 से 15:06 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:50 - 08:11	शुभ	अमृत.	17:49 - 19:30	शुभ
रोग.	08:11 - 09:34	अशुभ	चंचल.	19:30 - 21:07	शुभ
उत्पात	09:34 - 10:57	अशुभ	रोग..	21:07 - 22:43	अशुभ
चंचल.	10:57 - 12:20	शुभ	काल.	22:43 - 00:20	अशुभ
लाभ	12:20 - 13:43	शुभ	लाभ	00:20 - 01:57	शुभ
अमृत.	13:43 - 15:06	शुभ	उत्पात	01:57 - 03:34	अशुभ
काल	15:06 - 16:30	अशुभ	शुभ	03:34 - 05:11	शुभ
शुभ.	16:30 - 17:49	शुभ	अमृत.	05:11 - 06:50	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज का दिन काम और कार्य क्षेत्र के हिसाब से काफी हद तक शांत रहेगा । आज का दिन घटनाओं रहित रहेगा जिससे की आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम में से थोड़ी राहत मिलेगी जिसके तलाश आपको काफी समय से थी । इस समय की आप सराहना करे और इसे मनोरंजन में बिताये और उन खुशनुमा पलो को भी याद करे जो अपने अपने कार्य क्षेत्र में महसूस किये है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते है , इस तरफ ध्यान न दे । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते है , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते है की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे हालाँकि ये कदम कुछ मुशिकल हो सकता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): अगर आप अपनी क्षमता से कार्य करने की कोशिश करेंगे, तो आपके प्रयासों को उदारता से पुरस्कृत किया जाएगा , तो अपने काम और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करे । आपकी ओर से की गयी कोई लापरवाही आप के लिए भारी पड़ सकती हैं, हालांकि दिन मौद्रिक लाभ के लिए शुभ है । आपका पिछला निवेश आपको अच्छी आमदनी दे सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे क्यों की आज आपको शुभ समाचार मिल सकता है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज इस बात के जबरदस्त संकेत है की आप अपने कार्य क्षेत्र का परिवर्तन कर सकते है या आप के कार्य क्षेत्र से जुडी दिशा का बदलाव हो सकता है । अभी तक आप जिस चीज़ को शौकिया तौर पर लेते थे वही चीज़ आपके लिए धन उपार्जन का रास्ता बन सकती है यहाँ तक की आप अपनी नौकरी भी इस काम के लिए छोड़ सकते है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है । खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज आपको एक अप्रत्याशित स्रोत से , धन लाभ होने की संभावना है । सट्टा उद्यम, शेयर बाजार में और छोटी अवधि के निवेश में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपका वित्तीय भाग्य उच्च चल रहा है । बस आप अपने आवेग पर लगाम लगाने की कोशिश करे और आप अपनी वित्तीय सुरक्षा का आनंद भी ले पाएंगे । आज आप कुछ धन दान भी दे सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज अपने कार्य से संबंधित कारणों से अपने निवास स्थान में परिवर्तन की सम्भावना है ।आपको पदोन्नत किया जा सकता है और एक अलग क्षेत्र के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है या आप कोई दूसरी नौकरी को ग्रहण कर सकते है ।आप एक पेशेवर सलाहकार या अपने किसी करीबी से आज कैरियर से संबंधित सलाह ले सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जम्मू हाईकोर्ट ने पुलिस जांच रिपोर्ट पर उठाए सवाल काउंटर एफआईआर की जांच दोबारा शुरू

जम्मू, 1 जनवरी (एजेंसियां)। काउंटर एफआईआर मामलों में पुलिस की जांच रिपोर्ट पर हाईकोर्ट ने सवाल उठाए हैं। जानीपुर पुलिस थाने में प्रोबेशनर जज अजय सरीन की शिकायत पर पक्का डंगा निवासी रोहित पर मारपीट का मामला दर्ज है। पक्का डंगा पुलिस स्टेशन में रोहित किशन भट्ट की पत्नी रागिनी राजपूत की शिकायत पर प्रोबेशनर जज अजय सरीन के खिलाफ प्रताड़ित करने और मारपीट का मामला दर्ज है। दोनों मामलों पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश राहुल भारती ने पुलिस की जांच को घटिया और समझौतापूर्ण बताया। दोनों मामलों की जांच नए सिरे से करने का आदेश दिया।पक्का डंगा थाने में दर्ज मामले की जांच दोबारा दो महीनों के भीतर करने और जानीपुर मामले की जांच सीबीआई को सौंप 90 दिनों के भीतर करने को कहा। जानीपुर पुलिस को मामले का रिकार्ड सीबीआई को सौंपने के लिए कहा गया है। न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आपराधिक मामले में जांच का मतलब एफआईआर की स्क्रिप्ट के अनुसार खुद को ढालना नहीं है। पुलिस की रिपोर्ट आरोपों, प्रति-आरोपों और समझौतापूर्ण पुलिस कार्य के उलझे हुए जाल के संदर्भ में है।

ये है मामला

एक मामले में प्रोबेशनरी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर और सिविल जज अजय कुमार सरीन ने रोहित कृष्ण भट पर हमला करने का आरोप लगाया और इसके विपरीत भट्ट की पत्नी रागिनी राजपूत द्वारा सरीन के खिलाफ उत्पीड़न, पीछा करने और हमला करने के आरोप लगाए।। 23 जनवरी, 2024 को दर्ज की गई पहली एफआईआर में रोहित भट्ट पर सरीन पर लोहे की वस्तु से हमला करने का आरोप लगाया गया, जिससे उन्हें चोटें आईं। कुछ दिनों बाद राजपूत द्वारा एक जवाबी एफआईआर दर्ज की गई। इसमें सरीन पर लगातार उत्पीड़न और हमले का आरोप लगाया गया। मामलों में पुलिस जांच में स्पष्ट खामियां सामने आईं। मामलों की जांच कानूनी प्रक्रियाओं के दुरुपयोग का उदाहरणअदालत ने कहा कि वर्तमान मामले कानूनी प्रक्रियाओं के दुरुपयोग के उदाहरण हैं। जिसमें मुख्य पात्र मनगढ़ंत कहानियों का सहारा ले रहे हैं।

वर्तमान मामले तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और बेधड़क मनगढ़ंत कहानियों का सहारा लेकर कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग का जीवंत उदाहरण हैं। ये पुलिस स्टेशन जानीपुर जम्मू द्वारा जांच दृष्टिकोण के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैये से प्रेरित है। जो इस तरह से कार्य कर रहा है। दोनों पक्षों की विश्वसनीयता को कमजोर किया।

तलाक का केस लड़ रही पत्नी ने पति से कही ऐसी बात फंदे पर लटक गया युवक

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके के कल्याण विहार में एक युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर ली। मृतक का पत्नी से तलाक का केस चल रहा था। आत्महत्या से पहले मृतक ने आखिरी बार फोन पर अपनी पत्नी से बात की थी। इस दौरान उनके बीच कारोबार को लेकर बात हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के मोबाइल को जब्त किया गया है। उसकी जांच की जा रही है। पूछताछ के लिए पुलिस ने मृतक की पत्नी को बुलाया है। मृतक का नाम पुनीत खुराना है। वह बेकरी का कारोबार करता था। इस कारोबार में उसकी पत्नी भी पार्टनर थी। पुलिस के मुताबिक, उनकी शादी 2016 में हुई थी। आपसी विवाद के कारण उनके बीच मामला तलाक का आ गया। उनका तलाक का केस चल रहा था। पुनीत के परिवार का आरोप है वो अपनी पत्नी से परेशान था। पुनीत खुराना ने दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके के कल्याण विहार स्थित अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड की थी। परिवार के मुताबिक, पुनीत ने आखिरी बार पत्नी से फोन पर बात की थी। पुलिस के मुताबिक फोन पर बिजनेस को लेकर बात हुई थी। पुनीत और उनकी पत्नी का बेकरी का बिजनेस था दोनों उसमे पार्टनर थे। पुनीत के परिवार के आरोप है कि पत्नी ने कहा था कि हमारा तलाक का केस चल रहा है, इसका मतलब ये थोड़ी है कि तुम मुझे व्यापार से अलग कर दोगे। परिवार के मुताबिक, कॉल की रिकार्डिंग पत्नी ने करके किसी रिश्तेदार को भेजी थी। पुलिस ने पुनीत का फोन रिकवर कर लिया है और पूछताछ के लिए पत्नी को बुलाया जाएगा। फिलहाल पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। घटनास्थल से सुबूत जुटाए गए हैं। पुनीत द्वारा उठाए गए इस कदम से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयगुरुदेव आश्रम आ रहे भोपाल के श्रद्धालुओं की बस खेत में उतरी, हादसे में 12 लोग घायल

उज्जैन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के मक्सी रोड स्थित विजयागंज मंडी के पास एक बस असंतुलित होकर सड़क से नीचे खाई में गिर गई। हादसे में बस में सवार 12 लोग घायल हो गए। नववर्ष के मौके पर जयगुरुदेव के 50 से ज्यादा अनुयायी बस में सवार होकर भोपाल से उज्जैन के पिंगलेश्वर स्थित बाबा जयगुरुदेव के आश्रम आ रहे थे। कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 4 बजे विजयागंज मंडी के समीप हुई। भोपाल से 50 से अधिक अनुयायी बस में सवार होकर उज्जैन के पिंगलेश्वर स्थित बाबा जयगुरुदेव के आश्रम में नया साल मनाने आ रहे थे। श्रद्धालुओं से भरी बस क्रमांक एमपी 09 एसी 7874 विजयागंज मंडी के समीप से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक को नींद की झपकी लगी और बस का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बस सड़क मार्ग से उतरकर नीचे खाई में जा गिरी। बस में सवार छह लोग गंभीर घायल हो गए, जबकि छह अन्य लोगों को हल्की चोटें आईं। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल लेकर आई। ज्यादा चोट लगने पर दो यात्रियों को भर्ती करना पड़ा।

टैंकर और लग्जरी बस की टक्कर, तीन लोगों की मौत; 20 घायल

बनासकांठा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के पहले दिन गुजरात के बनासकांठा जिले के सुइगम से एक बुरी खबर सामने आई है। सुइगम में एक सड़क हादसा हुआ यह भयानक हादसा उस वक्त हुआ जब एक टैंकर ड्राइवर ने गलत साइड से आकर एक लग्जरी बस को टक्कर मार दी। इस हादसे में लग्जरी बस में सवार 20 लोग घायल हो गए और 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ये बस गुजरात के जामनगर से राजस्थान की ओर जा रही थी। तभी टैंकर से जोरदार टक्कर में सोनेथ गांव के पास भारत माला हाईवे पर ये दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घायलों को 108 के माध्यम से भाभर, थराद सहित सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

रेलवे ट्रैक उड़ाने की एक और साजिश, पटरी के पास मिला गैस से भरा सिलेंडर, जांच में जुटी पुलिस

पुणे, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पुणे के उरुली कंचन क्षेत्र में रविवार की रात रेलवे ट्रैक पर गैस से भरा सिलेंडर रखकर दुर्घटना करने की कोशिश की गई। इस घटना का खुलासा लोको पायलट की सतर्कता से हुआ। इस संबंध में कंचन पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना उस वक्त सामने आई जब लोको पायलट शरद शाहजी वाल्के (उम्र 38 वर्ष) रेलवे लाइन का निरीक्षण कर रहे थे। रविवार रात करीब 11 बजे जब वे ट्रैक पर निरीक्षण कर रहे थे, तब उन्होंने देखा कि रेलवे ट्रैक के पास प्रिया गोल्ड कंपनी का गैस सिलेंडर रखा हुआ था। जब उन्होंने सिलेंडर उठाने की कोशिश की तो देखा कि इस सिलेंडर में गैस (वजन करीब 3900 किलो) थी। लोको पायलट ने तुरंत सिलेंडर को रेलवे ट्रैक से दूर हटा दिया और संभावित दुर्घटना को विफल कर दिया। शरद वाल्के ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इसके बाद उरुली कंचन पुलिस ने रेलवे की धारा 150, 152 के तहत अज्ञात व्यक्ति पर दुर्घटना का प्रयास करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुंबई में 8 पाकिस्तानी नागरिकों को 20 साल की सजा, क्या है पूरा मामला

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई की एक अदालत ने 8 पाकिस्तानी नागरिकों को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने पाकिस्तानी नेशनल्स को यह सजा 2015 के ड्रग्स जब्ती मामले में सुनाई है। दरअसल, साल 2015 में भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात तट के पास 6.96 करोड़ रुपये मूल्य की 232 किलोग्राम हेरोइन ले जा रही एक नाव से आरोपियों को अरेस्ट किया था। एनडीपीएस अधिनियम मामलों के स्पेशल जज शशिकांत बांगर ने इन आठ लोगों को ड्रग्स विरोधी कानून के तहत किए गए अपराधों के लिए दोषी ठहराया। आरोपियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत अधिकतम 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई।

साथ ही कोर्ट ने प्रत्येक पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। विशेष लोक अभियोजक सुमेश पुंजवानी ने आरोपियों के लिए अधिकतम सजा की मांग करते हुए कहा कि यह अन्य मादक पदार्थ तस्करों के लिए सबक हो सकता है। हालांकि, बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी कि नरम रुख अपनाया जाना चाहिए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने नरमी बरतने से इनकार कर दिया और आठों आरोपियों को अधिकतम सजा सुनाई।

अरेस्ट के समय सैटेलाइट फोन, जीपीएस नेविगेशन चार्ट किए गए थे बरामद

अभियोजन पक्ष के अनुसार, जिस नाव पर से इन आरोपियों को अरेस्ट कियी गया था उस पर 11 ड्रम थे जिनमें 20 प्लास्टिक की थैलियां थीं जिनमें गेहुंआ भूरे रंग का पाउडर था। इसमें कहा गया कि प्रत्येक पैकेट की सामग्री की जांच की गई, जिससे पता चला कि वह हेरोइन है। आठ पाकिस्तानी नागरिकों के पास से तीन सैटेलाइट फोन, जीपीएस नेविगेशन चार्ट तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए गए। बाद में उन्हें दक्षिण मुंबई स्थित येलो गेट पुलिस को सौंप दिया गया।

सस्ता सोना दिलाने का झांसा देकर 2 करोड़ से ज्यादा ठगे आरोपी गिरफ्तार, विदेश भागने की फिराक में था

सागर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। सागर जिले में सस्ता सोना दिलाने का लालच देकर एक व्यक्ति से 2 करोड़ 2 लाख 59 हजार रुपए की ठगी कर फरार हुए शख्स को पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। आरोपी विदेश भागने की फिराक में एयरपोर्ट पहुंचा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 34 लाख रुपए बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार शहर के मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि बाघराज वार्ड निवासी विकास तिवारी ने थाने में आवेदन दिया था। उन्होंने बताया कि आरोपी नितिन बलेचा ने सस्ता सोना दिलाने का लालच देकर उनसे 2 करोड़ 2 लाख 59 हजार रुपए विभिन्न खातों में डलवाए। लेकिन, उसने सोना नहीं दिया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी नितिन बलेचा विदेश से दिल्ली आता-जाता रहता है और इन दिनों दिल्ली में है।

नए साल की शुरुआत में वैष्णो देवी के दरबार में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, 94.80 लाख का आंकड़ा

जम्मू, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नया साल मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग श्रीमाता वैष्णो देवी के दरबार में पहुंच चुके हैं। कटड़ा में सात दिनों से चल रही हड़ताल के बावजूद देर रात तक करीब 45 हजार श्रद्धालु दर्शन करने के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके थे। दूसरी ओर श्रीनगर, पहलगाम, गुलमर्ग, पटनीटॉप व नत्थाटॉप में भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच चुके हैं।माता वैष्णो के दरबार में नया साल मनाने के लिए पूरे देश से बड़ी संख्या में प्रतिवर्ष श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस बर्ष 25 दिसंबर से कटड़ा बंद के कारण थोड़ा संशय बना हुआ था। घोड़ा, पिट्ठू वालों के उपलब्ध न होने के कारण श्रद्धालु पिछले कुछ दिनों से कम संख्या में आ रहे थे। परंतु मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं।

31 दिसंबर को करीब 45 हजार ने वैष्णो देवी के दर पर शीश नवाया। बीते वर्ष 50 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। इस वर्ष 94.80 लाख ने नवाया शीशआधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में वैष्णो देवी के दर्शन करने वालों की संख्या 94.80 लाख रिकॉर्ड की गई है। इनमें 31 दिसंबर की शाम छह बजे तक दर्शन करने वाले 32 हजार श्रद्धालु भी शामिल हैं। रात दस बजे तक पंजीकरण के बाद इसमें 12 से 13 हजार की बढ़ोतरी संभव है।

2023 में 95.22 लाख श्रद्धालुओं ने किए थे दर्शन

जबकि 2023 में 95.22 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। 31 दिसंबर 2023 को शाम चार बजे तक 37 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। इस वर्ष 40 से 50 हजार श्रद्धालु पिछले साल की तुलना में कम रहे हैं।

न्यू ईयर की नाकाबंदी के दौरान स्कूटी से 41 लाख रुपये जब्त, दो युवक हिरासत में

नागपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। न्यू ईयर के मौके पर नाकाबंदी के दौरान नागपुर पुलिस ने एक स्कूटी से 41 लाख रुपये कैश बरामद किए हैं। पुलिस को संदेह है कि यह पैसा हवाला करोबार से जुड़ा हो सकता है। पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है। मामले की जानकारी पुलिस ने आयकर विभाग को भी दी है। शहर की तहसील पुलिस थाने में दो युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस कर रही है। जानकारी के अनुसार, नागपुर शहर के कोतवाली पुलीस थाना अंतर्गत शिवाजी चौक के पास पुलिस 31 दिसम्बर को नाकाबंदी कर सड़क से जाने वाले वाहन की जांच कर रही थी। इस दौरान एक स्कूटी से जा रहे दो युवको को पुलिस ने रोका। जांच करने पर उनके स्कूटी की डिक्की से 41 लाख रुपये बरामद किए गए। युवक पैसे का हिसाब नहीं दे पाए। इसिलिए पुलिस को संदेह है कि यह पैसा हवाला का है। ऑपरेशन का नेतृत्व जोन 3 के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) महक स्वामी ने किया, जो त्योहारी अवधि के दौरान अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बता दें कि नए साल की पूर्व संध्या पर पुलिस ने सघन जांच अभियान चलाया। इस अवसर पर कई लोगों के चालान भी काटे गए।

कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज

उधर, महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इन दोनों ने एक व्यक्ति से उसके रिश्तेदार के खिलाफ शिकायत में उसका पक्ष लेने के लिए कथित तौर पर दो लाख रुपये की मांग की थी। अधिकारियों ने बताया कि एक महिला ने उस व्यक्ति के भतीजे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

टीएमसी ने धूमधाम से मनाया 26वां स्थापना दिवस ममता ने बंगाल के अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

कोलकाता, 1 जनवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अपना 26वां स्थापना दिवस मनाया। पार्टी की स्थापना एक जनवरी 1998 को हुई थी। इस अवसर पर टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी है और भविष्य में भी जारी रहेगा। ममता बनर्जी ने फेसबुक पर लिखा, सबसे पहले मैं आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। इसके साथ ही आज हमारी पार्टी का स्थापना दिवस भी है। इस वर्ष के स्थापना दिवस के अवसर पर मैं आपके साथ अपना लिखा और संगीतबद्ध किया एक गीत साझा कर रही हूं। यह गीत प्रसिद्ध गायक श्री इंद्रनील सेन ने गाया है। बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए हमारा संघर्ष जारी है और आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। जय हिंद ! जय बांग्ला ! वंदे मातरम ! तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद ! मां-माटी-मानुष जिंदाबाद।

अभिषेक बनर्जी ने कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया

इस अवसर पर टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके समर्पण और बलिदान के लिए फेसबुक पर धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, टीएमसी देश और राज्य के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित है। मैं सभी टीएमसी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और बलिदान को सलाम करता हूं। वे हमारी पार्टी की रीढ़ हैं। नए साल में, आइए भविष्य के संघर्षों के लिए नए जोश के साथ तैयारी करें। टीएमसी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम, सार्वजनिक समारोह और कस्बों व गांवों में जमीनी स्तर पर पार्टी के गहरे जुड़ाव को दर्शाने के लिए ध्वजारोहण समारोह आयोजित किए जाएंगे।

संवाद सत्र का आयोजन

कोलकाता में पार्टी मुख्यालय में चहल-पहल रही, जहां वरिष्ठ नेताओं ने टीएमसी का झंडा फहराया और पार्टी संस्थापकों को याद किया। इस दौरान युवा शाखा ने रैलियां निकालीं जबकि महिला समर्थकों ने बंगाल की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उत्तर 24 परगना, नादिया और पुरुलिया जैसे जिलों में समारोह में पारंपरिक नृत्य प्रस्तुति, मिठाइयों का वितरण और भविष्य के लिए पार्टी के दृष्टिकोण पर चर्चा करने के लिए संवाद सत्र आयोजित किए गए। पार्टी कार्यकर्ताओं ने टीएमसी के खास हरे और सफेद रंगों में बैनर, पोस्टर और मालाओं से सड़कों को सजाया। वर्ष 1998 में स्थापित टीएमसी 2011 में वाम मोर्चा सरकार को हराने के बाद पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थी। इससे पहले 2001 और 2006 के विधानसभा चुनावों में पार्टी को सफलता नहीं मिली थी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण शख्सियत ममता बनर्जी ने पार्टी को लगातार तीन बार सत्ता में पहुंचाया है, जिसमें 2021 के विधानसभा चुनावों में मिली शानदार जीत भी शामिल है।

भारत की बड़ी कामयाबी, मुंबई हमले में शामिल तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ; अमेरिका ने दी हरी झंडी

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत को अमेरिका में बड़ी सफलता मिली है। 26/11 मुंबई हमले में शामिल पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को जल्द ही भारत लाए जाने की संभावना है। राणा के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी कोर्ट ने हरी झंडी दे दी है। अमेरिकी कोर्ट ने अगस्त 2024 में फैसला सुनाते हुए भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने को मंजूरी दी थी।

कोर्ट ने क्या कहा?

राणा पर आरोप है कि उसने 26/11 के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी। हेडली ने मुंबई में ठिकानों की रेकी की थी। इससे पहले भारत ने अमेरिकी कोर्ट के समक्ष मजबूत सबूत पेश किए थे, जिनमें राणा की संलिप्तता साफ देखी गई थी। कोर्ट ने साफ किया कि राणा के खिलाफ भारत में लगे आरोप अमेरिकी अदालतों के मामलों से अलग हैं। दोनों देशों के बीच जो समझौता है उसके तहत राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

शिकागो से किया गया था गिरफ्तार

एफबीआई ने राणा को 2009 में शिकागो से गिरफ्तार किया था। अब उसे भारत लाने की तैयारी जोरों पर हैं। कोर्ट ने राणा को आतंकवादी संगठन को मदद करने और डेनमार्क में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की नाकाम साजिश रचने के लिए दोषी करार दिया था। हालांकि, कोर्ट ने भारत में किए गए हमलों के आरोपों को खारिज कर दिया लेकिन माना कि वह मुंबई आतंकी हमले की साजिश में शामिल रहा था, और उसे भारत प्रत्यर्पण किया जाना चाहिए।

तहव्वुर राणा के बारे में जानें

तहव्वुर राणा का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। उसने आर्मी मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई की और पाकिस्तान आर्मी में 10 साल तक बतौर डॉक्टर काम काम किया। बाद में उसने नौकरी छोड़ दी। तहव्वुर राणा अभी कनाडा का नागरिक है। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक उसने कनाडा, पाकिस्तान, जर्मनी और इंग्लैंड की यात्राएं की हैं और वहां रहा है। दस्तावेज बताते हैं कि 2006 से लेकर नवंबर 2008 तक तहव्वुर राणा ने पाकिस्तान में डेविड हेडली और दूसरे लोगों के साथ मिलकर साजिश रची। आतंकी हेडली इस मामले में सरकारी गवाह बन गया है।

तराई में नया सियासी तूफान सीएम धामी से मुलाकात में ठुकराल की क्या हुई बात?

ऊधम सिंह नगर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। रुद्रपुर में राजनीतिक सियासत को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। नगर निगम में मेयर पद के आजाद उम्मीदवार के रूप में अपने भाई संजय और खुद का पर्चा दाखिल करने वाले पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट से मुलाकात हुई है। इसमें भाजपा प्रत्याशी विकास शर्मा के लिए ठुकराल को समर्थन करने की मांग की गई है। ये बैठक 20 मिनट से अधिक तक चली। हालांकि बैठक में पार्टी ज्वाइनिंग को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। ये सीट भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सबब बनी हुई है और प्रत्याशी विकास शर्मा को मुख्यमंत्री का करीबी माना जाता है। इधर फोन पर ठुकराल ने मुलाकात की पुष्टि की है। कहा कि रुद्रपुर आकार समर्थकों के साथ बैठक कर फैसला लेंगे।

नए साल के जश्न में लोग भूले ट्रैफिक रूल्स, पुलिस ने काटा 89 लाख रुपये से ज्यादा का चालान

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के अवसर पर मुंबई में लोगों ने जमकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया। पुलिस की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, नए साल के मौके पर मुंबई पुलिस ने देर रात अभियान चलाया। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों का ई चालान किया गया। पुलिस ने बताया कि नए साल के अवसर पर 17 हजार 800 गाड़ियों का चालान किया गया है। पुलिस ने बताया कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों का कुल मिलाकर 89,19,750 रुपये का चालान काटा गया। 153 लोग शराब पीकर गाड़ी चलाते पकड़े गए। 2893 लोग गलत तरीके से गाड़ी चलाते हुए मिले। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि नए साल पर 1731 गाड़ियों का चालान रेड लाइट जंप करने के लिए किया गया। जबकि 868 गाड़ियों का चालान नो एंट्री जोन में किया गया। वहीं 842 वाहनों का चालान ओवर स्पीड के कारण किया गया।

बड़ी संख्या में लोगों ने तोड़ा ट्रैफिक रूल्स

123 बाइक का चालान तीन लोगों के बैठने के कारण किया गया। 109 का चालान गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन इस्तेमाल करने की वजह से किया गया। 40 वाहनों का चालान रॉग साइड में ड्राइविंग की वजह से किया गया। दो लोगों का चालान खतरनाक गाड़ी चलाने के कारण किया गया। 432 कार का चालान इसलिए किया गया क्योंकि ड्राइवर सीट बेल्ट नहीं पहना था। 200 वाहनों का चालान यूनिफॉर्म नहीं पहनने के कारण किया गया। बता दें कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के खिलाफ बीती रात अभियान चलाया। इस दौरान नए साल के जश्न में लोग ट्रैफिक नियम तोड़ते हुए मिले। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 89 लाख रुपये से ज्यादा का चालान काटा।

भारत को बेहतर कुबूल कर लेने का साल

पाकिस्तान के कमर चीमा ने नए साल पर शहबाज शरीफ को धो डाला, जमकर सुनाया

इस्लामाबाद, 1 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2024 खत्म हो गया है और दुनिया 2025 में दाखिल हो गई है। ऐसे में दुनियाभर में लोग पुराने साल की अच्छी-बुरी बातों का जायजा ले रहे हैं तो नए साल से उम्मीदे भी लगा रहे हैं। पाकिस्तान के राजनीतिक टिप्पणीकार ने नए साल के पहले दिन एक वीडियो में अपने देश का हालात और पड़ोसी देशों तुलना पर बात की है। कमर चीमा ने कहा है कि आज पाकिस्तान ये मान रहा है कि भारत जैसे हमारे पड़ोसी देश हमसे आगे निकल गए हैं तो ये भी सोचना होगा कि हम क्यों पिछड़े हैं। कमर चीमा ने कहा, 'पाकिस्तान के लिए ये एक ऐसा साल (2024) रहा है, जब पाकिस्तान की लीडरशिप ने ये मान लिया कि भारत हमसे आगे निकल चुका है। ये मानते हुए कि दूसरे देश आगे निकल गए हैं, पाकिस्तान की सरकार 'उड़ान पाकिस्तान' प्रोग्राम लेकर आई है। पांच साल के लिए पेश किया गया ये प्लान देश की इकॉनमी को बेहतर करने के लिए है। हालांकि

ये सवाल भी है कि क्या ये पहले नहीं किया जाना था।'

'बढ़ती आबादी को कैसे खिलाएंगे?'

कमर ने आगे कहा, 'साल 2047 तक पाकिस्तान 38 करोड़ लोगों का मुल्क हो जाएगा। क्या हम इतनी आबादी के लिए बुनियादी ढांचा और खाद्य सुरक्षा पर काम कर रहे हैं। ये अच्छी बात है कि हुकुमत अपने नए प्रोग्राम में खाद्य सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी के साथ-साथ पर्यावरण पर भी जोर दे रही है। बस इतना करना है कि ये नारों से निकलकर जमीन पर आए।'

चीमा ने कहा कि बीते कुछ महीने में पाकिस्तान अर्थव्यवस्था बेहतर हुई है। इसका असर है कि आज स्थिरता की ओर देश बढ़ता नजर आ रहा है। ये दिखाता है कि कोशिश करने पर चीजें बेहचतर हो सकती हैं। आज इमरान खान और विपक्ष भी ये मान रहा है कि हम दिवालिया होने से बच गए हैं। ये दिखाता है कि हमारे अंदर ताकत है। इस देश के लोग मेहनती हैं, बस उनको सही दिशा देनी है। चीमा का मानना है कि पाकिस्तान में मीडिया और सिविल सोसायटी भी बस इमरान खान की रिहाई और सियासी बातों में लगी हुई है। नौकरी, रोजगार, विदेश नीति और भविष्य की तैयारी पर बात नहीं हो रही है। इस पर बात होनी चाहिए और हमें ये कहना बंद करना चाहिए कि हमारे खिलाफ साजिशें हो रही हैं।सच तो ये है कि हम खुद अपने पैर काटते हैं ना कि कोई दूसरा हमारे खिलाफ साजिश करता है।

पाकिस्तान सरकार के नए प्रोग्राम पर बात करते हुए चीमा ने कहा कि 'उड़ान पाकिस्तान' को पेश करते हुए अफसरों ने ये मान लिया है कि इंडिया, श्रीलंका और बांग्लादेश आगे जा रहे हैं।

अब ये मान लिया है तो फिर जवाबदेही तय करते हुए लोगों को जिम्मेदारी दी जाए और फिर नतीजे भी लिए जाएं। हम अगर इंडिया से मुकाबला करने की बात करते हैं तो फिर हमें हवा हवाई बातों से आगे निकलकर काम करना होगा।

भारत के साथ रिश्ते और पूर्वोत्तर में सुरक्षा पर बांग्लादेश के सेना प्रमुख ने तोड़ी चुप्पी

दिया बड़ा भरोसा, शर्त भी रखी

ढाका, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में बीते साल, 2024 में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला। देश में विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व अंतरिम सरकार बनी है। इस बदलाव में सेना का भी एक अहम रोल माना गया। देश में हुए राजनीतिक बदलाव और भविष्य पर सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने प्रथोमालो के साथ एक साक्षात्कार में बात की है। बांग्लादेश में सरकार बदलने के बाद भारत से रिश्ते तनावपूर्ण हुए हैं। जनरल वकार ने भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में बांग्लादेश के सहयोग के सवाल पर कहा कि हम अपने पड़ोसी देशों के साथ ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे, जो उनके रणनीतिक हितों के खिलाफ हो।

प्रथोमालो से बात करते हुए जनरल वाकर ने बीते साल के जन आंदोलनों को ऐतिहासिक बताया। चुनाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जनता

अब एक निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और उत्सव जैसा चुनाव देश में चाहती है और यही अंतरिम सरकार का भी मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सेना चुनाव रूपरेखा को लागू करने में अंतरिम सरकार को पूरा सहयोग देगी।

'पड़ोसियों के साथ रिश्ते अच्छे हों'

भारत के साथ रिश्ते पर वकार ने कहा, 'भारत एक महत्वपूर्ण पड़ोसी है। हम कई मायनों में भारत पर निर्भर हैं। भारत को भी हमसे सुविधाएं मिल रही हैं। उनके बड़ी संख्या में लोग बांग्लादेश में औपचारिक और अनौपचारिक रूप से काम कर रहे हैं। कई लोग यहां से इलाज के लिए भारत जाते हैं। हम उनसे बहुत सारा सामान खरीदते हैं। इसलिए बांग्लादेश की स्थिरता में भारत का बहुत हित निहित है। यह लेन-देन का रिश्ता है। यह निष्पक्षता पर आधारित होना चाहिए। हमें समानता के आधार पर अच्छे संबंध बनाए रखने होंगे। हालांकि इसमें ये भी ध्यान रखा जाए कि हमारे लोगों को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि भारत हम पर हावी है।'

जनरल वकार से सवाल किया गया है कि भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में बांग्लादेश का सहयोग नई दिल्ली के लिए प्रमुख मुद्दा है। भारत को इस संबंध में बांग्लादेश की पिछली सरकार से सहयोग मिला है क्या ये भविष्य में भी होगा। इस पर जनरल वकार ने कहा, 'हम अपने पड़ोसी देश के साथ ऐसा कुछ नहीं करेंगे, जो उनके रणनीतिक हितों के खिलाफ हो। साथ ही हम उम्मीद करेंगे कि हमारा पड़ोसी ऐसा कुछ ना करे जो हमारे हितों के विपरीत हो। जब हम उनके हितों का ध्यान रखेंगे, तो वे हमारे हितों का भी उतना ही ध्यान रखेंगे।' बांग्लादेश सेना प्रमुख ने म्यांमार में चल रहे गृह युद्ध के चलते सीमा पर बनी अशांति पर भी बात की है। उन्होंने कहा कि म्यांमार सीमा पर स्थिरता बाधित नहीं होगी। वे सीमाओं पर हमारे लोगों को नहीं मारेंगे। हमें पानी का उचित हिस्सा मिलेगा। इसमें कोई दिक्कत नहीं है। संबंध समान स्तर पर होने चाहिए।

मेट्रो स्टेशन पर खड़ा था शख्स

ट्रेन के आते ही सिरफिरे ने दिया धक्का, वीडियो में दिखा खौफनाक मंजर

वॉशिंगटन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के मैनहट्टन में मंगलवार को एक मेट्रो स्टेशन पर व्यक्ति को धक्का देकर ट्रेन के आगे गिरा दिया। एक शख्स को आती हुई ट्रेन के सामने गिराने के आरोप में 23 वर्षीय कमेल हॉकिन्स को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना मंगलवार दोपहर 18वीं स्ट्रीट नंबर 1 स्टेशन के साउथबाउंड प्लेटफॉर्म पर हुई। पीड़ित का नाम अभी तक जारी नहीं किया गया है, उसे बेलेव्यू अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार हॉकिन्स पर हत्या के प्रयास और दूसरी डिग्री में हमले का आरोप लगाया गया है। उसके खिलाफ पहले भी हमला, उत्पीड़न और हथियार रखने के आरोपों में केस दर्ज है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक नारंगी जैकेट पहने एक व्यक्ति अपने फोन को देखते हुए प्लेटफॉर्म के किनारे पर खड़ा दिखाई दे रहा है। एक गहरे रंग के कोट में एक व्यक्ति उसके पीछे से गुजरता है, फिर वापस आकर उसे जोर से धक्का देकर आती हुई ट्रेन के सामने गिरा देता है।

ट्रेन के नीचे से गंभीर हालत में निकाला गया

युवक को धक्का देने के अलावा एक और वीडियो में राहतकर्मी ट्रेन के डिब्बों के बीच से घायल व्यक्ति को निकालकर प्लेटफॉर्म पर लाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर उस व्यक्ति को स्ट्रेचर पर लिटाकर बेलेव्यू अस्पताल ले गए। इस घटना के बाद करीब एक घंटे के लिए उस क्षेत्र की बिजली बंद कर दी गई। दोपहर 4 बजे से कुछ पहले सेवा फिर से शुरू हो गई।

इस घटना ने मेट्रो में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। हालांकि अधिकारियों ने सुरक्षा बढ़ाने के उपाय किए हैं लेकिन इस तरह की घटनाएं यात्रियों में डर पैदा करती हैं। यह देखना होगा कि आगे क्या कदम उठाए जाते हैं और क्या वे यात्रियों को सुरक्षित महसूस कराने में सक्षम होंगे। यह घटना न्यूयॉर्क शहर की मेट्रो प्रणाली में सुरक्षा की चुनौतियों को उजागर करती है और इस बात पर बहस छेड़ती है कि इन मुद्दों का समाधान कैसे किया जाए।

डोनाल्ड ट्रंप ने दी नए साल की शानदार पार्टी

एलन मस्क भी रहे मौजूद

वॉशिंगटन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप द्वारा आयोजित फ्लोरिडा के मार ए लागो बीच पर आयोजित नए साल के जश्न में शामिल हुए। इस समारोह में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क भी मौजूद रहें।

उन्होंने सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम की तस्वीरें साझा की। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में बताया कि उन्हें 2025 के बारे में अच्छा महसूस हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप की टीम ने इस जश्न की तस्वीरें साझा की। जश्न के दौरान पत्रकारों ने ट्रंप से नए साल के संकल्पों के बारे में सवाल किया। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि सभी खुश रहें, स्वस्थ रहें और ठीक रहें। बता दें कि मौजूदा समय में ट्रंप और मस्क एक-दूसरे के समर्थन बनकर उभरे हैं। इससे पहले ट्रंप ने अमेरिका में अप्रवासियों के योगदान पर एलन मस्क के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया था।

स्विट्जरलैंड में बुर्का पहनने पर रोक

कानून तोड़ने पर 96 हजार जुर्माना, ऐसा करने वाला 7वां यूरोपीय देश

बर्न, 1 जनवरी (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड में आज से महिलाओं के पब्लिक प्लेस पर हिजाब, बुर्का या किसी अन्य तरीके से पूरी तरह मुंह ढंकने पर बैन लागू हो गया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इस कानून का उल्लंघन करने पर 1000 स्विस फ्रैंक यानी लगभग 96 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

स्विट्जरलैंड में 2021 में हुए जनमत संग्रह में 51.21% नागरिकों ने बुर्के पर बैन लगाने के पक्ष में वोट किया था। इसके बाद बुर्के पर बैन को लेकर कानून बनाया गया था, जो आज यानी 1 जनवरी 2025 (नए साल) से शुरू हो रहा है।

स्विट्जरलैंड से पहले बेल्जियम, फ्रांस, डेनमार्क, ऑसट्रिया, नीदरलैंड, और बुलगारिया में भी इसे लेकर कानून बनाया जा चुका है। इस कानून के बाद महिलाएं सार्वजनिक जगहों जैसे पब्लिक ऑफिस, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, रेस्ट्रां, दुकान और अन्य

जगहों पर महिलाएं अपना चेहरा पूरी नहीं ढक सकेंगी।

2022 में स्विट्जरलैंड की संसद के निचले सदन राष्ट्रीय परिषद में चेहरे ढंकने पर बैन को लेकर बनाए गए कानून पर वोटिंग की गई थी। इस दौरान 151 सदस्य ने पक्ष में और 29 सदस्यों ने विरोध में वोट दिया था। जिसके बाद इसे लेकर कानून बनाया गया था। यह प्रस्ताव दक्षिणपंथी स्विस पीपुल्स पार्टी (एसवीपी) ने रखा था, जबकि सेंट्रल और ग्रीन्स पार्टी इसके खिलाफ थी। कुछ लोगों का कहना है कि यह कानून मुस्लिम महिलाओं को गलत तरीके से निशाना बनाता है। इस कानून का सपोर्ट करने वालों का दावा है कि कल्चरल वैल्यू और पब्लिक प्लेस पर सुरक्षा के लिए यह एक जरूरी कदम है। ल्यूसर्न यूनिवर्सिटी के 2021 के एक रिसर्च के मुताबिक स्विट्जरलैंड में न के बराबर ही कोई बुर्का पहनता है। यहां सिर्फ 30 महिलाएं ही नकाब पहनती हैं। 2021 तक स्विट्जरलैंड की 86 लाख की आबादी में लगभग 5% ही मुस्लिम थे, जिनमें से ज्यादातर तुर्किये, बोस्निया और कोसोवो से हैं। इससे पहले 2009 में जनमत संग्रह के जरिए ही मीनारों के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यह प्रस्ताव भी एसवीपी पार्टी ने ही रखा था।

कीव ने मॉस्को के साथ गैस समझौते को आगे बढ़ाने से किया इनकार

गैजप्रोम ने यूक्रेन से रोकी सप्लाई

मॉस्को, 1 जनवरी (एजेंसियां)। रूस की समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी स्वामित्व वाली ऊर्जा कंपनी गैजप्रोम ने बुधवार को कहा कि उसने यूक्रेन के माध्यम से गैस की आपूर्ति रोक दी है, क्योंकि कीव ने मॉस्को के साथ गैस ट्रांजिट समझौते को बढ़ाने से मना कर दिया था। ऊर्जा कंपनी गैजप्रोम ने एक बयान में कहा कि गैजप्रोम और यूक्रेन की नाफ़्टोगाज के बीच पांच साल का समझौता 1 जनवरी को खत्म हो गया था।

गैजप्रोम के बयान में कहा गया, 'चूंकि यूक्रेन ने बार-बार और स्पष्ट रूप से इन समझौतों को बढ़ाने से मना कर दिया, गैजप्रोम को 1 जनवरी 2025 से यूक्रेन के माध्यम से गैस आपूर्ति करने की तकनीकी और कानूनी क्षमता नहीं रही।

पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग लड़ सकती है आम चुनाव

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताई वजह

ढाका, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में आम चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारी शुरू कर दी है। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने कहा कि जब तक अंतरिम सरकार या न्यायपालिका प्रतिबंध नहीं लगाती है, तब तक पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग आम चुनाव में भाग ले सकती है। सोमवार को चटगांव सर्किट हाउस में चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने कहा कि चुनाव आयोग पूरी स्वतंत्रता से काम करता है और उस पर कोई दबाव नहीं है। हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। चुनाव आयुक्त ने पिछले चुनाव में फर्जी मतदाता बनाए जाने की बात स्वीकार की। साथ ही मतदाता पंजीकरण में

गिरावट की वजह मतदान प्रक्रिया में बढ़ रहा लोगों का अविश्वास बताया। उन्होंने जल्द ही मतदाता सूची को अपडेट करने का एलान किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची अगले छह महीने में अपडेट कर दी जाएगी। इस बार चुनाव पिछले पैटर्न पर नहीं होंगे। पांच अगस्त के बाद से चुनावी मामलों पर राष्ट्रीय सहमति बनी है। उन्होंने मतदाता सूची अपडेट करने और चुनाव की तैयारियां करने के निर्देश दिए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को मतदान के लिए न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष करने का सुझाव दिया था। यूनुस ने कहा था कि युवाओं को अपने भविष्य पर अपनी राय देने का अधिकार होना चाहिए। इसलिए मुझे लगता है कि उनके लिए मतदान की न्यूनतम आयु 17 साल की जानी चाहिए।

इसका बांग्लादेश नेशनल पार्टी ने विरोध किया था। बीएनपी ने कहा कि इससे चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ेगा और चुनाव प्रक्रिया में भी देरी हो सकती है। यूनुस ने 16 दिसंबर को विजय दिवस के मौके पर अपने संबोधन में संकेत दिया था कि चुनाव 2026 की शुरुआत तक हो सकते हैं।

हजीरा की कंपनी में आग से 4 कर्मचारियों की मौत

यूनिट दोबारा शुरू करते समय हुआ हादसा, लिफ्ट में फंस गए थे 4 कर्मचारी

सूरत, 1 जनवरी (एजेंसियां)। साल के आखिरी दिन गुजरात में सूरत जिले के हजीरा में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां कंपनी के प्लांट में आग लगने से एक सुपरवाइजर समेत 4 ठेका कर्मचारियों की मौत हो गई। एक घायल कर्मचारी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। हजीरा स्थित एएम/एनएस कंपनी के कोरेक्स-2 प्लांट में मंगलवार की शाम को भीषण आग लग गई।

प्लांट में लिक्विड मेटल बनाया जाता है

सूरत के हजीरा स्थित एएम/एनएस कंपनी के कोरेक्स-2 प्लांट में अचानक आग लग गई। इस प्लांट में लिक्विड मेटल बनाने की प्रक्रिया होती है। आग टु इयर प्लेटफॉर्म से शुरू होकर लिफ्ट तक पहुंच गई थी। इससे लिफ्ट में फंसे 4 कर्मचारी गंभीर

रूप से झुलस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 कर्मचारी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू

कंपनी के संबंधित अधिकारी और फायर विभाग इस घटना के संबंध में अधिक जानकारी जुटा रहे हैं। साल के आखिरी दिन हुई इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक फैल गया है। वहीं, कंपनी की तरफ से कहा गया है कि हादसे के बाद इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू कर घटनास्थल को सील कर दिया गया है। मृतकों के नाम धवल कुमार, गणेश पटेल, जिग्नेश दिलीप पारेख और संदीप पटेल हैं।

हादसा मंगलवार को शाम 6 बजे यूनिट बंद होने के बाद दोबारा चालू करते समय हुआ। पास की लिफ्ट (एलिवेटर) पर रखरखाव कर रहे एक निजी कंपनी के 4 कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी इस हादसे में फंस गए और बच नहीं सके। एक कर्मचारी को मामूली चोटें आईं और उसे तुरंत प्लांट परिसर के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। पता चला है कि कंपनी ने स्थानीय दमकल विभाग को इसकी सूचना नहीं दी, बल्कि अपने स्तर पर ही आग बुझाने का प्रयास किया।

हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिजन देर रात सिविल अस्पताल पहुंच गए।

झारखंड में ठिठुरन भरा है साल का पहला दिन

उत्तर-पश्चिम की पहाड़ी हवा ने बढ़ाई ठंड, रांची का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस गिरा

रांची, 1 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में साल का पहला दिन ठिठुरन भरा है। कुहासे और सर्द हवा के साथ दिन की शुरुआत हुई है। हालांकि मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि दिन चढ़ने के साथ सूरज भी निकलेगा। इससे तापमान में थोड़ा बदलाव आएगा। कुहासे के बीच आज राजधानी रांची का तापमान 9 डिग्री सेल्सियस पहुंचा हुआ है। सोमवार से बुधवार तक रांची के तापमान में 5 से 6 डिग्री तक गिरा है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर खत्म हो गया है। इसी बीच उत्तर-पश्चिम की ओर से आ रही पहाड़ी हवाओं ने राज्य में ठिठुरन बढ़ा दी है। हवाओं की रफ्तार भी तेज है। ऐसे में इस ठंडी हवा की वजह से न्यूनतम तापमान वर्तमान से और कम होगा।

यूएई में विमान दुर्घटना, 26 साल के भारतीय मूल के डॉक्टर और पाकिस्तानी महिला पायलट की मौत

दुबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रस अल खैमाह के तट पर एक हल्का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। इस हादसे में भारतीय मूल के 26 वर्षीय डॉक्टर और एक पाकिस्तानी महिला पायलट की मौत हो गई। यह विमान हादसा रविवार को हुआ है। यूएई ने एविएशन अथॉरिटी ने इस हादसे की दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे में जान गंवाने वाले डॉक्टर सुलेमान अल मजीद यूके के काउंट्री डरहम एंड डर्लिंगटन एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट में कार्यरत थे। हादसे में मारी गई पाकिस्तानी महिला पायलट भी 26 वर्ष की थीं। यह हादसा ऐसे

समय हुआ है, जब अजरबैजान और दक्षिण कोरिया के प्लेन क्रैश से दुनियाभर में दुख है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस विमान को दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए विमान किराए पर लिया था। रविवार दोपहर 2 बजे के आसपास कोव रोटाना होटल के पास समुद्र तट के करीब विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। डॉक्टर सुलेमान के पितामजीद मुकर्रम और परिवार के सदस्य उड़ान देखने के लिए विमानन क्लब में मौजूद थे। शुरुआत में परिवार को बताया गया कि ग्लाइडर का रेडियो संपर्क टूट गया है। बाद में उन्हें बताया गया कि विमान की आपातकालीन लैंडिंग हुई है। हादसे में घायल दोनों लोगों को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। डॉक्टर सुलेमान का अंतिम संस्कार रविवार शाम को अल घुसैस कब्रिस्तान में किया गया। सुलेमान के पिता मजीद मुकर्रम ने हादसे के बाद कहा, 'पहले हमें बताया गया कि ग्लाइडर का रेडियो संपर्क टूट गया है।बाद में अलग-अलग बातें कही गईं। इसके बाद जब हम अस्पताल पहुंचे तो हमें कहा गया कि दोनों यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। इसके बाद उनके मौत की बात सामने आई।'

डॉक्टर सुलेमान ब्रिटिश चिकित्सा समुदाय में अपनी सक्रियता के लिए जाने जाते थे। वे ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन की उत्तरी रेजिडेंट डॉक्टर्स कमेटी के मानद सचिव और बाद में सह-अध्यक्ष रहे थे। उन्होंने ही जूनियर डॉक्टर्स का नाम बदलकर रेजिडेंट डॉक्टर्स करने के लिए भी अभियान चलाया। सुलेमान ने यूके में चिकित्सा पेशेवरों के वेतन बहाली के लिए भी जोरदार वकालत की थी।

न्यू-ईयर सेलिब्रेट कर लौट रहे 3 दोस्तों की मौत

जशपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नए साल का जश्न मनाकर लौट रहे 3 दोस्तों की मौत हो गई। जबकि एक युवक की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि, चारों बाइक सवार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गए। घटना तपकरा थाना क्षेत्र की है। हादसे में मरने वालों की पहचान एलेन्स तिर्की (18) निवासी खरीबहार, दीपसन टोप्पो (18) निवासी बांसाझाल, रोहित चौहान (17) के रूप में हुई है। वहीं, आदित्य बड़ा (18) निवासी बासाझाल की हालत नाजुक है। जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, 4 दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर तपकरा की ओर नए साल का जश्न मनाने गए थे। s

नाली में मिला युवक का शव, आक्रोशित परिजनों का प्रदर्शन

भीड़ नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने चटकाई लाठियां, एक हिरासत में

धनबाद, 1 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद में बुधवार को एक युवक का शव मिलने के बाद उसके परिजनों ने हंगामा कर दिया। आक्रोशित परिजनों ने सड़क पर टायर जलाया और थाना के बाहर जमकर नारेबाजी की। घटना बैंक मोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत विकास नगर की है। परिजन हिरासत में लिए गए एक युवक को भीड़ को सौंपने की मांग कर रहे थे। पुलिस के काफी समझाने के बाद भी जब लोग नहीं माने तो पुलिसकर्मियों ने लाठी चटकाई और भीड़ तितर-बितर किया। इधर, पुलिस ने हिरासत में लिए युवक को बैंक मोड़ थाना से किसी और स्थान पर पहुंचाया। वहीं, मृतक की पहचान रवि

कुमार के रूप में की गई। उसका शव बुधवार की सुबह एक नाली में पड़ा मिला। परिजनों ने आकाश नामक युवक पर रवि की हत्या का आरोप लगाया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आकाश को हिरासत में ले लिया और पूछताछ में जुट गई। इधर, रवि के परिजन इतना उग्र हो गए कि वो थाना के गेट के बाहर प्रदर्शन करने लगे। परिजनों ने हिरासत में लिए गए आकाश को भीड़ को सौंपने की मांग करने लगे। इसके बाद पुलिस ने लाठी चटकाकर लोगों को वहां से भगाया। मृतक रवि कुमार का एक बच्चा है। उसकी पत्नी गर्भवती है। परिजनों ने बताया कि रवि रात घर से निकला था और सुबह वापस नहीं पहुंचा। कुछ लोगों ने बताया कि नाली में शव पड़ा है। जब मौके पर परिजन पहुंचे तो रवि की पहचान की गई। वहीं, आरोपी आकाश कुमार मनईटांड का रहने वाला है।

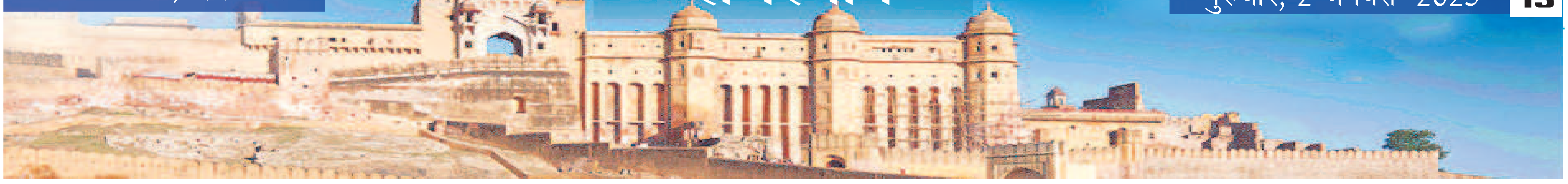

नए जिले रद्द होने से शिक्षकों का बदला भूगोल

88 हजार टीचर के तबादले पर लटकी तलवार

बीकानेर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बृजमोहन आचार्य। कांग्रेस सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में अब आधा शिक्षा सत्र बीतने के बाद ही शिक्षकों का पदस्थापन किया जा सकेगा। हालांकि, उन शिक्षकों के सामने यह संकट खड़ा हो गया है, जिन्होंने अपने गृह जिलों में आने के लिए चयन परीक्षा दी थी। उनका चयन भी हो गया, लेकिन अब सरकार ने प्रदेश में 9 जिलों को ही समाप्त कर दिया है।

ऐसे में चयनित शिक्षकों के घर आने का भूगोल ही बदल गया है। चयनित शिक्षकों के जनवरी में पदस्थापन आदेश जारी होने की संभावना है। प्रदेश के 3737 अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के लिए 88 हजार शिक्षकों ने चयन परीक्षा दी थी सबसे बड़ी संख्या तृतीय श्रेणी शिक्षकों की थी, जिनके तबादले लंबे समय से नहीं हो रहे हैं।

इस रास्ते से उन्हें गृह या आस पास पदस्थापन मिलने की आस थी। लेकिन एक बार फिर उनके गृह जिले में जाने की उम्मीदों पर सरकार ने नवगठित जिलों की संख्या कम करके पानी फेर दिया। परीक्षा में 30 हजार शिक्षकों का चयन किया गया था। चयन के लिए 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य था।

50 जिलों के हिसाब से मांगे थे आवेदन

जिस समय चयन परीक्षा लिए आवेदन मांगे गए थे, उस समय प्रदेश में 50 जिले थे। लिहाजा, गृह, जिलों में आने के लिए भी शिक्षकों ने आवेदन कर दिए थे। जब पदस्थापन देने का समय आया है, तो राज्य में 9 जिलों को समाप्त ही कर दिया। खत्म किए गए जिलों में आने के इच्छुक उन शिक्षकों का चयन किस आधार पर किस जिले में किया जाए, इसके लिए कोई रास्ता भी नहीं निकाला गया। हालांकि, विभागीय सूत्रों का कहना है कि पदस्थापन देने से पहले विधिक राय ली जाएगी, ताकि बाद में कोई शिक्षक अदालत की शरण में न चला जाए।

उम्मीदों पर फिर गया पानी

थर्ड ग्रेड शिक्षक निर्मल खटाना 2019 से राजकीय प्राथमिक विद्यालय गोलिया तहसील बेगूं जिला चितौड़गढ़ में कार्यरत हैं। उन्होंने अंग्रेजी माध्यम स्कूल में चयन के लिए परीक्षा दी थी, ताकि वे अपने गृह जिले गंगापुरसिटी आ सकें, लेकिन अब गंगापुरसिटी जिले को समाप्त कर दिया गया।

झालावाड़ के डग ब्लॉक में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेलकी के शिक्षक महेंद्र जारा 2019 से कार्यरत हैं। उन्होंने गृह जिले गंगापुरसिटी आने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल के लिए चयन परीक्षा दी थी। उनके चयन के लिए निर्धारित अंक भी हासिल कर लिए। गंगापुरसिटी जिले को समाप्त कर दिया है।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय अमरपुरा अजमेर में कार्यरत शिक्षक श्यामलाल माली का गृह जिला गंगापुरसिटी है। वे यहां पांच साल से कार्यरत हैं। उन्होंने अपने गृह जिले में आने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल की चयन परीक्षा दी थी। अंक भी 40 प्रतिशत से अधिक आए थे। इनकी उम्मीदों पर भी ग्रहण लग गया।

परीक्षा का परिणाम जारी, अब होगा पदस्थापन

अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के विद्यार्थियों को निजी स्कूलों की तरह ही अंग्रेजी में मजबूत करने के लिए अंग्रेजी माध्यम शिक्षकों का ही पदस्थापन करना था। शिक्षा विभागीय परीक्षाएं पंजीयक ने 25 अगस्त को परीक्षा आयोजित कराई। ताकि सितंबर तक परिणाम जारी कर उनका पदस्थापन किया जा सके, लेकिन बोनस अंकों को लेकर मामला अदालत में चला गया। गत दिनों अदालत के फैसले के बाद 23 दिसंबर को चयन परीक्षा का परिणाम जारी किया गया।

भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा- पुराने और सूखे पेड़ गिरेंगे, नए पत्ते उभरेंगे

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल ने अपने ताजा बयान से प्रदेश की राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने भाजपा संगठन और मंत्रिमंडल में बदलाव को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- सत्ता और संगठन में बदलाव स्वाभाविक प्रक्रिया है।

अग्रवाल ने कहा, ₹पुराने पेड़ और सूखे पेड़ गिरेंगे, नए पत्ते उभरेंगे।₹ उन्होंने इसे नई टीम के गठन और संगठन में नए कार्यकर्ताओं के आगमन का संकेत बताया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्रिमंडल और संगठन में पुराने और नए लोगों का संगम होगा। मंत्रिमंडल में वर्तमान में सभी सदस्य अनुभवी हैं लेकिन इसकी भी एक सीमा है। समय के साथ बदलाव स्वाभाविक है।

प्रदेश में नए जिलों और संभागों को खत्म करने के फैसले पर उन्होंने भाजपा सरकार का बचाव करते हुए कहा कि यह निर्णय सोच-समझकर लिया गया है। अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री को राजस्थान की वित्तीय स्थिति का भलीभांति आभास था। पूर्ववर्ती सरकार ने वित्तीय हालात को नजरअंदाज करते हुए नए जिले बनाए थे, ऐसे जिलों को खत्म करना आवश्यक था।

जहां विरोध हो रहा है, वहां के लोग पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा बनाए गए जिलों के खत्म होने से नाराज हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री के जिले को खत्म करने पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कहा, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पूरे प्रदेश के होते हैं, न कि केवल किसी एक जिले के। कांग्रेस उन्हें सिर्फ जिले तक सीमित रखना चाहती है।

संगठन के भीतर किसी प्रकार की असंतुष्टि की बात को खारिज करते हुए उन्होंने कहा- भाजपा में किसी तरह की नाराजगी नहीं है।

पार्टी में सभी मिलकर काम कर रहे हैं। सत्ता और संगठन में सामंजस्य है। अग्रवाल के बयान को भाजपा संगठन में संभावित बदलाव और पार्टी में नए नेतृत्व को बढ़ावा देने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उनके बयान ने प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच चर्चाओं को नया मोड़ दे दिया है।

प्रवीण गुप्ता और भास्कर सावंत बने एसीएस

टीना डाबी समेत 28 आईएएस को मिला प्रमोशन का तोहफा

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा (IPS) और भारतीय वन सेवा का प्रमोशन किया गया है। प्रमोशन की यह लिस्ट साल 2024 के आखिरी दिन जारी हुई। आईएएस प्रमोशन की लिस्ट में 8 अफसरों के पदनाम भी बदले गए हैं। इसमें प्रमुख सचिव प्रवीण गुप्ता व भास्कर आत्माराम सावंत अब अबोव सुपर टाइम स्केल से मुख्य सचिव वेतन श्रृंखला में पदोन्नत होकर एसीएस बन गए हैं। वहीं मंजू राजपाल तथा देवाशीष पृष्टी अबोव सुपर टाइम स्केल में पदोन्नत हो गए हैं। इनके अलावा कुमार पाल गौतम तथा विश्राम मीणा को सुपर टाइम स्केल में पदोन्नत किए गए हैं। रुक्मणी रियार, ओमप्रकाश कसेरा, सिद्धार्थ सिहाग, हिमांशु गुप्ता, नमित मेहता, टीकमचंद बोहरा, हरजीलाल अटल को सिलेक्शन स्केल में पदोन्नति दी गई है।

वहीं टीना डाबी, अतहर अल शफी खान, जसमीत सिंह संधू, अमित यादव, प्रताप सिंह, डॉ. मंजू, रविंद्र गोस्वामी, रोहिताश्व सिंह तोमर,अर्तिका शुक्ला को वरिष्ठ वेतन श्रृंखला में पदोन्नति दी गई है। सरकार ने टीना डाबी को कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया है, जबकि रिया डाबी को कनिष्ठ वेतन श्रृंखला से वरिष्ठ वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है।

इसके साथ ही प्रवीण गुप्ता, भास्कर आत्माराम सांवत, मंजू राजपाल, देबाशीष पृष्टि, कुमार पाल गौतम, विश्राम मीणा, सिद्धार्थ सिहाग, टीकमचंद्र बोहरा जिस विभाग में जिस पद पर थे, उसी विभाग में अब एक पोस्ट ऊपर की जिम्मेदारी संभालेंगे। सिद्धार्थ सिहाग इस समय मुख्यमंत्री के संयुक्त संचिव थे। अब इन्हें विशिष्ट सचिव मुख्यमंत्री बनाया गया है।

सरपंच चुनावों को लेकर आया बड़ा अपडेट

भजनलाल सरकार बना रही प्लान

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल में सरपंच चुनावों को लेकर बड़ा अपडेट आया है। राजस्थान में वन स्टेट, वन इलेक्शन और पंचायत समिति व जिला परिषदों के पुनर्गठन के चलते सरपंचों के चुनाव आगे खिसकना तय है। जिन ग्राम पंचायतों के सरपंचों का कार्यकाल पूरा हो जाएगा, वहां कामकाज किस तरह होगा। सरकार इसका विकल्प तलाश रही है। पहले इन ग्राम पंचायतों में प्रशासक लगाने की योजना थी, लेकिन सरपंचों ने इसका विरोध कर दिया।

सरकार अब मध्य प्रदेश की तर्ज पर ग्राम पंचायतों में कमेटी बनाकर मौजूदा सरपंचों को कमेटी का प्रधान और अन्य सदस्य नियुक्त करके ग्राम पंचायतों में कामकाज कराने के विकल्प पर विचार कर रही है।

यदि इसे मंजूरी मिली तो मौजूदा सरपंच ग्राम प्रधान के रूप में प्रशासक का कार्य कर सकेंगे। इसके अलावा सरकार ने झारखंड और उत्तराखंड राज्य के फॉर्मूले का भी अध्ययन कराया है।

प्रतिनिधिमंडल ने रखा ये प्रस्ताव

राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल के नेतृत्व में सरपंचों के प्रतिनिधिमंडल ने पंचायतीराज सचिव डॉ. जोगाराम से मुलाकात कर सरपंचों का कार्यकाल बढ़ाने के लिए प्रस्ताव रखा।

गांव में टाइगर का हमला, 3 घायल

1 की हालत नाजुक, इलाके में मचा हड़कंप

दौसा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। टाइगर के हमले से दौसा के बांदीकुई में ग्रामीण दहशत में आ गए हैं। टाइगर का हमला महुंखेड़ा गांव में हुआ है। हमले में एक महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं एक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

दहशत का माहौल

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बता दें कि टाइगर के हमले में विनोद मीना गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उप जिला अस्पताल बांदीकुई से जयपुर रेफर किया गया है। वहीं उगा महावर का रैणी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बाबूलाल मीना को बांदीकुई उप जिला अस्पताल ले जाया गया है। टाइगर के हमले के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

बता दें कि बुधवार सुबह कुछ महिलाएं खेतों पर काम करने गई थीं। इस दौरान टाइगर ने सबसे पहले उगा महावर नाम की महिला की पीठ पर हमला किया। शोर सुनकर कई ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद टाइगर ने दो अन्य लोगों पर भी हमला कर घायल कर दिया।

सरिस्का से आएगी टीम

वहीं बांदीकुई वन रेंजर दीपक शर्मा ने इस बात की पुष्टि की है कि गांव में आया जानवर टाइगर ही है। इस संबंध में सरिस्का वन क्षेत्र को जानकारी दे दी गई है। वहां से एक टीम मौके पर पहुंचने वाली है। इसके बाद टाइगर को ट्रेंकुलाइज करके सुरक्षित स्थान पर भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि संभावना है कि यह टाइगर सरिस्का वन क्षेत्र से ही आया है।

जिलों और संभागों की समीक्षा को लेकर उठे सवाल

कमेटी के चेयरमैन पर कांग्रेस ने निशाना साधा

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जिले खत्म करने की घोषणा के बाद बीजेपी ने अपने फैसले के बचाव में तत्कालीन जिला कमेटी के चेयरमैन रिटायर्ड आईएएस रामलुभया को निशाने पर लिया था। अब कांग्रेस ने पलटवार करते हुए जिला समीक्षा कमेटी के चेयरमैन रिटायर्ड आईएएस ललित के. पंवार पर हमला बोल दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जिस ललित के. पंवार को सरकार ने नवगठित जिलों की समीक्षा का काम दिया था, वे खुद बीजेपी के कार्यकर्ता थे।

डोटासरा ने सीएम भजनलाल शर्मा को कांग्रेस और बीजेपी राज में जिलों पर बनी कमेटियों के मापदंड पर बहस करवाने की चुनौती भी दे दी। उन्होंने कहा- मैं मुख्यमंत्री से मांग करूंगा कि वे अपनी तरफ से किसी को भी भेज दें (डेप्यूट करें), हम कांग्रेस पार्टी की तरफ से भी डेप्यूट कर देंगे। वे बताएंगे कि जिलों की इस कमेटी में क्या मापदंड थे, हमारी कमेटी में क्या मापदंड थे? जनता की इच्छा और मांग के मुताबिक हमने काम किया। आपने बीजेपी के कार्यकर्ता ललित के. पंवार से 9 जिले और 3 संभाग खत्म करवा दिए। अगर उनको लग रहा था कि किसी राजस्व गांव, सीमा को अलग करना था तो वे कर सकते थे। सरकार के पास इस काम को करने के लिए पूरे 12 महीने थे।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आज पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह की श्रद्धांजलि सभा के बाद डोटासरा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हमने नए जिले, संभाग इसलिए बनाए थे ताकि लोगों को सुविधा मिले। हर गरीब व्यक्ति अपना काम करवाने एसडीएम, बीडीओ, कलेक्टर, संभागीय आयुक्त के पास जा सके। उन्होंने कहा कि इन्होंने लोगों की सुविधाओं के लिए हमारी सरकार के बनाए गए जिले, संभाग खत्म कर दिए। इस सरकार की केवल एक उपलब्धि है कि दिल्ली से पर्ची आई और उसी पर्ची को पढ़ दिया। उसके अलावा कोई उपलब्धि नहीं है।

डोटासरा ने कहा- इस सरकार ने सालभर में कुछ नहीं किया। सड़क और सदन के अंदर कांग्रेस पार्टी आम जनता के हितों के लिए इस सरकार को घेरेगी। पर्ची सरकार ने जो कुठाराघात किया है, उनसे लड़ाई लड़ेंगे और इन्हें झुकाकर रहेंगे।

हनीट्रैप गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस ने 3 को किया गिरफ्तार

राजसमंद, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत कांकरोली पुलिस ने हनीट्रैप में फंसाने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश कर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 30 दिसंबर को राजसमंद निवासी व्यापारी ने थाने में रिपोर्ट दी कि मेरे मोबाइल पर करीब डेढ़ माह से एक शालिनी नामक महिला फोन कर प्यार भरी बातें कर मिलने के लिए दबाव बना रही है।

युवती ने 30 दिसंबर को एक बजे नाथद्वारा हाईवे पर स्थित त्रिनेत्र सर्किल पर मिलने बुलाया। वहां वह महिला मेरी गाडी बैठ गई। मुझे बातों में उलझाया। इसी दौरान चार व्यक्ति गाडी के पास आए व उस औरत को अपनी पत्नी बता कर मेरे व महिला के वीडियो बनाकर मुझे धमकाया। मेरी गाड़ी में बैठकर मादडी पुलिया पर लेकर गए। जहां वीडियो व फोटो मेरे परिजनों को भेजने व सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी और 5 लाख रुपएस की मांग की।

रुपए नहीं होने पर पांचों आरोपी कांकरोली छोडकर कार लूटकर ले गए। वे बार- बार फोन से रुपयों की मांग करते रहे। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थानाधिकारी हनवन्त सिंह सोढा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। आरोपियों ने पीड़ित को पांच लाख रूपए के साथ पीपरडा से आगे नाथद्वारा की तरफ से आने वाली फोरलाइन की सर्विस लाईन स्थित होटल भाग्योदय के पास सुनसान जगह बुलाया।

वह रात करीब 10.30 वहां पहुंचा। रात करीब 11 बजे एक कार में दो व्यक्ति व एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आए। रैकी में संतोष होने पर आरोपियों ने रूपए की मांग की। पीड़ित ने बातों में उलझाकर उसे पांच हजार और बाकी का चैक से भुगतान करने की कही। इसी बीच पीड़ित ने मौका देख पुलिस को इशारा किया।

जिस पर टीम ने आरोपियों को घेरकर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम संजु उर्फ सोनू वैष्णव निवासी देवगांव थाना कांकरोली, योगेश उर्फ राजेश गुर्जर निवासी देवगांव थाना कांकरोली और कमलेश वैष्णव निवासी छापरी थाना गंगापुर जिला भीलवाडा बताया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 हजार रुपए नकद व 4,95000 रूपये का चैक व कार बरामद कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामेन आया कि आरोपियों द्वारा सुनीता उर्फ शालिनी लखारा निवासी उदयपुर व गिरोह के अन्य सदस्य अबालाल निवासी नेगडिया जिला भीलवाडा के साथ मिलकर हनी ट्रैप योजना करना बताया। गिरोह का मुख्य सरगना जन्नतबानु निवासी जलचक्की कांकरोली का होना बताया। गिरोह ने कांकरोली व आस-पास के क्षेत्र में रहने वाले सोने-चांदी के व्यापारी, धनवान व्यक्तियों को हनी ट्रैप करने की ओर वारदातें भी कबूल की है। गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना की गई है।

भीषण सड़क हादसा, मातम में बदलीं नए साल की खुशियां, पिता-बेटे और पुत्रवधु की मौत

भरतपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के डीग में हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा पलवल सोहना मार्ग पर धतीर पुलिस चौकी के पास हुआ था। दरअसल यहां पर दो गाड़ियों की भीषण टक्कर हो गई थी। इस हादसे में पिता, पुत्र और पुत्रवधु की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मृतक कामां क्षेत्र के गांव सहेडा के निवासी थे। ये सभी कार में सवार होकर हरियाणा जा रहे थे। इस हादसे में 65 साल के डिब्बन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बेटे कुंवर सिंह ने गुरुराम अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वहीं पुत्रवधु लता की दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में प्रिंस और लोकेश जावट भी घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पलवल शहर थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है। स्कॉर्पियो ड्राइवर की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। सहेडा गांव में तीनों शवों का एक साथ अंतिम संस्कार होगा। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को कब्जे में ले लिया है।

ख्वाब दिखाकर करता था ठगी, ऐशो-आराम में उड़ाता था पैसे

नागौर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। लोगों को बिना निवेश पैसे कमाने के झूठे ख्वाब दिखाकर ठगी करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस एक युवक को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में युवक ने जब ठगी का तरीका बताया तो पुलिस अधिकारी तक दंग रह गए। अठियासन का मनीष झींझा अब तक हजारों लोगों को ठगी का शिकार बना चुका है। नवाबों वाले शौक रखने वाला मनीष 25 लाख की लग्जरी गाड़ी में घूमता है।

थानाधिकारी वेदपाल शिवरान ने बताया कि मनीष अब तक हजारों लोगों को ठगी का शिकार बना चुका है, लेकिन किसी ने भी थाने में इसकी शिकायत नहीं की, क्योंकि एक व्यक्ति से ठगी की राशि मात्र 999 रुपए है। इतनी छोटी राशि के लिए किसी ने थाने आने की जहमत नहीं उठाई। मनीष कोई आइआइटी होल्डर या कम्प्यूटरसॉफ्टवेयर इंजीनियर नहीं है। वह कला वर्ग का छात्र है और नागौर के मिर्धा कॉलेज से राजनीति विज्ञान में एमए किया है, लेकिन दिमाग ऐसा है कि बड़े-बड़े ठग भी उसके आगे बौने साबित हो गए। मनीष ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह टेलीग्राम पर अलग-अलग चैनल बनाकर लोगों को फंसाता और ठगी करने के बाद चैनल बंद करके दूसरा शुरू कर देता। इसके लिए वह ऑनलाइन काम करने वाले यूजर के मोबाइल नम्बर वेबसाइट से लेकर उन्हें वाट्सएप पर मैसेज करता। फिर उन्हें टेलीग्राम चैनल से जोड़कर उनको दूसरे नम्बर को जोड़ने के लिए कहता। साथ ही यह लालच देता कि जितने ज्यादा लोगों को जोड़ोगे, आपको उतने ज्यादा पैसे मिलेंगे। इस काम को जो लोग करते, उन्हें ऑनलाइन यह भी बताया जाता है कि आपके इतने पैसे जुड़ गए हैं। 12 से 18 हजार रुपए होने के बाद उन्हें राशि निकालने (विड्रो) के लिए पहले 999 रुपए का रिचार्ज करने के लिए कहता, जिसके लिए अपने खाते का क्यूआर कोड भेजता। एक बार रुपए आने के बाद उससे बात करना बंद कर देता। चैनल के ज्यादातर लोगों से ठगी करने के बाद वह चैनल ही बंद कर देता।

थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी ने उसने यूथ एनर्जी, ग्रो टूगेदर, फ्लाई विंग्स, विजन इंडिया जैसे चैनल बनाए और ठगी की।

पहले किया अपहरण, फिर रेप कर बिहार के जंगल में फेंका, लड़की की हो गई मौत

पाली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जैतारण थाना क्षेत्र से करीब दो वर्ष पूर्व लापता हुई युवती की चार दिन पूर्व जोधपुर एम्स में उपचार के दौरान मौत हो गई। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा। मृतका के पिता ने बताया कि कारोलिया निवासी राकेश सीरवी उसकी पुत्री को दो वर्ष पूर्व अपहरण कर ले गया।

बाद में उससे बलात्कार कर मारपीट कर बिहार के कैमोर जिले में जंगल में छोड़कर भाग गया। परिजनों ने उसे जोधपुर एम्स में भर्ती करवाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ मारपीट, अपहरण कर हत्या का मामला दर्ज किया। जैतारण थाना प्रभारी धोलाराम परिहार ने बताया कि मृतका के एक पुत्र होना भी बताया जा रहा है, लेकिन अभी तक जांच का विषय है कि वह लड़का कहां है। पुलिस आरोपी की तलाश में अलग अलग टीमें गठित की है। वहीं दूसरी तरफ पाली शहर के इंद्रा कॉलोनी स्थित चीमा बाई स्कूल के निकट एक मकान के बाहर तीन युवकों ने नशे की हालत में कबाड़ हालत में पड़ी साइकिल चुराने का प्रयास किया। इस दौरान युवकों ने उत्पात मचाया।

मुख्यमंत्री रैतु भरोसा में कटौती की योजना बना रहे हैं : हरीश राव

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व बीआरएस मंत्री टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की है, क्योंकि उन्होंने रैतु भरोसा योजना के तहत मौद्रिक लाभ में कटौती करने के लिए कदम उठाए हैं। संगारेड्डी में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जिन्होंने विपक्ष में रहते हुए तीन फसलों के लिए रैतु बंधु की मांग की थी, अब रबी सीजन के लिए लाभ छोड़ रहे हैं और बरसात के मौसम के लिए इसमें कटौती करने की योजना बना रहे हैं। हरीश राव ने आरोप लगाया, "कृषि ऋण माफी योजना में पहले ही धोखाधड़ी कर चुके रेवंत रेड्डी रैतु भरोसा योजना में कटौती करके एक और धोखाधड़ी की तैयारी कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि रायतु भरोसा योजना के नाम पर किसानों से स्व-घोषणा के साथ आवेदन करने के लिए कहा जा रहा है और शर्तों और घोषणाओं के नाम पर किसानों का अपमान किया जा रहा है। "आप किसानों से इतने थक क्यों गए हैं? क्या किसानों को फिर से कार्यालयों और कांग्रेस नेताओं के चक्कर लगाने चाहिए? उन्होंने दावा किया कि केसीआर के कार्यकाल में बिना किसी रोक-टोक के किसानों के खातों में पैसा जमा किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा किए गए चुनावी वादों के अनुसार किसानों को प्रति एकड़ 15,000 रुपये दिए जाने चाहिए। रेवंत रेड्डी यह कहकर खबरें लीक कर रहे हैं कि केवल फसल उगाने वाले किसानों को ही रैतु भरोसा योजना के तहत लाभ मिलेगा।

वह कह रहे हैं कि वह इसे वाणिज्यिक फसलों और कपास जैसे फलों के बागों के किसानों को केवल एक बार देंगे। इससे उन किसानों को नुकसान होगा। उनके पास बहुत अधिक निवेश भी है और वे खेती उन लोगों द्वारा की जाती है जिनके पास अधिक सिंचाई सुविधा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पहाड़ियों में फसलों की खेती नगण्य है और यदि उनके लाभ में कटौती की गई तो आदिवासी किसानों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक फसलें और वर्षा आधारित फसलें ज्यादातर एससी और एसटी किसान करते हैं उन्होंने आरोप लगाया कि भूमिहीन गरीबों को दी जाने वाली 12,000 रुपये की सहायता राशि में कटौती करने का प्रयास किया जा रहा है और कहा कि इस योजना में भी शर्तों और कटौती के साथ लाभ से बचने का प्रयास किया गया है।उन्होंने दावा किया कि राज्य में कांग्रेस पार्टी के एक साल के शासन में अपराध दर में वृद्धि हुई है। हरीश राव ने आलोचना की कि सीएम रेवंत रेड्डी तेलंगाना पुलिस, जो देश में सर्वश्रेष्ठ है, का राजनीतिक गुटों के लिए दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि पुलिस कर्मचारियों का टीए 15 दिनों से घटाकर 7 दिन कर दिया गया है और कहा कि उनके सरेंडर लीव और स्टेशन भत्ते के बिल लंबित हैं। उन्होंने आलोचना की कि पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा कार्ड काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर सभी पुलिस कर्मियों के बीच समान वेतन की मांग करने पर 10 टीजीएसएसपी पुलिस को उनकी नौकरी से बर्खास्त करने का आरोप लगाया।

बीकानेर के पूर्व राजघराने का बुआ-भतीजी विवाद

राज्यश्री बोलीं- सिद्धी कुमारी ने जूनागढ़-लालगढ़ के आगे बाउंसर खड़े किए, राजपरिवार की इज्जत रखनी है

बीकानेर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बीकानेर के पूर्व राजघराने के संपत्ति विवाद को लेकर बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी को बड़ा झटका लगा है। कुछ समय पहले देवस्थान विभाग ने भाजपा विधायक सिद्धि कुमारी के पक्ष में फैसला दिया था। अब उसी देवस्थान विभाग ने अपने फैसले को बदल दिया है। इससे एक बार फिर राज्यश्री कुमारी (सिद्धि कुमारी की बुआ) के प्रभाव वाले ट्रस्ट को मजबूती मिल गई है।

देवस्थान विभाग के नए आदेश के तहत राज्यश्री कुमारी, मधुलिका कुमारी, हनुवंत सिंह को ट्रस्टी मान लिया गया है। ये फैसला मुंबई हाईकोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए दिया गया है। राज्यश्री अब ट्रस्ट के अधीन आए जूनागढ़, लालगढ़ सहित अन्य संपत्तियों पर दौरा कर सकती हैं। राज्यश्री ने कहा- वह किसी भी विवाद से बचना चाहती है। राजपरिवार की इज्जत उन्हें रखनी है।

अपने पक्ष में आए फैसले के बाद राज्यश्री ने मीडिया से बात करते हुए अपनी भतीजी सिद्धि कुमारी पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा- जब से उनकी माता सुशीला देवी का निधन हुआ है, तब से सिद्धि कुमारी उन्हें परेशान कर रही हैं। उनके खिलाफ पुलिस थानों में झूठे मामले तक दर्ज करा दिए। जूनियर स्टाफ के खिलाफ भी मामले दर्ज करा दिए। इतना ही नहीं जूनागढ़ और लालगढ़ के आगे बाउंसर खड़े कर दिए हैं ताकि हम अंदर नहीं जा सकें।

विधायक सिद्धि कुमारी ने राजपरिवार के संबंधित ट्रस्टों में राज्यश्री कुमारी, मुधलिका कुमारी, हनुवंत सिंह और रीमा हूजा को ट्रस्टी हटा दिया था। इसके बाद अपने पक्ष के संजय शर्मा, धीरज भोजक, मनीष शर्मा, मदन सिंह को ट्रस्टी बनाया था। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त ने 27 मई 2024 को इस पर मुहर लगा दी थी। फैसले में सिद्धि कुमारी को परिवार का वरिष्ठ सदस्य माना गया था और वर्किंग ट्रस्टी हनुवंत सिंह के हस्ताक्षर को फर्जी माना गया था। राजमाता सुशीला कुमारी (सिद्धि कुमारी की दादी) की वसीयत से पुराने ट्रस्टी को हटाकर नए ट्रस्टी स्वीकार कर लिए थे। इस आदेश के खिलाफ हनुवंत सिंह ने देवस्थान विभाग उदयपुर के आयुक्त के सामने अपील दायर की थी।

चंद्रबाबू ने दुर्गा मंदिर में पूजा की

विजयवाड़ा, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आज विजयवाड़ा में इंद्रकीलाद्री पर स्थित कनक दुर्गा मंदिर का दौरा किया। मंदिर के पुजारियों और कर्मचारियों ने उनका पूर्णकुंभम के साथ स्वागत किया। दर्शन के बाद, विद्वानों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद दिया। उन्होंने उन्हें तीर्थ प्रसाद भी भेंट किया। नए साल के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। दर्शन के बाद सीएम चंद्रबाबू ने मीडिया से बात की। उन्होंने तेलुगू राज्यों के साथ-साथ विदेशों में रहने वाले सभी भारतीयों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उन्हें दुर्गम्मा मंदिर में आकर खुशी हुई।

चंद्रबाबू ने कहा कि वह प्रार्थना करते हैं कि सभी की आय बढ़े और वे खुश रहें।

सीएम ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की इस बीच, सीएम चंद्रबाबू ने राजभवन में राज्यपाल न्यायमूर्ति अब्दुल नजीर से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने एक-दूसरे को नए साल की शुभकामनाएं दीं। सीएम चंद्रबाबू ने राज्यपाल के साथ नए साल के लिए सरकार के लक्ष्यों पर चर्चा की।

महिला ने गाचीबोवली में की आत्महत्या

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गाचीबोवली में एक 31 वर्षीय महिला ने सरकारी नौकरी न मिलने से परेशान होकर अपने घर में आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश की मूल निवासी वी बालमणि (31) अपने पति और बच्चों के साथ शहर के गाचीबोवली में रहती थीं। मंगलवार की रात महिला ने अपने परिवार के साथ खाना खाया और बाद में सभी सोने चले गए।

गाचीबोवली के सब इंस्पेक्टर के शशिपाल रेड्डी ने बताया कि बुधवार की सुबह परिवार के सदस्यों ने बालमणि को उनके घर के एक कमरे में पंखे से लटकता हुआ पाया। उनके पति ने हमें बताया कि वह सरकारी नौकरी न मिलने के कारण डिप्रेशन में चली गई थीं, हालांकि उन्होंने आंध्र प्रदेश में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में भाग लिया था। मामला दर्ज कर लिया गया है।

बिना पूर्व अनुमति के सार्वजनिक कार्यक्रमों, बैठकों और रैलियों पर रोक : एसपी

कुमरमभीम आसिफाबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 1 जनवरी से 31 जनवरी तक पूरे जिले में पुलिस एक्ट के 30 प्रावधान लागू रहेंगे, उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई। यह बात जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने कही। कानून एवं व्यवस्था के मद्देनजर जिले के एसपी डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस ने कहा कि पूरे जिले में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए 1 जनवरी से 31 जनवरी 30 पुलिस एक्ट लागू रहेगा। इस संबंध में जिला पुलिस कार्यालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर खुलासा किया। जिले में पुलिस अधिनियम-1861 की धारा 30 लागू है।

उन्होंने कहा कि डीएसपी या उच्च पुलिस पदाधिकारियों की पूर्वानुमति के बिना कोई भी सार्वजनिक सभा, जुलूस, धरना, आमसभा आदि का आयोजन नहीं किया जाना चाहिए। कोई भी प्रतिबंधित हथियार नहीं होना चाहिए और कोई भी ऐसा हथियार नहीं होना चाहिए जिसका इस्तेमाल दुर्भावनापूर्ण इरादे से अपराध करने के लिए किया जा सके। उन्होंने कहा कि शर्मनाक सार्वजनिक समारोहों और लोगों का जमावड़ा जिससे सार्वजनिक जीवन में असुविधा और झुंझलाहट हो, पूरी तरह से प्रतिबंधित है। यदि कोई कानून द्वारा जारी आदेशों की अवहेलना करता है तो वह दंड का भागी होगा। प्रतिबंध में सभी को नियमों का पालन करना होगा. किसी भी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पहले से आवेदन करने और अनुमति लेने की सलाह दी गई है।

प्रियंका गांधी निजी दौरे पर शिमला पहुंचीं

अगले कुछ दिन यहीं रहेंगी, बच्चे 3 दिन पहले ही छराबड़ा पहुंचे

शिमला, 1 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव व वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी बुधवार को शिमला पहुंच गई हैं। प्रियंका गांधी दोपहर करीब डेढ़ बजे छराबड़ा पहुंचीं। बताया जा रहा है कि प्रियंका के दोनों बच्चे 3 दिन पहले ही शिमला पहुंच गए थे, लेकिन प्रियंका गांधी आज चंडीगढ़ से सड़क मार्ग से होते हुए छराबड़ा पहुंची। प्रियंका गांधी का यह निजी दौरे बताया जा रहा हैं और उनके बच्चे बर्फ देखना चाह रहे थे। इसलिए प्रियंका गांधी शिमला पहुंची हैं।

बता दें कि शिमला से लगभग 14 किलोमीटर दूर छराबड़ा में प्रियंका गांधी ने अपना मकान बना रखा है। प्रियंका अक्सर छराबड़ा आती रहती है। उनके साथ राहुल गांधी, सोनिया गांधी और रोबर्ट वाड्रा भी कई भी छराबड़ा आते रहे हैं। छराबड़ा में हर साल अच्छी बर्फबारी होती है। ऐसे में प्रियंका के बच्चे आने वाले दिनों में यहां बर्फ देख सकेंगे। प्रियंका गांधी अपने बच्चों के साथ यहां अगले पांच-छह दिन तक रुकेगी। हालांकि आधिकारिक तौर पर उनका कोई प्रोग्राम नहीं आया है।

बड़े उत्साह के साथ मनाया नया साल

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भर में लोगों ने नए साल के आगमन का उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। कई लोगों ने नाच-गाकर इस अवसर का आनंद उठाया, जबकि अन्य लोगों ने शराब पीकर उत्पात मचाया। पुलिस द्वारा लोगों से नशे में वाहन चलाने और उत्पात मचाने से बचने की सलाह दिए जाने के बावजूद, कई लोगों, खासकर युवाओं ने इन चेतावनियों की अनदेखी की और शराब पीकर सड़कों पर घूमते देखे गए। कुछ युवाओं द्वारा उत्पात मचाने के जवाब में, कानून प्रवर्तन ने मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ महत्वपूर्ण कदम उठाए और चेक पोस्ट स्थापित किए तथा नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ चेकपॉइंट बनाए गए, जिसके परिणामस्वरूप नशीली दवाओं का सेवन करने वाले लोगों को पकड़ा गया।

इसके अलावा, उन अपराधियों के खिलाफ कानूनी मामले दर्ज किए गए। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में नशे में वाहन चलाने की काफी संख्या में घटनाएं दर्ज की गईं। पुलिस ने मंगलवार रात 10 बजे से बुधवार सुबह तक नशामुक्ति परीक्षण किए। उन्होंने नशे में वाहन चलाते पाए गए कई व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए। हैदराबाद कमिश्नरेट द्वारा कुल 1,184 मामले दर्ज किए गए, जबकि राचकोंडा कमिश्नरेट ने नशे में वाहन चलाने के 619 मामले दर्ज किए। इसके अलावा, मलकाजगिरी डिवीजन ने 230 मामले दर्ज किए, भुवनागिरी डिवीजन ने 84 मामले, एलबी नगर ने 232 मामले और महेश्वरम डिवीजन ने 47 मामले दर्ज किए। नए साल के जश्न के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए, पुलिस ने उचित उपाय लागू किए हैं, जो अव्यवस्थित आचरण और नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

विधायक को समस्याओं से अवगत कराया

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के विधायक एन. श्री गणेश से सिकंदराबाद-बोईनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापारी संघ के चेयरमैन गौतम जैन सहित अन्य व्यापारियों ने मुलाकात कर उन्हें नववर्ष की बधाई देते हुए व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया। गौतम जैन ने उन्हें बताया कि पूर्व में उन्होंने आश्वासन दिया था कि मार्केट में पानी की समस्या को हल किया जाएगा, लेकिन अभी तक नहीं हो सका है। विधायक ने उनकी समस्याओं को सुनने के बाद आश्वासन दिया है कि इस समस्या को शीघ्र ही हल करने का प्रयास किया जाएगा। उनके साथ मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में ज्वाइंट सेक्रेटरी आनंद बंग, कोषाध्यक्ष मधु बाबू, एक्ज्यूटिव मेंबर सी. रवि चंद्र आदि थे।

एनटीपीसी ने बौद्धिक विकलांगों के सशक्तीकरण हेतु एमओए पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 1 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बौद्धिक रूप से विकलांगों को सशक्तिकरण करने के लिए उपयोगी एनटीपीसी सीएसआर ने जो पहल की है वह शीघ्र ही रंग दिखाएगा।

इस संदर्भ में,एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय ने कवाडीगुडा स्थित अपने कार्यालय में टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) व जागरूकता सामग्री के क्रय के माध्यम से सीएसआर के तहत सहायता प्रदान करने हेतु एनआईईपीआईडी (बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण से संबंधित राष्ट्रीय संस्थान) के साथ एमओए पर हस्ताक्षर किए।

जिसमें एजीएम-एचआर अखिल पटनायक ने एनटीपीसी की ओर से और निदेशक मेजर बीवी राम ने एनआईईपीआईडी की ओर से तत्संबंधित एमओए पर हस्ताक्षर किए। जीएम (एचआर) एसआरएचक्यू एसएन पाणिग्रही ने मेजर बीवी राम और एनआईईपीआईडी के प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

बताया गया कि, शिक्षण अधिगम सामग्री किट जो बौद्धिक विकलांग बच्चों के मध्य तेजी से सीखने एवं बेहतर समझ को बढ़ावा देने में सहायता करती है। टीएलएम का उपयोग बहु-संवेदी इनपुट प्रदान करके अंतर्निहित सीखने के अवसर भी पैदा करता है तथा जागरूकता सामग्री का उपयोग सभी न्यूरो विकासात्मक विकारों के लिए जागरूकता पैदा करने, प्रारंभिक हस्तक्षेप के लिए किया जाएगा।

एनटीपीसी भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी है, बिजली क्षेत्र में अग्रणी के रूप में, यह कंपनी कुशल और सस्ती बिजली पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसका लक्ष्य 2032 तक 130 गीगावाट बिजली हासिल करना है।

जिसमें कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए जीवाश्म ईंधन, गैस, हाइड्रो, परमाणु और नवीकरणीय स्रोतों को एकीकृत करते हुए विविध ईंधन मिश्रण को अपनाया जाता हैं। इस कार्यक्रम में शीर्ष अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

गोल्डन टेंपल में 3 घंटे में 2 लाख श्रद्धालु पहुंचे

गुरु के आशीर्वाद से 2025 की शुरुआत; लंगर हॉल के पीछे के कमरे भी खोलने पड़े

अमृतसर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। गुरु नगरी के निवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आए टूरिस्टों ने गोल्डन टेंपल में 2025 का आगाज किया। 31 दिसंबर की सुबह से ही श्रद्धालु गोल्डन टेंपल में माथा टेकने के लिए पहुंच रहे थे। रात 9 से 12 बजे के बीच 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका।

स्थिति यह थी कि पैर रखने तक की जगह नहीं थी। वहीं, अनुमान लगाया जा रहा है कि नए साल के पहले दिन करीब 3 लाख श्रद्धालु गोल्डन टेंपल में दर्शन के लिए पहुंच सकते हैं। रात 9 बजे से ही गोल्डन टेंपल में भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी।

भीड़ इतनी अधिक हो गई कि लोगों को गोल्डन टेंपल की परिक्रमा में पैदल चलने में भी मशक्कत करनी पड़ी। परिक्रमा में चारों तरफ श्रद्धालु ही श्रद्धालु नजर आए। लोग जहां जगह मिली वहीं बैठ गए और रात 12 बजने का इंतजार करते हुए नाम का जाप करते नजर आए। इस दौरान श्रद्धालु पूरे समय बैठकर श्री सुखमनी साहिब का पाठ करते रहे।

जैसे ही घड़ी ने 12 बजाए, पूरे गोल्डन टेंपल में 1 लाख से ज़्यादा श्रद्धालु उमड़ पड़े और 'जो बोले सोनिहाल' के नारे लगाने लगे। यह भीड़ रुकने वाली नहीं है। अनुमान के मुताबिक आज 3 लाख से ज़्यादा श्रद्धालु गोल्डन टेंपल में माथा टेकने पहुंचेंगे, लेकिन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। गोल्डन टेंपल में सचखंड साहिब के कपाट बंद होते ही भीड़ लंगर साहिब की ओर बढ़ने लगी। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि लंगर हॉल के पीछे बने नए कमरों को भी खोलना पड़ा। जितने श्रद्धालु हॉल के अंदर मौजूद थे, उतने ही बाहर भी इंतजार कर रहे थे, लेकिन सेवा में कहीं कोई कमी नहीं दिखी। रात को हॉल के दूसरी तरफ नए साल पर बनने वाले व्यंजनों की सेवा भी चल रही थी।

रात 12 बजने का इंतजार कर रहे लोगों को स्वर्ण मंदिर में जहां जगह मिली, वहीं बैठ गए। शेड भीड़ से भर जाने के बाद, परिक्रमा में चलने के लिए बिछे टाट पर ही बैठ गए। चारों तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ ही देखने को मिल रही थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से इंजीनियरिंग छात्र की मौत

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर अब्दुल्लापुरमेट में मंगलवार रात एक हिट एंड रन मामले में एक इंजीनियरिंग छात्र की मौत हो गई। पीड़ित ई. रिशित कुमार (19) जो एक छात्रावास में रहता था, अपने दोस्तों महेंद्र और भानु प्रकाश के साथ रात 12.30 बजे तक पार्टी करता रहा। तीनों ने कुछ खाने की योजना बनाई और बाइक से हैदराबाद की ओर चल पड़े।

अब्दुल्लापुरमेट गांव में मैसम्मा मंदिर के पास पहुंचने पर बाइक का ईंधन खत्म हो गया। प्रकाश और महेंद्र बाइक लेकर पेट्रोल पंप पर चले गए, जबकि ऋषिथ कुमार सड़क पर पैदल चल रहे थे। अब्दुल्लापुरमेट के सब इंस्पेक्टर पी. माधव राव ने बताया कि एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

जुड़वां बच्चों को जहर देकर मां ने भी खाया

सवा साल के दोनों मासूमों की मौत, महिला गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

सिरोही, 1 जनवरी (एजेंसियां)। सिरोही में सवा साल के जुड़वां बच्चों से परेशान एक महिला ने उन्हें जहर देकर खुद ने भी खा लिया। दोनों मासूमों की मौत हो गई, जबकि मां को गंभीर हालत में अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। मामला जिले के शिवगंज कस्बे का है।

शिवगंज थाना प्रभारी बाबूलाल ने बताया कि सेवाड़ी जिला पाली निवासी रेखा (38) पत्नी योगेश छीपा अभी परिवार सहित शिवगंज में रह रही है। उसके सवा साल के दो जुड़वां पुत्र पूर्वांश उर्फ शिव और पूर्वित उर्फ शक्ति दोनों बच्चे पास में ही थे। अज्ञात करणों से महिला ने बुधवार को अचानक से उन्हें जहर दे दिया और खुद भी जहर खा लिया। इस घटना में दोनों मासूमों की मौत हो गई, जबकि रेखा को इलाज के लिए महावीर अस्पताल सुमेरपुर जिला पाली ले जाया गया, जहां महिला का इलाज जारी है। वहीं, दोनों बच्चों को डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दोनों के शव वहां से लोकर शिवगंज के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं। थानाधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला ने दोनों बच्चों से परेशान होकर उनको जहर दे दिया और खुद भी खा लिया, लेकिन सही जानकारी महिला के होश में आने के बाद पता चल सकेगी।

खराब मोबाइल-लैपटॉप से सोना निकालने वाली फैक्ट्री

10 साल में 54 किलो गोल्ड निकाला; प्रोसेस सीक्रेट, कर्मचारियों पर भी रहती है नजर

अलवर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। खराब मोबाइल-लैपटॉप से सोना निकालने वाली ग्रीनस्कैप नाम की ये फैक्ट्री अलवर के मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया में है। अब आप सोच रहे होंगे क्या सच में मोबाइल और लैपटॉप में सोना होता है? बिल्कुल होता है, सिर्फ मोबाइल-लैपटॉप ही नहीं, कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में गोल्ड होता है।

इसी फैक्ट्री में पिछले 10 साल में इलेक्ट्रॉनिक आइटम के कबाड़ से 54 किलो सोना निकाला जा चुका है। अब दिमाग में दूसरा सवाल आ रहा होगा कि- जब मोबाइल-लैपटॉप या स्मार्टवॉच में सोना होता है तो लोग कबाड़ में बेचने से पहले उसे निकाल क्यों नहीं लेते? &ये इतना आसान नहीं है कि मोबाइल की बॉडी खोली और सोना निकाल लिया। इसका लंबा प्रोसेस होता है।

कंपनी के यूनिट हेड सक्सेना ने बताया- पुराने और खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को रिसाइकिल करने के प्लांट तो खूब हैं, लेकिन ग्रीन स्केप नाम से पहला प्लांट है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से सोना, चांदी, आयरन सहित अन्य धातुएं निकाली जा रही हैं। अलवर में कंपनी 2007 से काम कर रही है लेकिन नया प्लांट 2024 से शुरू हुआ है। पहले यहां केवल प्लास्टिक के दाने, आयरन और कॉपर निकलता था।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में काम में ली जानी वाली पीसीबी से सोना-चांदी निकालने के लिए बेल्जियम, जर्मनी और जापान भेजा जाता था। वहां के प्लांट से पीसीबी से सोना-चांदी अलग होता था। फिलहाल फैक्ट्री में 23 से 25 हजार मैट्रिक टन सालाना इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का कबाड़ रिसाइक्लिंग होता है।

कंपनी ने पिछले 10 साल में 54 किलो सोना इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में काम ली जानी वाली पीसीबी को प्रोसेस कर निकाला है। अब कंपनी बड़े स्तर पर प्लांट को चालू करने में लगी है, जिससे अनुमान है कि हर साल 100 से 200 किलो सोना निकाल सकेगी।

हिमाचल की वॉलीबॉल टीम के ट्रायल रद्द

नेशनल गेम के लिए दोबारा चुनी जाएगी टीम; खिलाड़ियों ने लगाए थे धांधली के आरोप

शिमला, 1 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की नेशनल गेम के लिए चुनी गई वॉलीबॉल टीम (पुरुष वर्ग) के ट्रायल रद्द कर दिए गए है। खेल विभाग के अतिरिक्त निदेशक हितेष आजाद ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिए है। युवा खिलाड़ियों ने टीम के सिलेक्टर्स पर धांधली के आरोप लगाए थे। दरअसल, इंडिया टीम का हिस्सा रहे प्लेयर और दो से चार बार सीनियर नेशनल गेम खेल चुके खिलाड़ी भी टीम से बाहर किए गए थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'ठेकेदार आत्महत्या केस ...

वहीं इस मामले में भाजपा ने मांग की है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को प्रियांक खरगे से तुरंत इस्तीफा मांगना चाहिए और मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए 4 जनवरी की समय सीमा तय की है। ऐसा न करने पर पार्टी ने कलबुर्गी में एक बड़ी रैली आयोजित करने के बाद मंत्री के आवास का घेराव करने की धमकी दी है।

मंत्री परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, 'प्रियांक खरगे ने खुद स्पष्ट किया है कि इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। हमने सीआईडी जांच के आदेश दिए हैं। देखते हैं कि जांच में क्या सामने आता है। हमारा विभाग भी कह रहा है कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि प्रियांक खरगे की कोई भूमिका नहीं है। जांच रिपोर्ट आने दीजिए। हमें पता चल जाएगा।'

भारत और पाकिस्तान ...

एक जनवरी 1992 से यह आदान-प्रदान लगातार हो रहा है।

कश्मीर पर विवाद और सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दों के कारण दोनों देशों के बीच संबंध हाल के वर्षों में तनावपूर्ण रहे हैं। इसके बावजूद इस सूची का आदान प्रदान किया गया, जो समझौते और सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत में टूटा ...

आईएमडी ने बताया कि जनवरी से मार्च के दौरान उत्तर भारत में बारिश सामान्य से कम होने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश जैसे उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी राज्यों में सर्दियों (अक्टूबर से दिसंबर) के समय गेहूं, मटर, चना और जौ समेत रबी की फसलें उगाई जाती है। गर्मियों (अप्रैल से जून) में इन फसलों को काटा जाता है।

यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस के अनुसार, साल 2024 का तापमान 1850 से 1900 की तुलना में डेढ़ डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। जलवायु वैज्ञानिकों के दो समूहों वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन और क्लाइमेट सेंट्रल की वार्षिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया ने 2024 में 41 दिन खतरनाक गर्मी का अनुभव किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बहुत हो गया, मेलबर्न में टीम इंडिया की हार के बाद गंभीर ने लगाई खिलाड़ियों की क्लास

मेलबर्न, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मेलबर्न टेस्ट में भारतीय टीम की हार पर किसी को भी यकीन नहीं हो रहा है, क्योंकि टीम इंडिया ने दूसरे सेशन का खेल खत्म होने तक सिर्फ 3 विकेट गंवाए थे. इसके बाद लगने लगा था मैच आसानी से ड्रॉ हो जाएगा. लेकिन आखिरी सेशन के महज 20.4 ओवर भारत ने 7 विकेट खो दिए और टीम को हार का सामना करना पड़ा. रिपोर्ट के मुताबिक इस तरह से हारने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच काफी गुस्से में थे. मैच के बाद तुरंत उन्होंने ड्रेसिंग रूप में अपना गुस्सा निकाला. भारतीय टीम के हेड कोच ने सभी खिलाड़ियों को जमकर फटकार लगाई. हालांकि, इस दौरान उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया.

हार के बाद गंभीर ने दी चेतावनी

मेलबर्न टेस्ट में हार के बाद गौतम गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में एक मीटिंग बुलाई. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने मैच को लेकर सभी खिलाड़ियों से बातचीत की.

इस दौरान टीम इंडिया के हेड कोच ने फटकार तो लगाई ही, साथ ही एक चेतावनी भी दे डाली. गंभीर खास तौर से मुकाबले में गेम प्लान के हिसाब नहीं खेलने से नाराज थे. उन्होंने कहा कि नेचुरल गेम के नाम पर कई खिलाड़ी अपने हिसाब से बल्लेबाजी कर रहे थे, जबकि उन्हें परिस्थिति के अनुसार खेलना चाहिए था.

गंभीर पिछले साल जुलाई में आधिकारिक रूप से टीम के हेड कोच बने थे. वहीं अगस्त में वो टीम के साथ जुड़े थे. पिछले 6 महीने के अनुभव के आधार पर लेकर मेलबर्न में हेड कोच ने खिलाड़ियों से कहा है कि अभी तक खिलाड़ी जैसा चाहते थे, उन्होंने वैसा करने दिया. लेकिन आगे से ऐसा नहीं होगा. अब वो फैसला करेंगे की कैसे खेलना है. अगर कोई खिलाड़ी टीम की रणनीति से हटकर खेलता है तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और टीम से 'थैंक यू' भी कह दिया जाएगा.

ये खिलाड़ी लापरवाही से हुए थे आउट

मेलबर्न टेस्ट के पांचवें दिन टीम इंडिया को 340 रनों के लक्ष्य का पीछा करना था. पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी के सामने यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा ने अच्छी शुरुआत की थी. दोनों ने नई गेंद को जबरदस्त तरीके से डिफेंस का प्रदर्शन किया था. लेकिन खराब फॉर्म में चल रहे रोहित ने पैट कमिंस के खिलाफ लाइन के खिलाफ शॉट खेला और स्लिप में आउट हो गए. वहीं इसके बाद लंच से ठीक पहले की आखिरी ओवर में विराट कोहली ने एक बार फिर ऑफ साइड की गेंद को छेड़ते हुए अपना विकेट फेंक दिया. इससे टीम बैकफुट पर आ गई थी.

फिर ऋषभ पंत ने दूसरे सेशन शानदार डिफेंस का प्रदर्शन करने के बाद तीसरे सेशन की शुरुआत में पार्ट टाइम गेंदबाज ट्रेविस हेड की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर छक्का के चक्कर में आउट हो गए. वहीं पहली पारी में वह लैप शॉट मारते हुए आउट हुए थे.

दोनों ही पारियों में उनके आउट होने के बाद टीम बिखर गई थी. उनके अलावा यशस्वी जायसवाल दूसरी पारी में पुल शॉट खेलते हुए आउट हुए थे, जबकि इसके लिए पैट कमिंस ने फील्ड सेट कर रखी थी. इससे उनकी दिन भर की मेहनत बेकार हो गई और टीम को हार का सामना करना पड़ा.

टीम इंडिया में कौन है बुमराह का 'दुश्मन'?

क्या रोहित के बाद विराट कोहली नहीं चाहते बुमराह बने कप्तान

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मेलबर्न टेस्ट हारने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में कुछ भी ठीक नहीं था. हेड कोच गौतम गंभीर ने सभी खिलाड़ियों को कड़ी फटकार लगाई थी. लेकिन मेलबर्न टेस्ट में हार के बाद अब टीम इंडिया का फोकस 3 जनवरी से शुरु होने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम और निर्णायक मुकाबले पर है. लेकिन इससे पहले खबर आ रही है कि टीम का एक दिग्गज खिलाड़ी खुद को अंतरिम कप्तान के रूप में पेश कर रहा है. रोहित शर्मा अपनी खराब फॉर्म और खराब कप्तानी से गुजर रहे हैं. इसी बीच मीडिया रिपोट्र्स में इस तरह का दावा किया गया है कि एक अन्य खिलाड़ी कप्तान की भूमिका में खुद को देख रहा है.

कौन हो सकता है वो खिलाड़ी?

मीडिया रिपोट्र्स में खिलाड़ी के नाम का खुलासा नहीं किया गया है. सिर्फ इतना ही बताया गया है कि वो खिलाड़ी टीम में सीनियर है. कई लोगों का मानना है कि वो विराट कोहली हो सकते हैं, हालांकि इस बात की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है. बता दें कि विराट 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ चुके हैं.

बुमराह बन सकते हैं अगले टेस्ट कप्तान

ये तो हो गई मीडिया रिपोट्र्स की बात लेकिन भारतीय टेस्ट टीम के अगले कप्तान बनने के सबसे प्रबल दावेदार जसप्रीत बुमराह हैं. रोहित शर्मा अपने टेस्ट करियर के खराब दौर से गुजर रहे हैं. मेलबर्न टेस्ट के बाद रिपोट्र्स में दावा किया गया था कि सिडनी में वे अपना आखिरी टेस्ट खेल सकते हैं. अगर ऐसा होता है तो फिर बुमराह टीम की कमान संभालेंगे. वे फिलहाल टीम के उपकप्तान हैं. पर्थ में पहले टेस्ट में जब रोहित मौजूद नहीं थे तब बुमराह ने ही टीम की कप्तानी की थी और भारतीय टीम ने मुकाबला 295 रनों से जीता था. रिपोट्र्स के मुताबिक तब भी इस सीनियर खिलाड़ी की नजरें कप्तानी पर थी.

3 जनवरी से शुरू होगा सिडनी टेस्ट

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का आखिरी टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 3 जनवरी से खेला जाएगा. ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 2-1 से आगे है. अगर वो ये मैच भी जीत लेती है तो सीरीज अपने नाम करने के साथ ही उसे डब्ल्यूटीसी फाइनल का टिकट भी मिल जाएगा. भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस में बने रहने के लिए इस मैच को हर हाल में जीतना होगा. वैसे आपको बता दें कि टीम इंडिया ने आखिरी बार इस मैदान पर साल 1978 में टेस्ट जीता था. इसके बाद से उसे जीत नसीब नहीं हुई.

सिडनी में रोहित के ना खेलने पर किसको मिलेगी जगह?

शुभमन गिल का नाम सबसे आगे

सिडनी, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाना है। मेलबर्न में बुरी तरह हारने के बाद कप्तान रोहित शर्मा पर बैटिंग और कप्तानी को लेकर काफी दबाव है। कहा यह भी जा रहा है कि रोहित सिडनी टेस्ट से खुद को बाहर कर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें मैच में उनकी जगह शुभमन गिल की प्लेइंग इलेवन में वापसी हो सकती है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में एकमात्र बदलाव किया था। टीम ने इस मैच के लिए शुभमन गिल को बाहर बैठाकर वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग इलेवन में खिलाया। इससे भारत के बॉलिंग लाइनअप में दो स्पिनर हो गए थे, जिसमें सुंदर के अलावा रविंद्र जडेजा का नाम शामिल है। इस मैच में रोहित सभी को चौंकाते हुए ओपनिंग करने उतरे, जबकि केएल राहुल नंबर तीन पर बैटिंग करने उतरे। कप्तान रोहित का यह दांव भी काम नहीं किया और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों पारियों में वो सस्ते में आउट हो गए।

184 रनों से जीता ऑस्ट्रेलिया

पांच दिनों के जबरदस्त रोमांच के बाद ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच को 184 रनों से अपने नाम किया था और सीरीज में 2-1 की लीड हासिल कर ली। मेलबर्न में टीम के हारने के बाद रोहित ने गिल को लेकर काफी कुछ कहा था। रोहित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल को टीम में शामिल नहीं करने के पीछे का कारण बताया। उन्होंने कहा कि गिल को बाहर नहीं किया गया था, बल्कि एक अतिरिक्त गेंदबाज की मदद से टीम को संभालने की कोशिश की गई थी, लेकिन यह काम नहीं किया।

मैंने उनसे बात की थी- रोहित

रोहित ने आगे कहा, 'मैंने उनसे बात की थी। जब आप किसी को बाहर कर रहे होते हैं, चाहे वह किसी भी कारण से हो, तो आप उनसे बात करेंगे और बातचीत में यह बात सामने आई कि उन्हें बाहर नहीं किया गया है। हम गेंदबाजी में ज्यादा सहूलियत चाहते थे और इसलिए हमने एक ऑलराउंडर को चुना। हम अपनी बैटिंग लाइनअप को मजबूत करना चाहते थे। गेंदबाज के लिए बल्लेबाज से समझौता करना कुछ ऐसा नहीं था जो मैं करना चाहता था।'

प्रदेश स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता

मेरठ को हराकर लखनऊ की टीम बनी चैंपियन, डेविड चुने गए बेस्ट प्लेयर

बरेली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेला गया। इसमें 51-47 के अंतर से मेरठ की टीम को मात देकर लखनऊ चैंपियन बनी। निर्धारित समय तक मुकाबला 39-39 के स्कोर से ड्रॉ रहा। अतिरिक्त पांच मिनट में लखनऊ की टीम ने प्रतिद्वंद्वी टीम पर निर्णायक बढ़त बनाते हुए बाजी मार ली। लखनऊ टीम के डेविड बेस्ट खिलाड़ी चुने गए।

इससे पहले सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहले सेमीफाइनल में लखनऊ टीम के खिलाड़ियों ने लगातार गोल करते हुए 21-17 के स्कोर से वाराणसी की टीम को परास्त कर फाइनल में जगह बनाई। लखनऊ के शुभम बेस्ट खिलाड़ी चुने गए। दूसरे सेमीफाइनल में मेरठ की टीम ने 31-25 के स्कोर से आजमगढ़ की टीम को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। इसमें मेरठ टीम के अर्जुन बेस्ट खिलाड़ी चुने गए।

विजेता व उपविजेता टीम को मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य महाराज सिंह ने ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया। इससे पहले प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि, पूर्व डिप्टी मेयर अतुल कपूर ने किया। इस दौरान आरएसओ जितेंद्र यादव, धर्म विजय गंगवार, अमित रिछारिया, विनीत, फसील बेग, सोनेंद्र श्रोतिया, आशू भारती आदि मौजूद रहे।

'अच्छा क्रिकेट खेलते हैं तो पीआर की क्या जरूरत'

सोशल मीडिया की बढ़ती लोकप्रियता पर आया धोनी का बयान

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने सरल और शांत स्वभाव के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। अपने नेतृत्व कौशल की क्षमता के लिए मशहूर धोनी ने कभी सोशल मीडिया को अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाया। अब मिस्टर कूल ने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया है।

यूरोग्रिप टायर्स को दिए एक इंटरव्यू में धोनी ने सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग और खुद उससे दूरी बनाए रखने पर बात की। पूर्व कप्तान ने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में उनके मैनेजर उन्हें सोशल मीडिया का अधिक से अधिक उपयोग करने की सलाह देते थे, लेकिन उन्होंने इसे कभी तवज्जो नहीं दी। धोनी ने कहा- जब मैंने 2004 में क्रिकेट खेलना शुरू किया, तब सोशल मीडिया का इतना प्रभाव नहीं था। बाद में ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म आए। मेरे सभी मैनेजर्स ने कहा कि मुझे सोशल मीडिया का उपयोग करना चाहिए, फैंस से जुड़ना चाहिए और अपनी पब्लिक रिलेशन मजबूत करनी चाहिए।

धोनी अपने मैनेजर्स की इन बातों से इत्तेफाक नहीं रखते हैं। उनका मानना है कि अगर वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो उन्हें किसी पब्लिक रिलेशन (पीआर) की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा- अगर मैं अच्छा क्रिकेट खेलता हूं, तो मुझे किसी पीआर की जरूरत नहीं है।

इस दौरान चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने सोशल मीडिया से दूर रहने के फायदे भी गिनवाए। उन्होंने बताया कि इससे दूरी बनाने से उनका जीवन तनाव रहित है। धोनी ने कहा- सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट करें, क्या न करें, यह एक बड़ी चुनौती बन जाती है। मैं हमेशा यही सोचता था कि अगर कोई बात सच में जरूरी होगी, तो उसे साझा करूंगा। मुझे यह सोचने में कभी दिलचस्पी नहीं रही कि किसके पास कितने फॉलोअर्स हैं। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरा खेल और मेरी टीम रही है।

उस्मान ख्वाजा का भी सिडनी टेस्ट हो सकता है आखिरी

सवालों के घेरे में प्रदर्शन

सिडनी, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में भारत के सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली ही खराब फॉर्म में नही हैं, बल्कि यही हाल उस्मान ख्वाजा का भी है, जो सीरीज में अब तक कुछ खास नहीं कर सके हैं। यह कंगारू ओपनर अब तक सीरीज के चार मैचों में 20 की औसत से सिर्फ 141 रन ही बना पाया है। उन्होंने साल 2024 में नौ मैच खेले, जिसमें उनका औसत केवल 25.93 का रहा। उम्मीद की जा रही है कि भारतीय कप्तान रोहित की तरह ख्वाजा भी सिडनी टेस्ट के बाद संन्यास की घोषणा कर सकते हैं।

बियॉन्ड 23 क्रिकेट पॉडकास्ट पर बात करते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल क्लार्क ने कहा, 'ख्वाजा हमारे लिए एक अद्भुत खिलाड़ी रहा है, बिल्कुल अद्भुत खिलाड़ी। उन्होंने वापसी के बाद विदेशों में रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया में रन बनाए। वह 38 साल का है। मुझे लगता है कि उनके लिए अपने संन्यास की घोषणा करने का यह एक शानदार अवसर हो सकता है और सिडनी उसका आखिरी टेस्ट हो सकता है।' मुझे पता है कि वह खेलना जारी रखना चाहेंगे- क्लार्क

क्लार्क ने आगे कहा, 'ख्वाजा श्रीलंका सीरीज में खेलना चाहेंगे, लेकिन उनके लिए समय आ गया है। मुझे पता है कि वह खेलना जारी रखना चाहेंगे। इस सीरीज में उनका फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा, जितना वह चाहते थे। मुझे पता है कि हमें श्रीलंका का दौरा करना है और फिर हमें एशेज भी खेलनी है। इस बीच काफी क्रिकेट है, लेकिन मुझे यह भी लगता है कि यह किसी नए खिलाड़ी के लिए एक बेहतरीन मौका हो सकता है, जो बल्लेबाजी की शुरुआत करे और पहले एशेज टेस्ट मैच से पहले कुछ टेस्ट क्रिकेट खेल ले।' ख्वाजा ने 2022 में टीम में अपनी वापसी के बाद से अब तक 33 टेस्ट मैचों में 49 की औसत से 2705 रन बनाए हैं।

वैशाली का शानदार प्रदर्शन

विश्व ब्लिट्ज टूर्नामेंट के महिला वर्ग में जीता कांस्य

न्यूयॉर्क, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली ने दमदार प्रदर्शन किया और न्यूयॉर्क में जारी विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। वैशाली रैपिड स्पर्धा में कोनेरू हम्पी के खिताब जीतने के बाद देश के खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। वैशाली ने क्वार्टर फाइनल में चीन की झू जिनर को 2.5-1.5 से हराया, लेकिन सेमीफाइनल में वह चीन की एक अन्य प्रतिद्वंद्वी जू वेनजुन से 0.5-2.5 से हार गईं।

इस प्रतियोगिता में पूरी तरह से चीन के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। चीन की जू वेनजुन ने हमवतन लेई टिंगजी को 3.5-2.5 से हराकर विश्व खिताब जीता। पांच बार के विश्व चैंपियन और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद ने वैशाली को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। आनंद ने एक्स पर लिखा, कांस्य पदक जीतने पर वैशाली को बधाई। उसने वास्तव में शानदार प्रदर्शन किया। हमारे वाका शतरंज सलाहकार ने हमें गौरवान्वित किया है।

ओपन वर्ग में दुनिया के नंबर एक मैग्नस कार्लसन और रूस के इयान नेपोम्नियाचची ने ब्लिट्ज़ खिताब साझा किया, क्योंकि सडन-डेथ की तीन बाजियों के बाद भी कोई स्पष्ट विजेता नहीं बन पाया। यह पहला अवसर है जबकि खिताब दो खिलाड़ियों में बांटा गया।

डेविड वॉर्नर को आईपीएल में नहीं मिला भाव

अब पाकिस्तान में खेलेंगे

खेल डेस्क, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले साल नवंबर में आईपीएल 2025 के लिए मेगा ऑक्शन का आयोजन किया गया था. इस दौरान टूर्नामेंट की सभी 10 टीमों ने खिलाड़ियों पर जमकर पैसे बरसाए थे. हालांकि, कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को भाव तक नहीं मिला था. इसमें एक नाम ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर का भी था. वॉर्नर को किसी भी टीम ने पूछा तक नहीं था. नतीजा ये हुआ कि वो अनसोल्ड रहे और अब आने वाले सीजन में खेलते हुए नहीं दिखेंगे. आईपीएल हुई अनदेखी के बाद वॉर्नर ने अब पाकिस्तान का रुख किया है. उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग के ड्राफ्ट में अपना नाम रजिस्टर किया है. डेविड वॉर्नर टी20 में काफी सफल बल्लेबाज रहे हैं. वो अपने टी20 करियर में 12500 से ज्यादा रन बना चुके हैं. इसके बावजूद आईपीएल में उनके लिए बोली नहीं लगी. इसलिए उन्होंने अब भारत को छोड़कर पाकिस्तान जाने का फैसला किया है. पाकिस्तान सुपर लीग ने हाल ही में सोशल मीडिया पर डेविड वॉर्नर के नाम का ऐलान किया. पीएसएल ने बताया कि '2024 ऊंचाई पर खत्म हो रही है. ऑस्ट्रेलिया के पॉवरहाउस ने पीएसएल ड्रॉफ्ट के लिए रजिस्टर किया है.' बता दें वॉर्नर एक ऐसे समय पर पाकिस्तान जा रहे हैं, जब वो इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं. वहीं आईपीएल में उन्हें किसी ने भी नहीं पूछा था. ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर की गिनती तूफानी बल्लेबाजों में होती है. वो अपने टी20 करियर में अब तक 389 मुकाबले खेल चुके हैं. इस दौरान उन्होंने इंडियन प्रीमियर, बिग बैश लीग, कैरिबियन प्रीमियर लीग, बांग्लादेश प्रीमियर लीग, वाइटेलिटी ब्लास्ट, इंटरनेशनल लीग टी20 और चैंपियंस लीग में हिस्सा लिया है. इस दौरान उन्होंने 36.66 की औसत और 140 के स्ट्राइक रेट से कुल 12540 रन बनाए हैं.

वॉर्नर ने अपने टी20 करियर में 8 शतक और 105 अर्धशतक जड़े हैं. इसमें से उन्होंने करीब आधे मुकाबले यानि 184 मैच आईपीएल में खेला और 6565 रन बनाए. बता दें संन्सास लेने से पहले वॉर्नर ने टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था. इस दौरान उन्होंने शानदार बैटिंग की थी.

1 गेंद में दे दिए 15 रन, बांग्लादेश में इस गेंदबाज की गेंद देखकर हुए सब दंग

खेल डेस्क, 1 जनवरी (एजेंसियां)। 2024 खत्म होने से पहले क्रिकेट के मैदान से एक हैरान करने वाली खबर है। एक गेंदबाज ने एक ही गेंद पर 15 रन दे दिए। ये कारनामा बांग्लादेश प्रीमियर लीग 2024 के दौरान हुआ। दरअसल, ये मुकाबला खुलना टाइगर्स और चटगांव किंग्स के बीच खेला गया था। इस मुकाबले में वेस्टइंडीज के गेंदबाज ओशेन थॉमस खुलना टाइगर्स की तरफ से गेंदबाजी कर रहे थे। ये उनका पहला ओवर था।

टॉस जीतकर चटगांव किंग्स ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए खुलना टाइगर्स ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 203 रन बनाए थे। चटगांव किंग्स को 204 रनों का लक्ष्य मिला था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चटगांव किंग्स के लिए ओपनिंग करने नईम इस्लाम और परवेज हुसैन आए। वहीं, खुलना टाइगर्स की ओर से पहला ओवर ओशेन थॉमस ने किया। उनका सामना नईम इस्लाम ने किया।

ओशेन थॉमस ने पहली ही गेंद नो बॉल की थी, जिसके बाद नईम इस्लाम को फ्री हिट मिली। लेकिन वो इस गेंद पर कोई रन नहीं बना सके। इसके बाद जब उन्होंने दूसरी गेंद की तो वो नईम इस्लाम ने इस पर छक्का लगा दिया। ये गेंद भी नो बॉल थी। इसके बाद उन्हें फिर से एक और फ्री हिट मिल गई। लेकिन थॉमस ने इस फ्री हिट गेंद पर दो वाइड फेंक दी। इस्लाम ने फ्री हिट पर चौका लगा दिया। अंपायर ने इसे भी नो बॉल करार दिया था। इस दौरान थॉमस ने दो गेंदें भी पूरी नहीं की थीं और स्कोर पर 15 रन बन चुके थे। इस चौके के बाद फ्री हिट गेंद पर कोई रन नहीं बना और ये फेयर बॉल थी। गौरतलब है कि इसके बाद भी ओशेन थॉमस ने नो बॉल फेंकना बंद नहीं किया। इस ओवर में उनकी तीसरी गेंद पर कोई भी रन नहीं बना था। लेकिन चौथी गेंद उन्होने फिर से नो बॉल फेंकी दी थी। जिसके बाद फ्री हिट पर इस्लाम ने दो रन बनाए थे। वहीं, पांचवीं गेंद पर थॉमस ने नईम इस्लाम को आउट कर दिया। उन्होंने इस ओवर में 18 रन दिए थे और एक विकेट लिया था। इस ओवर के बाद उनका सोशल मीडिया पर मजाक बनाया जा रहा है।

मंत्री ने परिवारों से दूर कैदियों और छात्रों के साथ नया साल मनाया

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुर्लभ और हार्दिक इशारे में, सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले लोगों - घर से दूर विचाराधीन कैदियों और छात्रों के साथ जश्न मनाकर नए साल की शुरुआत की। नए साल 2025 पर, मंत्री ने हुजूरनगर उप-जेल का दौरा किया, कैदियों को गर्मजोशी से शुभकामनाएं और उत्साहवर्धक शब्दों के साथ बधाई दी। उत्तम कुमार रेड्डी ने कैदियों के साथ बातचीत की, उनकी चिंताओं को सुना और बेहतर भविष्य के लिए प्रोत्साहन और आशा के शब्द दिए। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने विचाराधीन कैदियों के साथ नाश्ता किया और उन्हें आश्वासन दिया कि वे उनकी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाएंगे। कैदियों द्वारा टेलीविजन सेट के लिए किए गए अनुरोध के जवाब में, उन्होंने घोषणा की कि वे उप-जेल में उनके उपयोग के लिए व्यक्तिगत रूप से एक टीवी दान करेंगे। कैदियों को कथित तौर पर उनके दयालु दृष्टिकोण से छुआ गया, उनके शब्दों ने गहराई से प्रतिध्वनित किया और इस अवसर को वर्ष की एक महत्वपूर्ण और उत्थानकारी शुरुआत बना दिया। बाद में, मंत्री ने कोडाद विधायक एन पद्मावती के साथ कोडाद में अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय और लड़कियों के लिए जूनियर कॉलेज का दौरा किया। दोनों ने छात्रों के साथ भोजन किया और उनकी आकांक्षाओं और चुनौतियों के बारे में उनसे बातचीत की। मंत्री ने अपने परिवारों से दूर होने के बावजूद छात्रों की पढ़ाई के प्रति समर्पण की प्रशंसा की। दौरे से रोमांचित छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और मंत्री के प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। बातचीत ने नेताओं द्वारा व्यक्तिगत जुड़ाव के सकारात्मक प्रभाव की याद दिलाई जो युवा दिमाग पर पड़ सकता है। बाद में मीडिया से बात करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने नए साल की पूर्वसंध्या इस तरह से मनाने के अपने फैसले के बारे में बताया। "यह आत्मचिंतन और नवीनीकरण का समय है। मुश्किल हालात में फंसे लोगों तक पहुंचकर, चाहे वे कैदी हों या अपने परिवारों से अलग हुए छात्र, हम उन्हें याद दिलाते हैं कि उन्हें भुलाया नहीं गया है। यह उम्मीद और एकजुटता के साथ साल की शुरुआत करने का मेरा तरीका है।

बाइक दुर्घटना में 2 युवकों की मौत, एक घायल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नए साल का जश्न 2 युवकों के लिए जानलेवा बन गया, जब मंगलवार शाम बेज्जुर मंडल के इप्पलागुडा गांव में बाइक से गिरकर उनकी मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक घायल हो गया। बेज्जुर के सब-इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि चिंतलामनेपल्ली मंडल के डिमडा गांव के मेसराम साई कुमार 20 वर्ष और इप्पलागुडा के नैथम अजय 20 वर्ष और मोगावेल्ली गांव के शानमुखा को गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण साई कुमार की मौके पर ही मौत हो गई।

अजय ने कागजनगर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। शानमुखा की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनका इलाज मंचेरियल के एक अस्पताल में चल रहा है। साई कुमार अपनी मौसी के घर इप्पलागुडा आए थे। वह और अजय शानमुखा से मिलने मोगावेली गए थे। हादसे के समय शानमुखा के साथ दोनों नए साल का जश्न मनाने इप्पलागुडा जा रहे थे। दुर्घटना का कारण तेज गति से वाहन चलाना माना जा रहा है। मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

हजारों लोगों ने समृद्ध 2025 के लिए मांगा आशीर्वाद

पूजा स्थलों पर उमड़ी भीड़

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आसपास के जिलों मेडचल-मलकाजगिरी और रंगारेड्डी में सभी वर्गों और धार्मिक मान्यताओं के लोगों के पूजा स्थल बुधवार को नए साल 2025 के पहले दिन खचाखच भरे रहे। जहां कई लोग शांतिपूर्ण 2024 के लिए धन्यवाद देने के लिए पहुंचे, वहीं अन्य ऐसे भी थे जिन्होंने प्रार्थना की और आने वाले समृद्ध वर्ष के लिए दिव्य आशीर्वाद मांगा। बुधवार की सुबह से ही हैदराबाद के मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों और गुरुद्वारों के प्रबंधन ने सफाई गतिविधियां शुरू कर दीं और बाद में विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए तथा अपने सदस्यों के लिए बेहतर वर्ष और सभी की समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

हैदराबाद के प्रसिद्ध मंदिर, जो नए साल के पहले दिन बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करने के लिए जाने जाते हैं, उनमें बिड़ला मंदिर, चिलकुर बालाजी मंदिर, टीटीडी श्री वेंकटेश्वर मंदिर, हिमायतनगर, जुबली हिल्स पेद्दाम्मा मंदिर, सिकंदराबाद और हैदराबाद में इस्कॉन मंदिर, बंजारा हिल्स में हरे कृष्ण मंदिर, जगन्नाथ स्वामी मंदिर, श्री कनकदुर्गा नागलक्ष्मी मंदिर, बशीरबाग शामिल हैं, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे।

अपने सर्वोत्तम परिधानों में सजे बड़ी संख्या में परिवार विशेष प्रार्थनाओं में शामिल होने के लिए पहुंचे, जो मेट्टुगुडा स्थित सेंट एंथोनी मंदिर, त्रिमुलघेरी स्थित ऑल सेंट्स चर्च और बोलारम स्थित होली ट्रिनिटी चर्च में आयोजित की गई थीं। सिकंदराबाद क्षेत्र में बड़ी संख्या में समारोह हॉल नए युग के ईसाई प्रचारकों द्वारा बुक किए गए थे, जिन्होंने नए साल 2025 के पहले दिन के अवसर पर विशेष प्रार्थनाएं आयोजित कीं।

कोकीन और एमडीएमए के साथ ड्रग तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स ने मंगलवार को एक ड्रग तस्कर को पकड़ा और उसके पास से 30 ग्राम कोकीन और 6 ग्राम एमडीएमए ड्रग जब्त किया। बंजारा हिल्स निवासी इस व्यक्ति को टास्क फोर्स ने शाम को मसाब टैंक पर वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा। पुलिस ने बताया कि यह व्यक्ति नए साल की पूर्व संध्या पर ऊंचे दामों पर बेचने के लिए मादक पदार्थ लाया था। आगे की कार्रवाई के लिए व्यक्ति को नशीले पदार्थों के साथ मसाब टैंक पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

एनआरआई से व्हीलचेयर के लिए चार्ज किया 10 हजार रुपए, रेलवे ने लाइसेंस किया रद्द

नई दिल्ली, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर एक रेलवे के लाइसेंसी पोर्टर द्वारा द्वारा एनआरआई यात्री को व्हीलचेयर से प्लेटफॉर्म तक पहुंचाने के एवज में 10 हजार रुपये लेने का मामला प्रकाश में आने के तुरंत बाद, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली मंडल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषी लाइसेंसी पोर्टर (कुली) के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली मंडल ने कड़ी प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई करते हुए उसका बिल्ला वापस ले लिया गया है। इसके अलावा मामले में हस्तक्षेप करके यात्री को 90% राशि वापस करवा दी गई है। रेलवे प्रशासन यात्री हित को सर्वोपरि मानता है और ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। रेलवे प्रशासन ऐसी घटनाओं के प्रति शून्य सहिष्णुता की पालिसी रखता है। मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली मंडल ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस तरह की घटनाएं रेलवे की छवि को धूमिल करती हैं और यात्रियों के विश्वास को कमजोर करती हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसे मामलों में दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रेलवे प्रशासन सभी यात्रियों से अपील करता है कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़े तो तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करें।

सीएम कप प्रतियोगिताओं का बहिष्कार

ग्रामीण खिलाड़ियों के साथ भेदभाव का आरोप

जगतियाल, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कराटे खिलाड़ियों ने हैदराबाद के यूसुफगुडा स्थित कोटला विजयभास्कर रेड्डी स्टेडियम में आयोजित मुख्यमंत्री कप राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का बहिष्कार किया। उन्होंने ग्रामीण खिलाड़ियों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए प्रतियोगिता का बहिष्कार किया। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के लोग रेफरी और प्रभारी के रूप में खड़े थे, उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता तेलंगाना के सीएम के बजाय आंध्र के सीएम का आयोजन अधिक लग रहा था।

जगतियाल स्थित पवन कराटे अकादमी के ए पवन कुमार ने आरोप लगाया कि रेफरी ग्रामीण खिलाड़ियों के साथ भेदभाव कर रहे थे और उन छात्रों की मदद कर रहे थे जो उनके परिचित हैं। उनके एक छात्र डी शिव कुमार को शुरू में विजेता घोषित किया गया था। हालांकि, तीन घंटे बाद उन्हें हारे हुए घोषित कर दिया गया। आयोजकों से जब पूछा गया तो उन्होंने बताया कि शिव कुमार को गलती से विजेता घोषित कर दिया गया था। शिव कुमार ने मंगलवार को 14-15 वर्ष वर्ग में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

नई एमएमटीएस समय-सारणी लागू

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने एमएमटीएस सेवाओं के लिए नई समय सारणी की घोषणा की है जो बुधवार से लागू हो गई। कुल 88 एमएमटीएस सेवाएं परिचालन में हैं और इन सेवाओं में सिकंदराबाद-मेडचल और फलकनुमा-उम्दानगर और घाटकेसर-लिंगमपल्ली का विस्तारित नया उपनगरीय खंड शामिल है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन एमएमटीएस ट्रेनों के समय को यात्रियों के समय को ध्यान में रखते हुए और नई शुरू की गई वंदे भारत ट्रेनों को जोड़ने के लिए संशोधित किया गया है। संबंधित स्टेशनों पर ट्रेनों और समय में परिवर्तन से संबंधित जानकारी राष्ट्रीय रेलगाड़ी पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) पर जाकर या संबंधित रेलवे स्टेशनों के स्टेशन प्रबंधक/पूछताछ काउंटर पर संपर्क करके प्राप्त की जा सकती है।

2025 के पहले दिन 2883 लोग शराब पीकर गाड़ी चलाते पकड़े गए

हैदराबाद में सर्वाधिक 1425 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नववर्ष के दौरान विशेष जांच के दौरान हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा तीनों कमिश्नरेट में यातायात पुलिस ने कुल 2883 लोगों को पकड़ा। सबसे अधिक 1425 लोग हैदराबाद में पकड़े गए, उसके बाद साइबराबाद में 839 और शेष 619 मामले राचकोंडा में दर्ज किए गए। यातायात पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए हैं और पकड़े गए सभी लोगों को अदालत में उपस्थित होकर कानूनी प्रक्रिया का सामना करना होगा।

तेलंगाना पुलिस ने नशे में गाड़ी चलाने के प्रति 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाई थी और नए साल की पूर्व संध्या पर श्वास विश्लेषकों से लैस विशेष टीमों ने हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा में विभिन्न स्थानों पर घात लगाए थे।

मंचेरियल में यातायात उल्लंघन, नशे में गाड़ी चलाने के मामले बढ़े

मंचेरियल, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, एक खतरनाक प्रवृत्ति के तहत, 2024 में जिले में यातायात नियमों के उल्लंघन और नशे में गाड़ी चलाने के मामलों में भारी वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध 2,15,927 ई-चालान किए गए, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 1,53,230 थी, जो 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी अवधि में जुर्माने की राशि 3.37 करोड़ रुपये थी।

इसी तरह, 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 तक जिले में शराब पीकर गाड़ी चलाने के 6,054 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 5,849 मामले दर्ज किए गए, जो 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस वर्ष आरोपियों पर 32.84 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। पिछले वर्ष जुर्माने की राशि 51.47 लाख रुपये थी। पुलिस ने कहा कि जिले में 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में तेजी देखी जाएगी। वर्ष 2023 में 326 दुर्घटनाओं के मुकाबले इस वर्ष 412 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। सड़क दुर्घटनाओं में कुल 123 लोग मारे गए, जबकि 434 लोग घायल हुए, जबकि 2023 में दुर्घटनाओं के कारण 111 लोगों की मौत होगी। इस बीच, 2024 में जिले में 46.04 लाख रुपये के नकली कपास के बीज का कथित रूप से व्यापार करने के लिए 23 लोगों के खिलाफ 12 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2023 में 13 लोगों के खिलाफ चार मामले दर्ज किए गए। हाल ही में समाप्त हुए वर्ष में 46.04 लाख रुपये के 1,611 क्विंटल कपास के बीज जब्त किए गए, जबकि 1,333 क्विंटल बीज जब्त किए गए। बीजों की कीमत 26.81 लाख रुपये थी।

राजेश टीआईई हैदराबाद के नए अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक उद्यमशीलता नेटवर्क, टीआईई हैदराबाद ने वर्ष 2025 के लिए राजेश पगडाला को नया अध्यक्ष और मुरली काकरला को उपाध्यक्ष घोषित किया। टीआईई (द इंडस एंटरप्रेन्योर्स), एक गैर-लाभकारी संगठन है जो उद्यमियों को उनकी उद्यमशीलता यात्रा के सभी चरणों में सहायता करता है। यह एक वैश्विक निकाय है। दुनिया भर में इसकी शाखाएं हैं। 1992 में स्थापित, टीआईई हैदराबाद शिक्षा, मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और वित्तपोषण के अवसर प्रदान करके उद्यमियों का समर्थन करता रहा है। चैप्टर की कमान संभालने वाले राजेश पगडाला पगडाला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं, जबकि इनोबॉक्स के संस्थापक और सीईओ मुरली काकरला को वर्ष 2025 के लिए उपाध्यक्ष चुना गया है।

गोलकुंडा किले में 3 से 5 जनवरी तक 'अपनी सेना को जानो' मेला

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सेना 3 से 5 जनवरी तक हैदराबाद के गोलकोंडा किले में 'अपनी सेना को जानो' मेला 2025 का आयोजन कर रही है। मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के तत्वावधान में आयोजित और आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद द्वारा समन्वित यह कार्यक्रम सेना दिवस परेड 2025 की भव्य प्रस्तावना के रूप में कार्य करता है। यह अनूठा आयोजन सभी नागरिकों को भारतीय सेना से जुड़ने, इसकी तकनीकी क्षमता को देखने और इसकी परिचालन क्षमताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस मेले का उद्देश्य युवा उम्मीदवारों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करना और प्रोत्साहित करना है, साथ ही भारतीय सेना की सकारात्मक छवि पेश करना है।

इस कार्यक्रम में प्रमुख उपकरणों की प्रदर्शनी होगी जिसमें तोपें, छोटे हथियार और उन्नत परिचालन उपकरण प्रदर्शित होंगे तथा लघु उपकरणों के स्टॉल होंगे जिनमें संचार प्रणालियां, इंजीनियरिंग उपकरण, परमाणु जैविक और रासायनिक (एनबीसी) युद्ध सूट आदि शामिल होंगे। आयोजित किए गए इंटरैक्टिव अनुभवों में सैन्य उपकरणों के साथ फोटो खिंचवाने के अवसर, सशस्त्र बलों में कैरियर के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ समर्पित भर्ती बूथ और सैन्य बैंड द्वारा लाइव प्रदर्शन, वीरता पदकों की प्रदर्शनी, वीरता की कहानियां और अन्य ऐतिहासिक यादगार जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रत्येक स्टॉल पर सेना के कार्मिकों के साथ इंटरैक्टिव ब्रीफिंग की व्यवस्था होगी, जिसमें वे आगंतुकों से बातचीत कर सकेंगे, अपने विचार साझा कर सकेंगे और प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।

अब तक टीजी बीआईई से नहीं मिली संबद्धता

235 निजी, कॉर्पोरेट जूनियर कॉलेजों को इंतजार

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशन (आईपीई) 2025 के लिए 2,000 रुपये की लेट फीस के साथ रजिस्ट्रेशन गुरुवार को खत्म होने वाले हैं, लेकिन 35,000 से ज़्यादा छात्रों ने अभी तक परीक्षा शुल्क का भुगतान नहीं किया है। वजह? 235 निजी और कॉरपोरेट जूनियर कॉलेजों को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए तेलंगाना बोर्ड ऑफ़ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) से अभी तक संबद्धता नहीं मिली है। ये कॉलेज मिश्रित अधिभोग भवनों में संचालित हो रहे हैं, जिनमें शैक्षणिक संस्थान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान दोनों स्थित हैं।

जीओ 29 के अनुसार, सभी जूनियर कॉलेज जो 15 मीटर ऊंचे हैं और मिश्रित अधिभोग भवनों में मौजूद हैं, उन्हें तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग को अग्नि एनओसी प्राप्त करने के लिए आवेदन करना होगा।

गृह विभाग द्वारा 2020 में जारी किए गए जीओ 29 के अनुसार, सभी जूनियर कॉलेज जो 15 मीटर ऊंचे हैं और मिश्रित अधिभोग भवनों में मौजूद हैं, उन्हें तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग को अग्नि एनओसी प्राप्त करने के लिए आवेदन करना होगा। हालांकि, ये कॉलेज अग्नि सुरक्षा मानदंडों को पूरा नहीं करने के कारण अग्नि एनओसी प्राप्त करने में विफल रहे। राज्य सरकार ने पिछले दिनों इन कॉलेजों को शैक्षणिक वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने से छूट दी थी। कॉलेजों को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए उपयुक्त भवन में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, कॉलेजों ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए छात्रों को प्रवेश दिया और बोर्ड ने संबद्धता देने से इनकार कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिव ने हाल ही में इस मुद्दे पर एक बैठक बुलाई थी। इस शैक्षणिक वर्ष के लिए इन कॉलेजों को मंजूरी मिलने में कुछ ही दिन लगेंगे। अधिकारी ने बताया कि सरकार से मंजूरी मिलने के बाद बोर्ड परीक्षा पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ा देगा। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान 5,84,480 द्वितीय वर्ष और 4,75,880 प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों सहित कुल 10,60,360 विद्यार्थियों को प्रवेश मिला।

क्षेत्रीय रिंग रोड से पूर्ववर्ती मेदक जिले की सूरत बदलेगी

संगारेड्डी, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के दिमाग की उपज प्रस्तावित क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) पूर्ववर्ती मेदक जिले को नया रूप प्रदान करेगी। चूंकि 161 किमी लंबे राजमार्ग का निर्माण कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा शुरू किया जाना है, इसलिए आरआरआर संगारेड्डी, सिद्दीपेट और मेडक जिलों और गजवेल, तूप्रान, नरसापुर, जगदेवपुर, कंडी और जिले के अन्य स्थानों जैसे शहरों से संपर्क में सुधार करेगा। आरआरआर का 110 किमी हिस्सा पूर्ववर्ती मेदक से होकर गुजर रहा है। आरआरआर एनएच-65 के करीब संगारेड्डी के गिरमापुर से शुरू होगा और एनएच-65 के दूसरी तरफ यदाद्री-भोंगीर जिले के चौटुप्पल में समाप्त होगा। सरकार इस परियोजना के लिए 4,500 एकड़ भूमि का अधिग्रहण करेगी और आरआरआर के उत्तरी हिस्से पर 5,55% करोड़ रुपये खर्च करेगी। हालांकि, बढ़ती सामग्री लागत के कारण परियोजना के बंद होने पर लागत बढ़ने की उम्मीद है।

मेदक के नागरिकों ने देखा कि इससे आरआरआर और ओआरआर के बीच रियल एस्टेट सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा, जहां भूमिधारकों को सबसे अधिक लाभ होगा। चूंकि आरआरआर और ओआरआर के बीच संपर्क सड़कों में भी सुधार होगा, इसलिए एक नागरिक आर सुरेश ने कहा कि आरआरआर और ओआरआर के बीच का पूरा क्षेत्र बदल जाएगा। उत्तरी हिस्से में प्रस्तावित ग्यारह इंटरचेंज में से सात पूर्ववर्ती मेदक जिले में होंगे। ओआरआर एनएच-65, एनएच-161, एनएच-765डी, एनएच-44, एनएच-17, एनएच-01 और राजीव राहधारी को जोड़ेगा। आरआरआर राहधारी पर यातायात को आसान बनाएगा, साथ ही मेदक जिले से राज्य भर में कई स्थानों के लिए छोटी और सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

बिजली के खंभे पर चढ़ा नशे में धुत युवक

अमरावती, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पार्वतीपुरम मन्यम जिले में एक अजीबोगरीब घटना में नशे में धुत एक युवक बिजली के खंभे पर चढ़ गया और तारों पर लेट गया। हालांकि, सतर्क ग्रामीणों द्वारा समय रहते ट्रांसफार्मर बंद कर दिए जाने से हादसा टल गया। यह घटना मंगलवार को पालकोंडा मंडल के एम. सिंगीपुरम गांव में हुई। युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। युवक ने यह कदम तब उठाया जब उसकी मां ने उसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि देने से इनकार कर दिया।

उसकी हरकत से गांव के लोग घबरा गए। बिजली बंद करने के बाद लोगों ने उससे नीचे उतरने की अपील की। स्थानीय लोगों को थोड़ी देर के लिए चिंता हुई क्योंकि युवक कुछ देर तक तारों पर लटका रहा। बाद में वह नीचे उतरा, जिससे सभी को राहत मिली। सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची और युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.